THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 47 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.1 2080 शनिवार, 6 मई 2023 प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राजौरी में 5 जवान शहीद

सुरक्षाबलों ने पुंछ अटैक में शामिल आतंकियों को घेरा, सुबह से मुठभेड़ जारी

श्रीनगर, 5 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच शुक्रवार सुबह से चल रही मुठभेड़ में सेना के 5 जवान शहीद हो गए हैं। सुबह दो जवान मुठभेड़ में शहीद हुए, वहीं घायल हुए तीन और जवानों की दोपहर में मौत हुई। इस तरह शहीदों का आंकड़ा 5 हो गया। एक जवान घायल है।

एनकाउंटर शुक्रवार सुबह साढ़े सात बजे शुरू हुआ तब से जारी है। सेना से मिली जानकारी के मुताबिक, दोनों ओर से फायरिंग जारी है। इसी दौरान आतंकियों के ब्लास्ट में आर्मी जवान शहीद हुए। सूत्रों से यह जानकारी भी मिली है कि सेना ने दो से तीन आतंकवादियों को घेर लिया है। ये वही आतंकी बताए जा रहे हैं, जो पुंछ में सेना के ट्रक पर अटैक में शामिल थे।

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी एनकाउंटर साइट पर पहुंचे :

न्यूज एजेंसी ने जानकारी दी है कि जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह और एडीजीपी जम्मू मुकेश सिंह एनकाउंटर साइट पर पहुंच गए हैं। राजौरी में एनकाउंटर गोवा के पणजी में चल रही एससीओ मीटिंग से पहले शुरू हुआ। इस मीटिंग में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भी शामिल हुए। इसमें जयशंकर ने भुट्टो के सामने कहा, आतंकवाद दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा है। आर्मी ने बताया कि यह ऑपरेशन 3 मई को शुरू हुआ था। राजौरी में कांडी के जंगलों में आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। यहां सर्चिंग ऑपरेशन शुरू किया गया। शुक्रवार सुबह 7:30 बजे सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच फायरिंग शुरू हुई। आतंकवादी एक गुफा के भीतर छिपे हुए थे। जिस इलाके में आतंकवादी छिपे हैं, वहां काफी पेड़-पौधे और पहाड़ियां हैं।

72 घंटे में 4 एनकाउंटर, 4 आतंकवादी ढेर :

राजौरी- मुठभेड़ जारी है : कंडी इलाके में शुक्रवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। यहां कई आतंकवादियों के होने की सूचना सुरक्षाबलों को मिली। बताया जा रहा है कि ये वही आतंकी है, जिन्होंने पुंछ में आर्मी ट्रक पर हमला किया था। पुंछ अटैक में 5 जवान शहीद हो गए थे।

अनंतनाग : जिले के बिजबेहरा इलाके में आतंकियों ने गुरुवार शाम को सुरक्षा बलों पर फायरिंग की थी। इस हमले में एक सुरक्षाकर्मी को हल्की चोट आई थी, जिसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इस हमले की जिम्मेदारी कश्मीर टाइगर्स ने ली थी।

ग्रुप ने एक पोस्ट में कहा है, सीनियर अधिकारी समेत कई जवान हमले में घायल हुए हैं। कश्मीर टाइगर्स ऐसे ही और हमलों की प्लानिंग कर रहा है।

बारामुला : यहां गुरुवार सुबह वनिगम पायीन क्रेरी इलाके में सुरक्षा बलों ने लश्कर के 2 आतंकियों को ढेर दिया था। उन्हें इलाके में आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद वहां सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

सिद्धू की सिक्योरिटी को लेकर बैकफुट पर आप सरकार

अमृतसर, 5 मई (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिद्धू की सिक्योरिटी कटौती को लेकर आप सरकार बैकफुट पर आ गई है। शुक्रवार को इस मामले में सिद्धू की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान आप सरकार ने याचिका का विरोध करने के बजाय रिव्यू करने के लिए समय मांग लिया। सरकारी पक्ष ने कहा कि अगर सिद्धू की सुरक्षा को लेकर जरूरत हुई तो इसे और बढ़ा दिया जाएगा। इस मामले की अगली सुनवाई 12 मई को होगी। जिसमें सरकार रिव्यू की रिपोर्ट रख सकती है। नवजोत सिद्धू हाल ही में रोडरेज केस में पटियाला जेल में 1 साल कैद काटकर लौटे हैं। उसके बाद ही आप सरकार ने उनकी सिक्योरिटी को जेड प्लस से घटाकर वाई प्लस कर दिया। जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी।

शरद पवार ही अध्यक्ष

16 सदस्यीय कमेटी ने इस्तीफा नामंजूर किया, कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया

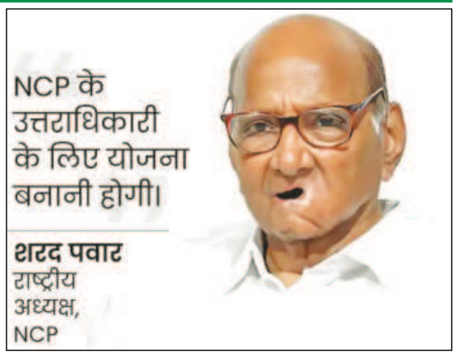

मुंबई, 5 मई (एजेंसियां)। एनसीपी का नया अध्यक्ष चुनने के लिए 16 सदस्यीय कोर कमेटी की शुक्रवार को मुंबई में मीटिंग हुई। सूत्रों के मुताबिक, मीटिंग में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रफुल्ल पटेल ने पवार का इस्तीफा खारिज करने के लिए प्रस्ताव पेश कर उनसे फैसला वापस लेने का अनुरोध किया। कमेटी के बाकी सदस्यों ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया और पवार का इस्तीफा नामंजूर कर दिया।

पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लगातार विरोध के बाद शरद पवार भी कह चुके हैं कि नया अध्यक्ष चुनने के लिए 16 सदस्यीय कमेटी जो फैसला लेगी, उन्हें वह मंजूर होगा। पार्टी कोर कमेटी की बैठक खत्म होने के बाद प्रफुल्ल पटेल मुंबई के यशवंत राव चव्हाण सेंटर से बाहर आए और प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीटिंग में हुए फैसले की जानकारी दी। पटेल बोले, शरद पवारजी ने हम लोगों को सूचना दिए बिना फैसला लिया।

सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की मांग पर कमेटी ने उनका इस्तीफा खारिज कर दिया। हमने उनसे पार्टी अध्यक्ष बने रहने की अपील की है। हमने उनसे अपील की है कि देश और पार्टी को आपकी जरूरत है। केवल एनसीपी ही नहीं, दूसरी पार्टियों के नेताओं ने भी यह रिक्वेस्ट की है कि शरद पवार अध्यक्ष बने रहें। पटेल ने कहा, शरद पवार जी का कद और उनका सम्मान अलग है। हम अभी नया अध्यक्ष नहीं चुन पाएंगे। हम चाहते हैं कि पवार साहब अपना कार्यकाल पूरा करें। पवार ने 2 मई को अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। ऐलान के बाद से ही इस्तीफे का विरोध जारी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने भी गुरुवार को पवार से इस्तीफा वापस लेने की अपील की थी।

'वोट बैंक के लिए कांग्रेस विरोध कर रही'

पीएम मोदी ने फिल्म 'द केरल स्टोरी' का जिक्र कर कहा

बेंगलुरू, 5 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कर्नाटक के बल्लारी के म्युनिसिपल हाई स्कूल ग्राउंड पहुंचे। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने फिल्म 'द केरल स्टोरी' का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि फिल्म आतंकी साजिशों को लेकर बनाई गई है। इसके जरिए आतंकवाद के खौफनाक और असली चेहरे को बेनकाब किया गया है। अब कांग्रेस आतंकवाद के खिलाफ बनी इस फिल्म का विरोध कर रही है। वे आतंकी प्रवृत्तियों के साथ खड़े हैं। कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक के लिए आतंकवाद का बचाव किया है। पीएम मोदी ने कहा कि कर्नाटक को देश का नंबर वन राज्य बनाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था, लॉ एंड ऑर्डर सबसे प्रमुख आवश्यकता है। कर्नाटक का आतंकवाद से मुक्त रहना भी उतना ही जरूरी है। भाजपा हमेशा से आतंकवाद के खिलाफ कठोर रही है। जब भी आतंकवाद पर कार्रवाई होती है कांग्रेस के पेट में दर्द होने लगता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं ये देख कर हैरान हूं कि अपनी वोट बैंक के खातिर कांग्रेस ने आतंकवाद के सामने घुटने टेक दिए हैं। ऐसी पार्टी क्या कभी भी

कर्नाटक की रक्षा कर सकती है? आतंक के माहौल में यहां के उद्योग, आईटी इंडस्ट्री, खेती, किसानी और गौरवमयी संस्कृति सब कुछ तबाह हो जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने कहा कि कल यहां इतनी बारिश के बाद इतनी कठिनाइयां थीं, उसके बावजूद ये जनसैलाब भाजपा को आशीर्वाद देने आया है। ये दर्शाता है कि चुनाव के नतीजे क्या हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ही कांग्रेस ने देश की व्यवस्थाओं के साथ ही देश की राजनीति को भी भ्रष्ट करने का काम किया है। बीते कुछ वर्षों में कांग्रेस ने भारत की राजनीति में एक और बीमारी पैदा कर दी है। चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस पैसों के दम पर अपने इको सिस्टम के दम पर झूठे नैरेटिव गढ़ती है। कांग्रेस की कोशिश होती है कि ऐसा करके वे जनता को भ्रमित कर दें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में ढेर सारे झूठे वायदें हैं। कांग्रेस का घोषणा पत्र मतलब तालाबंदी और तुष्टिकरण का बंडल है। अब तो कांग्रेस की हालत इतनी बुरी है कि उनके पैर कांप रहे हैं और इसलिए कांग्रेस को मेरे जय बजरंग बली बोलने पर भी आपत्ति होने लगी है। इससे पहले भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रायचूर में रोड शो किया। यहां उन्होंने कहा कि लंबे समय से आरक्षण को जो विषय चल रहा था, उसको रोकने का काम कांग्रेस ने किया है लेकिन बोम्मई साहब ने दलितों का 2 प्रतिशत, आदिवासियों का 4 प्रतिशत और लिंगायतों का 2 प्रतिशत आरक्षण बढ़ा दिया।

जयशंकर और बिलावल ने दूर से ही हाथ जोड़े

जयशंकर बोले-आतंकवाद को जायज नहीं ठहराया जा सकता

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) की बैठक में पाकिस्तान और भारत विदेश मंत्रियों की मुलाकात हुई। शुक्रवार को गोवा में विदेश मंत्रियों के स्वागत के दौरान एस जयशंकर ने नमस्ते किया तो बिलावल ने भी हाथ जोड़े। वहीं, पाक विदेश मंत्री भुट्टो से मिलने के 10 मिनट बाद ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद का मुद्दा उठाया।

उन्होंने कहा, आतंकवाद दुनिया के लिए बड़ा खतरा है। इसे किसी भी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता है। जयशंकर ने ये भी कहा कि आतंकवाद से हर रूप में लड़ना और उसे हर हाल में रोकना होगा। सीमा पार आतंकवाद को भी रोकना जरूरी है। आतंकवाद से लड़ाई एससीओ के वास्तविक लक्ष्यों में से एक है। पाकिस्तान के अलावा चीन, रूस समेत सभी सदस्य देशों के विदेश मंत्री इस बैठक में शामिल हुए हैं। वहीं, गुरुवार को फॉरेन मिनिस्टर एस जयशंकर ने चीन और रूस के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय चर्चा की थी। पाकिस्तान के साथ भारत की कोई बातचीत नहीं होगी। एससीओ की बैठक के दौरान पाकिस्तान की फॉरेन मिनिस्ट्री के प्रवक्ता मुमताज जेहरा ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अभी तक मीटिंग में सब सही जा रहा है। भारत ने अभी तक हमें शिकायत का कोई मौका नहीं दिया है। वहीं, गुरुवार को बिलावल भुट्टो ने एक वीडिया जारी कर कहा था कि वो एससीओ मीटिंग में चीन और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रियों से द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। इसके अलावा वो भारत में दो इंटरव्यू भी देंगे। एससीओ के दौरान बिलावल ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात की। एससीओ बैठक में शामिल होने पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भी गोवा पहुंचे।

कम नंबर आने पर भी कैसे मिल गया प्रमोशन?

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा राहुल गांधी को सजा देने वाले जज वर्मा का मामला

गुजरात के दो न्यायिक अफसरों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है और वर्मा समेत 68 जजों के प्रमोशन को रद्द करने की मांग की है।

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि मामले में सजा सुनाने वाले सूरत के ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट हरीश हसमुखभाई वर्मा के प्रमोशन का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वर्मा समेत 68 न्यायिक अफसरों के प्रमोशन को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर 8 मई को सुनवाई करेगा। जस्टिस हरीश हसमुखभाई वर्मा ने ही 23 मार्च को 'मोदी सरनेम' से जुड़े मामले में राहुल गांधी को 2 साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी सांसदी चली गई।

2 अफसरों ने दी प्रमोशन को चुनौती

सुप्रीम कोर्ट में गुजरात के सीनियर सिविल जज कैडर के दो न्यायिक अफसरों, रवि कुमार मेहता और सचिन प्रजापति मेहता ने याचिका दायर की है। रवि कुमार मेहता गुजरात सरकार के लीगल डिपार्टमेंट में अंडर सेक्रेटरी के पद पर तैनात हैं। वहीं, सचिन प्रजापति मेहता गुजरात स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी में असिस्टेंट डायरेक्टर हैं। दोनों अफसरों ने अपनी याचिका में मांग की है कि हरीश हसमुखभाई वर्मा समेत 68 अफसरों के प्रमोशन को रद्द किया जाए और नए सिरे से मेरिट कम सिनियॉरिटी आधार पर लिस्ट तैयार की जाए। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि कई ऐसे अभ्यर्थी हैं जिन्होंने प्रमोशन के लिए हुई परीक्षा में ज्यादा अंक हासिल किये, लेकिन उनका सेलेक्शन नहीं हुआ। बल्कि उनसे कम अंक हासिल करने वाले कैंडिडेट को प्रमोट कर दिया गया है। आपको बता दें कि हरीश हसमुखभाई वर्मा का प्रमोशन के बाद ट्रांसफर भी कर दिया गया था और उन्हें राजकोट जिला न्यायालय में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज नियुक्त किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट जता चुका है नाराजगी

28 अप्रैल को ही सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के 18 अप्रैल के उस नोटिफिकेशन, जिसके जरिये जजों का तबादला किया था, पर तीखी नाराजगी जाहिर की थी, क्योंकि मामला न्यायालय के सामने विचाराधीन है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्यायालय के काम में हस्तक्षेप मानते हुए राज्य सरकार के सेक्रेटरी से जवाब तलब किया था और पूछा था कि जब मामला न्यायालय के सामने लंबित है तो प्रमोशन और 18 अप्रैल को नोटिफिकेशन जारी करने की अर्जेंसी थी?

जज वर्मा को कैसे मिला प्रमोशन?

गुजरात हाईकोर्ट ने 10 मार्च, 2023 को एक नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके मुताबिक हरीश हसमुख भाई वर्मा समेत कुल 68 जजों को ड्रिस्ट्रिक्ट जज कैडर में प्रमोट किया है। ये 68 जज, 65% प्रमोशन कोटा के तहत आयोजित परीक्षा में शामिल हुए थे और सफल रहे। हरीश हसमुखभाई वर्मा की बात करें तो उन्हें 200 अंकों की इस परीक्षा में 127 अंक मिले थे और सीनियर सिविल जज से डिस्ट्रिक्ट जज कैडर में प्रमोशन के योग्य पाए गए थे। गुजरात सरकार का 29 दिसंबर 2022 का गैजेट नोटिफिकेशन

दिसंबर 2022 में भी मिला था प्रमोशन

गौर करने वाली बात यह है कि मार्च वाले नोटिफिकेशन से करीब ढाई महीने पहले

29 दिसंबर, 2022 को जारी एक गैजेट नोटिफिकेशन के मुताबिक हरीश हसमुख भाई वर्मा को एडिशनल सीनियर सिविल जज व एडिशनल चीफ ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट से चीफ ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट व एडिशनल सीनियर सिविल जज के तौर पर प्रमोट किया गया था।

कौन हैं जस्टिस वर्मा?

हरीश हसमुख भाई वर्मा मूल रूप से गुजरात के वडोदरा के ही रहने वाले हैं। उन्होंने कानून (एलएलबी) की पढ़ाई गुजरात के बहुचर्चित महाराजा सयाजीराव कॉलेज से की है।
43 वर्षीय हरीश हसमुखभाई वर्मा एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के बाद ज्यूडिशियल सर्विस में आए। जस्टिस वर्मा के पिता भी दिग्गज वकील रहे हैं।

न्यायिक गलियारों में जस्टिस वर्मा की गिनती तेज-तर्रार जज के तौर पर होती है। वह समय के काफी पाबंद माने जाते हैं।

उधमपुर में शहीद जवान पी अनिल को दी गई अंतिम श्रद्धांजली, हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से गई थी जान

जम्मू, 5 मई (एजेंसियां)। किश्तवाड़ में सैन्य हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से उस पर सवार तकनीशियन तेलंगाना निवासी पी अनिल की मौत हो गई। शुक्रवार को उधमपुर में शहीद जवान को समर्पित पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को घर रवाना किया गया। समारोह में उत्तरी कमान प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बहादुर जवान सीएफएन (एवीएन टेक) पब्बल्ला अनिल को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम बहादुर को सलाम करते हैं और दुख की इस घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़े हैं। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि सेना का ध्रुव हेलिकॉप्टर ऑपरेशनल मिशन पर गया था, जो मढ़वा इलाके में नीचे गिर गया। यह इलाका भारी बर्फबारी के कारण जिला मुख्यालय से कटा हुआ है। उत्तरी कमान मुख्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सुबह सवा 11 बजे ध्रुव हेलिकॉप्टर को किश्तवाड़ के मरुआ नदी में एहतियातन लैंडिंग करनी पड़ी।

छापेमारी में 4.5 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त

कोलार, 5 मई (एजेंसियां)। कोलार में बांगरपेट तालुक के एक गांव से 4.5 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाब नकदी जब्त की गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर एक रियल एस्टेट कारोबारी की कार पर छापा मारा, जिसमें बोरे में रखी नकदी बरामद की गई। इसके बाद गांव की तलाशी लेने पर और नकदी बरामद की गई। ऐसा आरोप है कि यह धन 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मतदाताओं के बीच बांटा जाना था। राज्य में 29 मार्च को आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 117 करोड़ रुपए नकद, 85.53 करोड़ रुपए मूल्य का सोना ओर 78.71 करोड़ रुपए की शराब जब्त की जा चुकी है।

अस्पताल में दांत तोड़कर महिला का किया रेप

स्वाति मालीवाल ने कहा- 'बहुत ज्यादा भयावह।'

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस चाहे कितना भी दावा क्यों न कर ले, लेकिन सच यह है कि महिलाएं देश की राजधानी में आज भी सुरक्षित नहीं हैं। दिल्ली में हैवानों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वो जब चाहे आपराधिक वारदातों को अंजाम देने से बाज नहीं आते। ताजा मामला दिल्ली के जीबी पंत अस्तपाल में रेप की घटना से जुड़ा है। इस मामले में एक महिला कर्मचारी से उसके परिचित युवक ने हैवानियत की सारी हदें पार कर रेप किया। इससे पहले युवक ने महिला पर जानलेवा हमला बोल कर उसके दांत तोड़ दिए और बेहोशी की हालत में दुष्कर्म किया। युवक पर आरोप है कि उसने पहले महिला के सिर पर किसी वजनदार वस्तु से हमला बोलकर उसके दांत तोड़ दिए। युवक के इस हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

अमेरिका में एक और पंजाबी की हत्या: लुटेरों से भिड़ा कपूरथला का युवक

कपूरथला (पंजाब), 5 मई (एजेंसियां)। कपूरथला के समीपवर्ती गांव जलाल भुलाना निवासी 30 वर्षीय युवक की वाशिंगटन स्टेट की वैंकूवर सिटी में लुटेरों से भिड़ंत में गोली लगने से मौत हो गई है। सुल्तानपुर लोधी के गांव बिधिपुर के दो सगे भाइयों को गोलियों से कत्ल कर दिया गया था। मारा गया युवक एक साल पहले ही अमेरिका गया था। इस वारदात की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। इस सूचना के गांव जलाल भुलाना पहुंचते ही परिवार में मातम छा गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली जोन में अपनी टेरिटरी बनाते दिखा छोटा भीम

उमरिया, 5 मई (एजेंसियां)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघ छोटा भीम हाल ही में खितौली जोन के जंगलों में अपना एरिया बनाते हुए सैलानियों के कैमरे में कैद हुआ है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सफारी पर गए पर्यटकों ने यह रोमांचक नजारा देखा और इसका वीडियो बनाया। अब बाघ छोटे भीम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में छोटा भीम खितौली जोन के जंगलों के पेड़ों पर स्प्रे मार्किंग करता हुआ दिख रहा है। बाघ छोटा बांधवगढ़ का काफी फेमस बाघ है। यह सैलानियों से काफी फ्रेंक है और अक्सर सैलानियों को जंगल सफारी के दौरान नजर आता है। करीब छह वर्षीय छोटे भीम ने खितौली जोन में अपनी टेरिटरी बना रखी है। छोटे भीम के वायरल वीडियो पर जिला मान सेवी वन्य प्राणी अभिरक्षक पुष्पेंद्र द्विवेदी ने बताया कि बाघ स्प्रे मार्किंग दो कारणों से करते हैं, जिनमें एक तो अपना एरिया बनाने के लिए करते हैं या दूसरा मेल बाघ फीमेल को अट्रैक्ट करने के लिए स्प्रे मार्किंग करते हैं।

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले की कार से टक्कर, एक व्यक्ति की मौत

कोलकाता, 5 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के चांदीपुर में भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले में शामिल एक कार की टक्कर लगने से कथित तौर पर एक व्यक्ति मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने यह दावा किया है। हालांकि, पुलिस अभी इस बात की पुष्टि नहीं कर पाई है कि उक्त वाहन नंदीग्राम के सांसद अधिकारी के काफिले में शामिल था या नहीं। दुर्घटना देर रात को हुई जिसके बाद स्थानीय लोगों ने एक घंटे से अधिक समय तक सड़क को जाम किया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि दुर्घटना के बाद भी काफिला नहीं रुका। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, "मृतक शेख इसराफिल एक पेट्रोल पंप के पास राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पार कर रहा था, तभी रात करीब साढ़े दस बजे एक कार ने उसे टक्कर मार दी। उसे एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।" अधिकारी के अनुसार, 'लोगों का दावा है कि यह कार शुभेंदु अधिकारी के काफिले का हिस्सा थी लेकिन हम अभी इस बात की पुष्टि नहीं कर पाए हैं।

पत्नी की डिलीवरी कराने आया युवक बना हैवान, 3 साल की मासूम को बनाया शिकार

छतरपुर, 5 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर में एक युवक द्वारा महज तीन साल की मासूम बच्ची से ज्यादती करने का मामला सामने आया है। मासूम की हालत गंभीर होने पर उसे ग्वालियर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार छतरपुर जिले के राजनगर में 3 साल की मासूम बच्ची से हैवानियत का मामला सामने आया है। आरोपी दिल्ली में मजदूरी करता है और इलाके के बमीठा थाना क्षेत्र के ढोढंन गांव का रहने वाला है। वह पत्नी की डिलीवरी कराने के लिए ससुराल राजनगर के सिंगरों गाव आया था।

इरोड जिले में हाथी ने मचाया उत्पात

गन्ने के खेत में काम कर रहे किसान को कुचल कर मार डाला

इरोड, 5 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु से अक्सर हाथियों के उत्पात मचाने की खबरें सामने आती रहती हैं। इरोड जिले के गोबीचेट्टीपलयम के पास एक जंगली हाथी ने 50 साल के व्यक्ति को कुचल कर मार डाला। मृतक की पेरुमुगई गांव का रहने वाला था और उसकी पहचान पी सिद्धेश्वरन के रूप में हुई है। यह दर्दनाक घटना उस समय हुई जब वह गन्ने के खेत में काम कर रहा था। उसी दौरान हाथी ने किसान पर हमला कर दिया। वन अधिकारियों के मुताबिक, एक नर हाथी सुबह 9 बजे आंदीपलयम में एक खेत में घुस गया और उसने वहां फसलों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया। जिसके बाद खेती में काम कर रहे पी सिद्धेश्वरन ने उसे भगाने की कोशिश की। लेकिन हाथी ने उस पर हमला कर दिया और किसान को कुचल कर मार डाला। स्थानीय लोगों को जब इसकी सूचना मिली वे फौरान किसान को बचाने के लिए पहुंचे। लेकिन तब तक किसान की मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने पीड़ित के शव को निकाल कर सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के भीतर स्थित थुकनाइकेन पलयम वन रेंज को इसकी सूचना दी।

कांग्रेस ने भाजपा को सभी भाषाओं के विकास की पक्षधर बताने के लिए शाह पर निशाना साधा

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान के लिए उन पर निशाना साधा जिसमें उन्होंने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सभी भाषाओं के विकास की पक्षधर है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए 640 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि कन्नड़ के प्रचार-प्रसार पर मात्र तीन करोड़ रुपये खर्च किए गए। अमित शाह ने अंग्रेजी दैनिक द हिंदू को दिए साक्षात्कार में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सभी भाषाओं के विकास की पक्षधर है और यह आरोप राजनीति से प्रेरित है कि उनकी पार्टी क्षेत्रीय भाषाओं की कीमत पर हिंदी का प्रचार-प्रसार करती है।

उनके इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रमेश ने ट्वीट किया, गृह मंत्री ने एक साक्षात्कार में दावा किया है कि भाजपा सभी भाषाओं के विकास की पक्षधर है। क्या यही वजह है कि मोदी सरकार ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार पर 640 करोड़ रुपये खर्च किए और कन्नड़ के प्रचार-प्रसार पर सिर्फ तीन करोड़ रुपये की राशि खर्च की? उन्होंने यह सवाल भी किया, क्या यही कारण है कि उस व्यक्ति को कर्नाटक की 40 प्रतिशत कमीशन सरकार ने पाठ्यपुस्तक संशोधन समिति का प्रमुख बना दिया जिसने महान कवि कुवेम्पु का अपमान किया था? क्या यही वजह है कि वन संरक्षण संशोधन विधेयक, 2022 के साथ यह परंपरा शुरु कर दी गई कि कानूनों के अंग्रेजी नाम हटा दिए जाएं और इनकी जगह हिंदी नाम रख दिए जाएं? कांग्रेस महासचिव ने कहा, गृह मंत्री जी, मैं ऐसी बहुत सारी बातें और रख सकता हूं। आप एक ऐसे व्यक्ति के साथ काम करते हैं जिनका लक्ष्य असत्यमेव जयते रहा है।

सिरफिरे हमलावर ने कुत्ते पर चाकू से किया हमला

मुंबई, 5 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक अजीबों-गरीब मामला प्रकाश में आया है। यहां उस्मानापुर में एक ऐसी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई है जो अमानवीय है। 25 अप्रैल की देर रात 1 बजे एक अज्ञात शख्स ने सड़क किनारे खड़े एक कुत्ते पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले के बाद अगले दिन कुत्ते की लाश सड़क किनारे पड़ी मिली। इस घटना की रिकॉर्डिंग सीसीटीवी में हो गई है। इलाके में मौजूद लोगों ने इस मामले की शिकायत पुलिस में की और सीसीटीवी फुटेज की जानकारी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हमलावर की तलाश में जुट गई है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि रात का समय है और सड़क पूरा सुनसान है तथा घनघोर अंधेरा छाया हुआ है।

कर्नाटक चुनाव के बाद भाजपा के 'डबल इंजन में से एक कबाड़ में चला जाएगा: मोइली

मंगलुरु, 5 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी के 'डबल इंजन' में से एक को कबाड़ में भेज दिया जाएगा। मोइली ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से कहा, "विधानसभा चुनाव के बाद एक इंजन कबाड़ में भेज दिया जाएगा और दूसरा भी 2024 में कबाड़ में चला जाएगा।" उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि भाजपा ने यहां डबल इंजन लगाये थे क्योंकि एक इंजन से काम नहीं चला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने कहा कि दोनों तानाशाह की तरह बर्ताव कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार स्वतंत्र एजेंसियों को नियंत्रित कर रही है जिसमें सुरक्षा संबंधी एजेंसियां भी शामिल हैं और भाजपा के शासनकाल में लोकतंत्र की नींव कमजोर हो गयी है। मोइली ने कहा कि प्रधानमंत्री के बार-बार कर्नाटक दौरों से साफ हो गया है कि भाजपा विधानसभा चुनाव में हार को लेकर आशंकित है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस कर्नाटक की सत्ता में आती है तो वह अपने घोषणापत्र में घोषित सभी छह गारंटी लागू करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने देश और प्रदेश को कर्ज के जाल में फंसा दिया है और उस पर निजीकरण की धुन सवार है।

कूड़ा फेंकने को लेकर हुए विवाद में गई 6 लोगों की जान

एक-एक को गोलियों से भूना

मुरैना, 5 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना में आपस की पुरानी रंजिश आज खून-खराबे में बदल गई। आपसी रंजिश में एक ही परिवार के 6 सदस्यों की मौत हो गई है। मरने वालों में 3 पुरुष व तीन महिलाएं शामिल हैं। वहीं इस घटना में महिलाओं सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना सिंहोंनिया थाना अंतर्गत लेपा गांव की है। यहां आज सुबह धीर सिंह समेत अन्य लोगों ने हथियारों समेत गजेंद्र सिंह के घर पर हथियारों से हमला किया। इस घटना में 6 लोगों की मौत हो गई है। बता दें कि यह विवाद साल 2013 में घूरे पर कूड़ा डालने से शुरू हुआ था। इस दौरान धीर सिंह तोमर और गजेंद्र सिंह तोमर के बीच हुए विवाद में धीर सिंह के परिवार के दो लोगों की मौत हो गई थी। हालिया गोलीबारी की घटना के बाद से हमलावर गांव छोड़कर फरार हो गया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल बेजा गया है। जिले के प्रभारी पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए अत्यधिक पुलिस बल की तैनाती गांव में कर दी है। बता दें कि इस घटना का किसी ने वीडियो भी बनाया है जो बेहद दर्दनाक है। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक के बाद एक कई गोलियां राइफल से लोगों को मारी जा रही हैं। साल 2013 में कूड़ा डालने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। पहले भी आपसी रंजिश में धीर सिंह तोमर के परिवार के दो लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद गजेंद्र सिंह तोमर का परिवार गांव छोड़कर फरार हो गया था। दोनों पक्षों में न्यायालय के बाहर सुलह भी हुई थी। लेकिन आज जब गजेंद्र सिंह तोमर का परिवार गांव आया था तो योजनाबद्ध तरीके से धीर सिंह तोमर के परिवारवालों ने लाठी डंडों से हमला कर दिया। इसके बाद लगातार गोलीबारी कर 6 लोगों को मौत के घाट उतार दिया।

सातवीं के छात्र की बेरहमी से पिटाई, छात्रा का नाम पूछने पर भड़का स्कूल निदेशक

रेवाड़ी, 5 मई (एजेंसियां)। रेवाड़ी के गांव लाखनौर स्थित एक निजी स्कूल में छात्रा से बातचीत करने पर निदेशक ने सातवीं के छात्र की बेरहमी से पिटाई कर दी। बच्चे के घर पहुंचने के बाद पिटाई के बारे में पता लगा। उसके बाद छात्र की मां ने सदर थाना में शिकायत

देकर स्कूल के निदेशक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

बजरंग दल के हमले के बाद अमित शाह से कांग्रेस कार्यालय पर सीआईएसएफ की सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग

भोपाल, 5 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में कांग्रेस कार्यालय पर बजरंग दल के हमले के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सीआईएसएफ की सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने गृहमंत्री को पत्र लिखा है। नेता प्रतिपक्ष डॉ। गोविंद सिंह ने शुक्रवार को गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा। इसमें नेता प्रतिपक्ष ने जबलपुर कांग्रेस कार्यालय में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने घुसकर तोड़फोड़ करने और कर्मचारियों के साथ अभद्रता करने की बात कही हैं। उन्होंने इस मामले में मध्य प्रदेश पुलिस पर मुकदर्शक बनकर तमाशा देखने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की इतनी हिम्मत हो गई है कि वह कानून की परवाह करें बिना कांग्रेस कार्यालय को अपना निशाना बना रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक राजनैतिक दल के कार्यालय पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा सरेआम इस तरह हमला किया जाना अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक हैं। उन्होंने स्थिति को समझने के लिए घटना के वीडियो फुटेज देखने को भी कहा। डॉ। गोविंद सिंह ने जबलपुर पुलिस अधीक्षक टीके विद्यार्थी के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने एवं मध्य प्रदेश के जिला कांग्रेस कार्यालयों पर सीआईएसएफ की सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। बता दें कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पीएफआई और बजरंग दल जैसे संगठनों पर बैन लगाने की घोषणा की हैं।

लॉटरी से ब्लैक मनी को किया व्हॉइट अनुब्रत मंडल के खिलाफ चार्जशीट में 48 करोड़ का घोटाला

कोलकाता, 5 मई (एजेंसियां)। बंगाल में गाय तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने टीएमसी नेता अनुब्रत मंडलके खिलाफ चार्जशीट दायर की है। चार्जशीट में 48 करोड़ रुपए धांधली का आरोप लगाया गया है। इसके साथ ही इसमें लॉटरी टिकट के नाम पर ब्लैक मनी को व्हॉइट करने का आरोप लगा है। ईडी ने अपनी चार्जशीट में लॉटरी घोटाले का भी जिक्र किया है। इसकी पूरी जानकारी दी गयी है कि कैसे अनुब्रत मंडल ने इस पूरे काम को अंजाम दिया है। ईडी ने दावा किया कि कई लॉटरी पुरस्कार जीतना वास्तव में गाय तस्करी के काले धन को सफेद करने की रणनीति थी। अनुब्रत मंडल और उनकी सुकन्या मंडल ने 10-12 बार लॉटरी जीती है। ईडी ने मवेशी तस्करी मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की है। उस चार्जशीट में अनुब्रत मंडल के साथ उनकी बेटी सुकन्या मंडल का भी नाम है। चार्जशीट में सीए मनीष कोठारी का भी

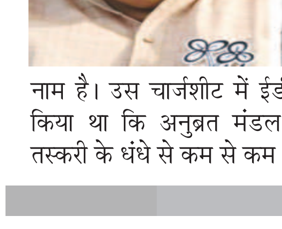

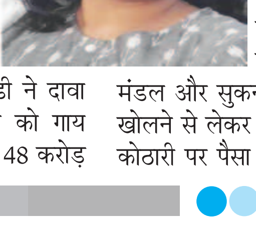

नाम है। उस चार्जशीट में ईडी ने दावा किया था कि अनुब्रत मंडल को गाय तस्करी के धंधे से कम से कम 48 करोड़ 'संरक्षण धन' मिला था। चार्जशीट में सुकन्या मंडल के नाम पर दो चावल के मिल भोले ब्योम राइस मिल और शिव शंभु राइस मिल का जिक्र है। वहीं, ईडी का दावा है कि अनुब्रत मंडल और सुकन्या मंडल ने नई कंपनी खोलने से लेकर चार्टर्ड अकाउंटेंट मनीष कोठारी पर पैसा ट्रांसफर करने की सारी जिम्मेदारी दी थी। इतना ही नहीं ईडी ने अपनी चार्जशीट में लॉटरी घोटाले का भी जिक्र किया है। ईडी ने दावा किया कि कई लॉटरी पुरस्कार जीतना वास्तव में गाय तस्करी के काले धन को सफेद करने की रणनीति थी। अनुब्रत मंडल और सुकन्या मंडल ने 10-12 बार लॉटरी जीती। अब तक दो करोड़ मिल चुके हैं। ईडी ने चार्जशीट में कहा कि दो बार उन्होंने 50 लाख रुपये और दूसरी बार एक करोड़ रुपये जीते है। ईडी का मानना है कि यह रकम ज्यादा है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि अनुब्रत मंडल ने बैंकों और आयकर विभाग की निगरानी से बचने के लिए कई रणनीतियां अपनाईं। बैंक खाते में पैसा जमा करने के मामले में, ताकि राशि अधिक न दिखाई दे। मसलन 50 हजार की जगह 49,999 रुपये जमा हो किये गए। 1 लाख जमा करने के बदले 99,999 रुपये जमा कर दिए। 2 लाख की जगह 1,99,999 रुपये जमा किये गए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 6 मई, 2023

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सं. 02/2023-24/सीनि.डीइइ/टीआर/एचवायबी दि. 04-05-2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, कार्यवाहक सीनि.डीइइ/टीआर/एचवायबी व्दारा तत्संबंधित निविदा सं. 02/2023-24/सीनि.डीइइ/टीआर/एचवायबी दि. 04-05-2023, बंद तिथि 26-05-2023 के 15.00 बजे के प्रति ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण केवल संबध्द बंद तिथि व समय तक अपने मूल/संशोधित बोलियों को प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स स्वीकार्य नहीं होंगे तथा इस प्रकार के मैन्युएल आफर्स प्रेषित करने पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

क्रम सं.:1 निविदा सं. : 02/2023-24/सीनि.डीइइ/टीआर/एचवायबी, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः यात्रियों की सुविधाओं रहित केवल ब्लाक स्टेशन(पेरुर) व्यवस्था व्दारा कौकुंटला तथा वनपर्थी रोड स्टेशनों के मध्य ब्लाक सेक्शन की स्प्लिटिंग कार्य-टीआरडी-ओएचइ व्यवस्था। अनुमानित मूल्यः रु.83,60,292.89, पूधराः रु.1,6%,200.00, पूरा करने की अवधिः 04 महिने, बंद करने की तिथिः 26-05-2023

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

तत्संबंधित निविदा का पूरा विवरण, सीनि.डीइइ/टीआर/एचवायबी, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025 के कार्यालय पर स्थित सूचना पटल पर देख सकते हैं।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता(ट्रैक्शन), हैदराबाद

निविदा सूचना सं. एलजीडी/एल/02/2023-24/ओटी दि. 03-05-2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, कार्यवाहक डीइइ/एलजीडीएस व्दारा तत्संबंधित निविदा सं. एलजीडी/एल/ 02/2023-24/ओटी-इ-टेंडर-बंद तिथि 25-05-2023 के 15.00 बजे के प्रति ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण केवल संबध्द बंद तिथि व समय तक अपने मूल/संशोधित बोलियों को प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स स्वीकार्य नहीं होंगे तथा इस प्रकार के मैन्युएल आफर्स प्रेषित करने पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ठेकेदारों को अनुमति दी जाती है कि, वे इस निविदा से जुडी निविदा दस्तावेज मूल्य तथा पूधरा (बिड सेक्युरिटी) को ई-पेमेंट गेटवे व्दारा नकद रुप में जमा कर सकते हैं या शेड्युल कमर्शियल बैंक आफ इंडिया से बैंक गारंटी बांड के रुप में या निविदा दस्तावेज में विवरित सूचना व्दारा कर सकते हैं। संबध्द बैंक गारंटी बांड जो अनुलग्नक-VI A नुसार होना चाहिए तथा जो बोली वैधता अवधि के बाद 90 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा। मूल बैंक गारंटी, निविदा दस्तावेज में दर्शाए अनुसार नामित अधिकारी को, व्यक्तिगत रूप से, बोलियां प्रस्तुत करने की समय सीमा के 5 कार्य दिवसों के भीतर, पहुंचाई जानी चाहिए। ई-टेंडरिंग पोर्टल (आईआरईपीएस) पर बोली के साथ बी.जी. की स्कैन की हुई कापी या प्रति जमा न करना और या मूल बी.जी. का निर्दिष्ट अवधि के भीतर जमा न करने पर बोली को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जाएगा।

क्रम सं. :01, निविदा सूचना सं. एलजीडी/एल/02/2023-24/ओटी, कार्य विवरणः सीडब्ल्यूएस/एलजीडी पर 2 वर्षो की अवधि के लिए ड डीएमयु पावर कारों के 1600 एचपी मेधा मेक ट्रैक्शन आल्टरनेटर्स की मरम्मत/सर्विसिंग करना। अनुमानित मूल्यः रु.60,1%,568/-(केवल साठ लाख सत्रह हजार पांचसौ अडसठ रुपये), पूधराः रु.1,20,400/-

पूरा करने की अवधिः लेटर आफ एक्सपेक्टेंस या पत्र स्वीकृति की जारी की तिथि से लेकर 24 महिने

बंद करने की तिथिः 25.05.2023 के 15.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in
तत्संबंधित निविदा का पूरा विवरण, मंडल बिजली अभियंता, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017 के कार्यालय पर स्थित सूचना पटल पर देख सकते हैं।

मंडल बिजली अभियंता, सीडब्ल्यूएस, लालागुडा, सिकंदराबाद

निविदा सं. जीटीएल-इएम-02 एंड 03-2023-24 दि.04-05-2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, तथा कार्यवाहक वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल व्दारा निम्न विवरित कार्यों के प्रति ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं. :1, निविदा सं.: जीटीएल-इएम-02-2023-24 गुंटकल डिवीजन-1- निम्न 4 स्टेशनों जैसे (केक्यूए,सीके) (एससीएच-ए) 2. श्रीकालहस्ती पर ट्रैक मशीन स्टेबलिंग साइडिंग्स प्रावधान के प्रति बिजली व्यवस्था-कालोनी(एससीएच-बी) के लिए जलापूर्ति हेतु नये ओएच टैंक सहित जर्जर ओएच टैंक की रिप्लेसमेंट के प्रति बिजली व्यवस्था करना। अनुमानित मूल्यः रु.36,83,139/-, बंद तिथि व समयः 26-05-2023 के 15.00 बजे

क्रम सं. 2 निविदा सं. जीटीएल-इएम-04-2023-24 गुंटकल डिवीजन-तिरुपति - नारायणाद्रि एक्सप्रेस के पावर कारों के डीजी सेट्स के प्रति वार्षिक रखरखाव ठेका । अनुमानित मूल्यः रु.75,14,511.40 बंद तिथि व समयः 26.05.2023 के 15.00 बजे

टेंडर की बिड्डिंग तथा अन्य जानकारी हेतु कृपया http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुध्दिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदादाताओं व्दारा निविदा दस्तावेज को, निःशुल्क रुप में, http://www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

टिप्पणीः इस ई- निविदा/बोली में भाग लेने के लिए, निविदादाता के पास वैध डीएससी(डिजिटल सिग्निचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना जरूरी है।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

निविदा सं. एन-एसजी-36-2023-24-जीएस-सीआयबी-01 दि.04-05-2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता, जीएस युनिट नांदेड डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, नांदेड व्दारा निम्न विवरित कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से दि. 26-05-2023 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

*क्रम सं. 1 निविदा सं. एन-एसजी-36-2023-24-*जीएस-सीआयबी-01, कार्य विवरणः एबीएसएस कार्य के तहत नांदेड डिवीजन के पीबीएन, एनएसएल, पीएयु, एडीबी, एसइएलयु, पीटीयु, केएनवीटी, डब्ल्यूएचएम, जीएनएच, एचएनएल, एमयुइ, एचइएम, आरजीओ, बीओकेआर तथा एमवीओ स्टेशन पर सीआयबीज एवं टीआयबीएज की व्यवस्था का प्रावधान। अनुमानित मूल्यः रु.3,33,14,549/-, बोली सुरक्षा जमा राशिः रु. 3,16,600/-, पूरा करने की अवधिः09 महिने, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य ।

उक्त निविदा बंद होने की तिथि 26.-05-2023 के 15.00 बजे है।

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता, नांदेड

A0647

अतिरिक्त निविदा शर्तो/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

बुद्ध की शिक्षाओं के प्रसार के लिए कार्य योजना लागू कर रही सरकार : केसीआर

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि राज्य सरकार, राज्य के विभिन्न हिस्सों में फैले पुराने बौद्ध मंदिरों को पुनर्जीवित कर तेलंगाना से दुनिया भर में गौतम बुद्ध की शिक्षाओं के प्रसार के लिए कार्य योजना लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की धरती पर बौद्ध धर्म का प्रसार सभी के लिए गर्व का विषय है क्योंकि उन्होंने कहा कि तेलंगाना के सामाजिक जीवन और संस्कृति की जड़ें बौद्ध धर्म में गहराई से जुड़ी हुई हैं। कृष्णा नदी और गोदावरी नदियों के तट पर बने बौद्ध स्थल हजारों साल पुराने हैं, जो तेलंगाना में बौद्ध धर्म के प्रसार के प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नागार्जुन सागर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ विकसित किया गया 'बुद्धवनम' दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है।

मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गौतम बुद्ध की शिक्षाओं का अभ्यास करने से मानव जाति को यूटोपियन जीवन प्राप्त करने में मदद मिलेगी। आगे कहा कि भगवान बुद्ध द्वारा सिखाई गई प्रकृति, प्रेम, करुणा, अहिंसा के साथ सद्भाव में रहने का ज्ञान आज के समाज के लिए अनिवार्य है। केसीआर ने कहा कि उस भूमि पर रहना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है जहां से बुद्ध ने 2500 साल पहले मानवता की पूरी दुनिया को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महान सिद्धांतों की शिक्षा दी थी। उन्होंने कहा कि रंग, लिंग, जाति आदि के आधार पर भेदभाव और घृणा के खिलाफ महान ऑष्टि और दार्शनिक ज्ञान के साथ भगवान बुद्ध द्वारा प्रचारित सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सिद्धांत अमर हैं। बुद्ध की शिक्षाएं तब तक प्रासंगिक रहेंगी जब तक मानव समाज रहेगा। सीएम ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रही है कि तेलंगाना के लोग सभी क्षेत्रों में खुशी से रहें।

कांग्रेस कार्यालय में भाजपा व बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने चुनावी वादे में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात कही है, जिसके विरोध में बजरंग दल और भाजपा के कार्यकर्ता नगर स्थित कांग्रेस मुख्यालय में शुक्रवार को हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए एकत्रित हुए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दर्जनों भाजपा और बजरंग दल के कार्यकर्ता गांधी भवन के बाहर एकत्र हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने धार्मिक नारे लगाए और हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू कर दिया।

विरोध की सूचना पर पुलिस ने गांधी भवन पर भारी संख्या में बल तैनात कर और बैरिकेड्स लगाकर सुरक्षा कड़ी कर दी थी। कांग्रेस कार्यालय के सामने सड़क पर बैठे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

इस बीच तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने कहा, अगर केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी और सांसद लक्ष्मण सामने आए तो वह उनके साथ हनुमान चालीसा का पाठ करने को तैयार हैं। श्री रेड्डी ने कहा कि हम हिंदू हैं। हमें हनुमान चालीसा का पाठ करने में कोई आपत्ति नहीं है। किशन रेड्डी और लक्ष्मण को आने दीजिए, हम साथ मिलकर पाठ करेंगे।

टीपीसीसी नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के साथ सीक्रेट अंडरस्टैंडिंग है। उन्होंने दावा किया कि यह तब स्पष्ट हो गया जब विधान परिषद चुनाव में भाजपा ने एआईएमआईएम के खिलाफ अपना उम्मीदवार नहीं उतारा।

CLASSIFIEDS

प्लॉट बिक्री

राघवेंद्रनगर कॉलोनी, सामने NPA, शिवरामपल्ली 500sqyd नॉर्थ फ़ेस, क्लियर टाइटल प्लॉट बिक्री के लिए संपर्क करें: 9849073143, 8639754985

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

PUBLIC NOTICE

LOST DOCUMENTS

Notice is hereby given that the following 23 Documents, all pertaining to Property under Development at Yelahanka, Bengaluru which are carried in a Bag by our employee Mr.G Suresh have been lost during transit while travelling from JNTU Junction towards our office at 711, Manjeera Trinity Corporate, KPHB Colony, Hyderabad and a Report about the lost documents has been lodged at the Kukatpally Police Station on 03/05/2023 vide application No. 1520030523194525161 3. Documents Lost are: 1.R. R. Pakka Book (Balahagadha Nekalu), issued by Thasildar, Bangalore North Taluk, Yelahanka, Bangalore dated 30.11.2005 (Certified Copy); 2. Conversion sketch issued by Taluk Surveyor, Bangalore North (Addl) Taluk, Yelahanka (Photocopy); 3. Form A, issued by the Registrar of Firms, Jayanagara Regn. Dist, Bangalore (Photocopy); 4.Partnership Dead of M/s. Zaiv Cons — Firm/JNR/1077/2014-15 Dated 11.11.2014 (Photocopy); 5. Form 'A', issued by the Registrar of Firms, Jayanagara Regn. Dist, Bangalore (Photocopy); 6. RR Pakka Book (Balabagadha Nakalu), issued by Tahsildar, Bangalore North Taluk, Yelahanka, Bangalore(Certified Copy); 7.Order passed in RLC. No. 438/67, by Court of II Addl. Munsiff, Bangalore(Certified Copy); 8.Challan for having been paid conversion fine to Government Treasury with respect to the Survey No 40(Original); 9.Challan for having been paid conversion fine to Government Treasury, with respect to Survey No 43(Original); 10.Cancelation Deed of M/s Zaiv Cons registered vide document No. 1420/15-16 in the office of Sub Registrar Yelahanka(Certified Copy); 11.Deed of Revocation of Power of Attorney registered vide Doc. No 92/15-16 of Book IV, in the office of the Sub-Registrar Yelahanka(Certified Copy); 12.Hudbast, issued by the Land Surveyor of Bangalore North Taluk, Yelahanka, Bangalore(Certified Copy); 13.Survey Sketch prepared by the Geobasic Surveys(Certified Copy); 14.Joint Development Agreement of M/s Zain Cons, registered vide document No. 6282/2014-15 of Sub-Registrar, Yelahanka, Bangalore(Original); 15.General Power of Attorney registered vide Doc. No. 178/2014-15 of Sub-Registrar, Yelahanka, Bangalore (Original); 16.Joint Development Agreement vide Doc. No. 1431/2015-16 of Book I, in office of Sub-Registrar, Yelahanka, Bangalore(Original); 17. General Power of Attorney registered vide Doc. No. 94/16-16 of Book IV, in the office of Sub-Registrar, Yelahanka, Bangalore(Original); 18.Joint Development Agreement registered vide Doc. No. 1432/2015-16 of Book I, office of Sub-Registrar, Yelahanka, Bangalore (Original); 19. General Power of Attorney registered vide Doc. No. 95/15-16 in the office of Sub-Registrar, Yelahanka, Bangalore(Original); 20Hudbust issued by the Land Surveyor of Bangalore North Taluk, Yelahanka, Bangalore (Certified Copy); 21. Endorsement in No. PTCL C.R/511/2013-14, issued by Assistant Commissioner, Bangalore North Sub-Division, Bangalore (Certified Copy); 22.Hudbust, issued by the Land Surveyor of Bangalore North Taluk Yelahanka, Bangalore (Certified Copy); 23. Form "A" issued by the Registrar of Firms, Jayanagara Regn. Dist., Bangalore(Photocopy); The above Documents are not traced till now. General Public is informed that if anybody has found and/or in possession of the said documents, kindly handover the same to G.Suresh (Mobile:9852432109) at our Office Manjeera Constructions Ltd., #711, Manjeera Trinity Corporate, JNTU-Hitech City Road, Kukatpally, Hyderabad.

M.ROOP KUMAR, Advocate.
Plot no.35, Laxminagar Colony, Picket, Secunderabad-500026. Mobile: 9885212588
Date: 05/05/2023
Secunderabad

हैदराबाद रेलवे स्टेशन पर 67.5 लाख रुपये की सिगरेट जब्त

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे का रेलवे सुरक्षा बल महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा आदेशित पैन इंडिया ड्राइव के तहत ट्रेनों के माध्यम से ले जाए जा रहे पार्सल पर निगरानी रख रहा है। इस संबंध में दमरे आरपीएफ की अपराध खुफिया शाखा द्वारा एकत्र किए गए खुफिया इनपुट के आधार पर हैदराबाद रेलवे स्टेशन पर तस्करी के 67.50 लाख रुपये के सिगरेट जब्त किए गए। रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस की एक संयुक्त टीम ने हैदराबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन नंबर 12724 तेलंगाना एक्सप्रेस से अनलोड किए गए पार्सल की विशेष जांच की। निरीक्षण के दौरान पंद्रह पार्सल जो नई दिल्ली से लोड किए गए थे, संदिग्ध पाए गए। इसके बाद पार्सल को खोला गया और 45 कार्टून बॉक्स में 4,50,000 विदेशी पेरिस ब्रांड की सिगरेट पाए गए। पार्सल नई दिल्ली से किराना आइटम घोषित करके बुक किए गए थे। सूत्रों के अनुसार एक सिगरेट की डंडी मांग के अनुसार खुले बाजार में 15 से 20 रुपये में बेची जा रही है। तस्करी की गई सिगरेट का कुल मूल्य 67.50 लाख रुपये आंका गया है। जब्त सिगरेट को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया गया है। इस संबंध में आरपीएफ हैदराबाद ने भी माल भेजने वाले के खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत झूठी घोषणा करने का मामला दर्ज किया है। राजा राम, आईजी सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण मध्य रेलवे ने कहा कि अवैध सिगरेट की तस्करी भारतीय अर्थव्यवस्था के कई पहलुओं को प्रभावित कर रही है और यह एक प्रमुख चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि रेलवे सुरक्षा बल आने वाले दिनों में भी इस तरह के अभियान चलाता रहेगा और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए भी चौकसी बढ़ा दी जाएगी।

टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में दो और गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) परीक्षा पेपर लीक मामले की जांच कर रहे तेलंगाना पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विकाराबाद मंडल परिषद विकास अधिकारी (एमपीडीओ) के कार्यालय में काम करने वाले भगवंत और उसके भाई रवि कुमार को एसआईटी ने गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने जांच के दौरान पाया कि भगवंत ने अपने भाई रवि कुमार के लिए एक आरोपी ढाक्या नायक से सहायक अभियंता (एई) परीक्षा का प्रश्न पत्र खरीदा था। भगवंत ने प्रश्नपत्र के लिए ढाक्या नायक के खाते में दो लाख रुपए ट्रांसफर किए। दो और आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ ही मामले में अब तक गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या 21 हो गई है। ढ़ाक्या टीएसपीएससी के एक कर्मचारी, मुख्य आरोपी प्रवीण कुमार से प्रश्नपत्र प्राप्त किए थे। उसने अपने भाई राजेश्वर नायक के लिए प्रश्नपत्र खरीदा था, जो एई परीक्षा में शामिल हुआ था। उसने ढाक्या के साथ मिलकर दूसरों को प्रश्नपत्र बेचे थे। टीएसपीएससी घोटाला 12 मार्च को प्रकाश में आया, जिसके कारण समूह 1 प्रारंभिक परीक्षा, सहायक अभियंता, एईई और डीएओ परीक्षा रद्द कर दी गई। टीएसपीएससी में एक सहायक अनुभाग अधिकारी के रूप में काम करने वाले प्रवीण और टीएसपीएससी में एक नेटवर्क व्यवस्थापक राजशेखर रेड्डी ने कथित तौर पर आयोग के एक गोपनीय खंड में एक कंप्यूटर से कुछ परीक्षाओं के प्रश्नपत्र चुरा लिए थे और इसे अन्य आरोपियों को बेच दिया था। परीक्षा पेपर लीक मामले ने तेलंगाना में सनसनी पैदा कर दी क्योंकि विपक्षी दलों कांग्रेस और बीजेपी ने राज्य में लाखों बेरोजगारों को प्रभावित करने वाले लीक के लिए बीआरएस सरकार को जिम्मेदार ठहराया। एसआईटी ने टीएसपीएस के अध्यक्ष जनार्दन रेड्डी, सचिव अनीता रामचंद्रन और सदस्य बी. लिंगा रेड्डी से भी पूछताछ की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रहा है। एसआईटी ने कथित तौर पर मामले में 33.4 लाख रुपये के वित्तीय लेनदेन की पहचान की है।

पुलिस सेवाओं को अधिक प्रभावी ढंग से प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए : सीवी आनंद

सीपी ने नए थानों, एसीपी और डीसीपी कार्यालयों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर पुलिस के पुनर्गठन के बाद शहर के पुलिस प्रमुख सीवी आनंद ने शुक्रवार को नए थानों, एसीपी और डीसीपी कार्यालयों का निरीक्षण किया। दिन भर के औचक निरीक्षण में, सीपी आनंद ने दक्षिण पूर्व और दक्षिण क्षेत्रों में आम जनता के लिए उपलब्ध सुविधाओं, बुनियादी ढांचे, परिचालन तत्परता और सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने सैदाबाद थाने, एसीपी कार्यालय, चंद्रायनगुट्टा पुराने थाने, संतोष नगर थाने, सैदाबाद थाने और दक्षिण पूर्व क्षेत्र के लिए नव स्वीकृत महिला पुलिस थाने, दक्षिण पूर्व डीसीपी कार्यालय और नव निर्मित बंडलागुड़ा थाने, चंद्रायनगुट्टा यातायात थाने, एसीपी यातायात के भवनों आदि का दौरा किया। उन्होंने नए भवनों के निर्माण की प्रगति और मौजूदा भवनों के नवीनीकरण की भी समीक्षा की जिसमें नई इकाइयां होंगी। डीसीपी और सभी स्टाफ अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे याचिकाकर्ताओं और अन्य आगंतुकों को नए पुलिस स्टेशनों और कार्यालयों और अधिकार क्षेत्र में बदलाव के बारे में मार्गदर्शन करें। "नई शुरुआत का लाभ उठाते हुए, आपको हमेशा जल्द से जल्द शिकायतों को हल करने में निरंतरता बनाए रखनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कार्यालय के कामकाज में कभी भी पेंडेंसी का ढेर न लगे।" भविष्य की दृष्टि से राज्य सरकार ने नगर आयुक्तालय का पुनर्गठन किया और हम अधिक सामग्री और मानव शक्ति प्राप्त करने के कगार पर हैं। पुलिसकर्मियों को पुलिस सेवाओं को अधिक प्रभावी ढंग से प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए। सभी इकाइयों और थानों के पर्यवेक्षी अधिकारियों को महिला पुलिस कर्मियों के लिए बेहतर सुविधाएं बनाने पर जोर देने और कामकाज को स्थिर करने के लिए स्थापना फाइलों को उच्च प्राथमिकता पर आगे बढ़ाने के लिए कहा गया। एम. श्रीनिवास आईपीएस जेटीसीपी कार मुख्यालय, पी. साई चैतन्य आईपीएस डीसीपी साउथ जोन और चेन्नूरी रूपेश डीसीपी साउथ ईस्ट जोन उपस्थित थे।

कैरी बैग बेचने पर डी-मार्ट पर कोर्ट ने जुर्माना लगाया

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने डी-मार्ट को कैरी बैग को बेचने के लिए 1,500 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। सनत नगर के निवासी पकोलू नरेश ने डी-मार्ट के खिलाफ कंपनी के निशान वाले कैरी बैग के लिए चार्ज करने की शिकायत दर्ज कराने के बाद यह फैसला सुनाया। नरेश की शिकायत के मुताबिक बिना लोगो वाले कैरी बैग पर चार्ज किया जा सकता है, लेकिन कंपनी के मार्क वाले कैरी बैग पर नहीं। डी-मार्ट ने अपने लोगो वाले कैरी बैग के लिए 3.50 रुपये चार्ज किए, जिसका नरेश ने दावा किया कि यह एक अनुचित व्यापार प्रथा है जिसकी भरपाई की जानी चाहिए। अदालत ने कहा कि कैरी बैग पर एक बड़ा, प्रमुख लोगो, साथ ही उसकी सभी शाखाओं के सटीक स्थान और सभी करों सहित 5 रुपये की एमआरपी थी। अदालत ने कहा कि प्रदर्शन से यह स्पष्ट था कि डी-मार्ट ने अपने लोगो के साथ कैरी बैग के लिए एक कीमत लगाई और उद्देश्यपूर्ण तरीके से अपने ग्राहकों को अपने स्टोर में खरीदे गए सामान को ले जाने के लिए बेच दिया, साथ ही साथ इसका उपयोग भी किया। यह विज्ञापन के माध्यम के रूप में अनधिकृत है। अदालत के फैसले के जवाब में, डी-मार्ट को इस आदेश के 45 दिनों के भीतर हुई कठिनाई के मुआवजे के लिए 500 रुपये और मुकदमेबाजी की लागत के लिए 1,000 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया गया है।

सीएम योगी बोले- यूपी में माफिया राज खत्म, अब गले में तख्ती लटकाए घूम रहे अपराधी

मेरठ, 5 मई (एजेंसियां)। निकाय चुनाव प्रचार के लिए मेरठ पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिमखाना मैदान में जनसभा को संबोधित किया। भाजपा प्रत्याशी हरिकांत आहलूवालिया व पार्षदों के लिए क्रांतिधरा मेरठ पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज मेरठ की नई पहचान बनी है। मेरठ में सीएम योगी जनसभा खत्म हो गई और उनका हेलिकॉप्टर बुलंदशहर के लिए रवाना हो गया है।

सीएम योगी ने मेरठ को बताया नई पहचान

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में कानून का राज है। वहीं उन्होंने कहा कि मेरठ आज नई पहचान बन रहा है। उन्होंने कहा कि आज यूपी की पहचान विकास है। सीएम योगी ने कहा अब कांवड़ यात्रा यूपी की पहचान है। साथ ही कहा कि अब माफिया नहीं महोत्सव यूपी की पहचान है।

सीएम बोले- बिना भेदभाव के हर योजना को कर रहे पूरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हर योजना को बिना भेदभाद के पूरा कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा सरकार के लिए लोगों में उत्साह है। कहा कि 2017 से पहले यूपी में किसानों को छला जाता था। उन्होंने कहा कि आज मेरठ में चारों तरफ सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी में आज हर व्यक्ति को उसका हक मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले यूपी में कर्फ्यू लगता था। लेकिन 2017 से बाद से यूपी में एक बार भी कर्फ्यू नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में आज यूपी का विकास तेजी से हो रहा है।

सीएम बोले- यह मेरा शौभाग्य, बुद्ध पूर्णिमा के दिन मेरठ पहुंचने का अवसर मिला

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के दिन मुझे मेरठ में संवाद करने का अवसर मिला, यह मेरा सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि 10 मई को क्रांति दिवस है और 11 मई को मेरठ में चुनाव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी लोगों को चुनाव में भागीदार बनना है। उन्होंने कहा कि आपका वोट क्रांति को जन्म देगा। कहा कि विकास, सुसाशन, राष्ट्रवाद की क्रांति होगी। मुख्यमंत्री योगी ने सपा, बसपा, कांग्रेस और रालोद ने सोतीगंज की कालिख दी थी। हमने सोतीगंज का कलंक खत्म किया है। सपा, आरएलडी अवसरवादी, अराजकतावादी, अराजकता की जड़ है। हम मठ्ठा डालने का काम कर रहे तो परेशानी हो रही है। मेरठ, यूपी की आज सुशासन के नाम से पहचान है। उन्होंने कहा कि ये प्रधानमंत्री मोदी का विजन है। दुनिया संकटमोचक के रूप में देश और मोदी को देखती है। कहा कि 2014 के पहले अलग धारणा थी, अब परिवर्तन आया है। कहा कि आज यूपी में हाईवे, आईआईटी, आईआईएम बनाए जा रहे हैं। मेरठ को दिल्ली से जोड़ने के लिए 12 लेन एक्सप्रेसवे बन गया है। उन्होंने कहा कि अगले महीने रैपिड रेल का सफर शुरू हो जाएगा। मेरठ से प्रयागराज के लिए एक्सप्रेस में बन रहा है।

सीएम योगी बोले- मेरठ का प्रोडक्ट दुनिया में बना रहा स्थान

सीएम योगी ने कहा कि मेरठ का प्रोडक्ट आज दुनिया में अपना स्थान बना रहा है। देश की पहली स्पोर्टस यूनिवर्सिटी मेरठ में बनने जा रही है। मेरठ के पुलिस ट्रेनिंग स्कूल को आधुनिक बनाया। कहा कि अमर शहीद धन सिंह गुर्जर के नाम पर उसका नाम रखा है। भगवान बुद्ध के संदेश को घर-घर पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार श्रावस्ती में नया एयरपोर्ट बना रही है। कुशीनगर में नेशनल एयरपोर्ट का दो वर्ष पहले प्रधानमंत्री ने शिलान्यास किया। कहा कि हमने उत्तर प्रदेश में 54 लाख गरीबों को मुफ्त आवास देने का काम किया। दो करोड़ 60 लाख गरीबों के घरों में शौचालय बनाए गए। एक करोड़ 75 लाख गरीबों को उज्ज्वला योजना के कनेक्शन दिए गए। होली और दिवाली पर फ्री सिलिंडर परिवारों को देने जा रहे हैं। 10 करोड़ लोगों को उत्तर प्रदेश में आयुष्मान योजना का कवर मिल रहा है।

सीएम योगी बोले- करोड़ों लोगों को फ्री मिल रहा राशन

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में करोड़ों लोगों को फ्री में राशन की सुविधा का लाभ मिल रहा है। चेहरा देखकर नहीं यूपी का नागरिक होने से योजनाओं का लाभ मिल रहा है। 17 से पहले हमारे नगर निकायों की स्थिति खराब थी। कूड़े के ढेर दिखाई देते थे। लेकिन 2017 के पहले नगरीय क्षेत्रों में शोहदों का आतंक होता था। समाजवादी पार्टी तमंचावादी पार्टी थी, युवाओं के हाथों में तमंचे पकड़ाए जाते थे। आज युवाओं के हाथों में टेबलेट है। हमने 20 लाख युवाओं को फ्री में टैबलेट दिया है।

योगी बोले- 2017 से पहले व्यापारियों से मांगी जाती थी रंगदारी

सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले व्यापारियों से रंगदारी वसूली जाती थी। माफिया सीना तान कर चलता था। लेकिन आज भाजपा सरकार ने व्यापारियों को मुख्यमंत्री कल्याण बोर्ड से 10 लाख का सुरक्षा कवच दिया है। अब माफिया गले में तख्ती लटका कर जान की भीख मांगता दिखाई देता है। यह नया उत्तर प्रदेश है। सरकारी पैसे का उपयोग हो, इसलिए डबल इंजन की सरकार के साथ तारतम्य बिठाने वाला बोर्ड होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि हरिकांत अहलूवालिया को महापौर पद का प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने लोगों से अपील की हरिकांत अहलूवालिया और सभी पार्षदों को विजय बनाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हेलिकॉप्टर से पुलिस लाइन पहुंचे फिर इसके बाद कार द्वारा जिमखाना मैदान पहुंचे। मेरठ में सभा के बाद वे बुलंदशहर में जनसभा करेंगे। यहां के बाद शाम को चार बजे गाजियाबाद में जनसभा होगी। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर बृहस्पतिवार को दिनभर तैयारी चलती रहीं। जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने जनसभा स्थल का निरीक्षण किया।

बागेश्वर धाम कार्यक्रम का विरोध करने वालों को गिरिराज ने बताया तारकासुर, तैयारियों का लिया जायजा

पटना, 5 मई (एजेंसियां)। राजधानी पटना में बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को कार्यक्रम को लेकर जोरों-शोरों से तैयारी चल रही है. वहीं, तैयारियों का जायजा लेने आज केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और स्थानीय सांसद रामकृपाल यादव कार्यक्रम स्थल पहुंचे. इस दौरान गिरिराज सिंह ने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता के नशे में बाबा बागेश्वर को पटना के गांधी मैदान को दरबार लगाने के लिए नीतीश कुमार ने नहीं दिया. गांधी मैदान ईद, बकरीद मनाने, नमाज पढ़ने और उसके बाद पीएम मोदी को गाली देने के लिए दी जाती है. अब कार्यक्रम नौबतपुर में तरेत पाली में हो रहा है. भगवान राम इसी रास्ते से चलकर तारकासुर को मारे थे. इस कार्यक्रम को लेकर जो तारकासुर बनेगा, उसका नाश होगा. गिरिराज सिंह ने कहा कि तेजप्रताप यादव बोल रहे विरोध करेंगे. सेना तैयार है. शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर बोल रहे जेल भेज देंगे. मैं पूछना चाहता हूं कि बाबा बागेश्वर कब नफरत फैलाने का काम किए हैं? ताजिया पर कभी भी हम लोगों ने पत्थर नहीं फेंका, लेकिन हम लोगों के पर्व त्योहार, जुलूस पर पत्थरबाजी की जाती है. रामनवमी में बिहार शरीफ, सासाराम में यह अभी हुआ. मस्जिदों से बम फेंके गए. उनकी आबादी बढ़ रही है और वह लोग गलत काम कर रहे हैं. छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार, बिहार की महागठबंधन सरकार, कर्नाटक की कांग्रेस यह सब पीएफआई के समर्थक हैं, इसलिए बजरंग दल पर बैन की मांग हो रही है. बजरंग बली का गदा चलेगा तब यह सब भाग जाएंगे. वहीं, जातीय गणना पर पटना हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगाई है. इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम लोग जातीय गणना के विरोधी नहीं हैं, लेकिन पटना हाईकोर्ट के निर्णय पर हम लोग टिप्पणी नहीं कर रहे हैं. 33 साल से लालू-नीतीश की सरकार बिहार में है.

बृजभूषण शरण सिंह सपा में होंगे शामिल

अखिलेश यादव और शिवपाल के इस दांव ने बढ़ाई हलचल

लखनऊ, 5 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में पहलवानों का कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आंदोलन जारी है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी इस पूरे मामले में चुप्पी साधे हुए है। तमाम निगाहें बृजभूषण पर टिकी हुई हैं कि वह अपने बचाव में आखिर क्या करेंगे? सूत्रों की मानें तो अगर बीजेपी उनके खिलाफ सख्त कदम उठाने का फैसला करती है तो वह समाजवादी पार्टी के साथ जा सकते हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अभी तक इस पूरे मामले में पहलवानों के पक्ष में कोई बयान नहीं दिया है और न ही खुलकर कुश्ती संघ अध्यक्ष की आलोचना की है। बीते दिनों बृजभूषण सिंह भी इस कारण अखिलेश की सराहना कर चुके हैं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह सपा में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, अखिलेश जी सच जानते हैं। मुझे राजनीति का शिकार बनाया जा रहा है। मेरे खिलाफ आंदोलन कर रहे पहलवानों का सामाजिक दायरा किसी से छिपा नहीं है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ताओं को भी साफ निर्देश दिए गए हैं कि वे टीवी चैनलों पर बृजभूषण के समर्थन या खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं करें। सूत्र बताते हैं कि बीजेपी भी इस मामले में कोई बड़ा फैसला लेने से बच रही है, क्योंकि पार्टी नहीं चाहती कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में उसका प्रभुत्व कम हो, खासकर उन जगहों पर जहां सिंह आबादी का दबदबा ज्यादा है। पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता के अनुसार, लोकसभा चुनावों में अब कुछ महीनों का ही समय रह गया है। बृजभूषण सिंह का करीब 6 से 7 सीटों पर बड़ा प्रभाव है, इसलिए पार्टी ने इस पूरे मामले पर नजर बना रखी है।

हमें उम्मीद है कि यह पूरा मामला जल्द से जल्द समाप्त हो जाएगा। अगर बृजभूषण सिंह समाजवादी पार्टी में शामिल होने की सोचते हैं तो सपा उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करने के लिए तैयार है। दरअसल, राजा भैया के साथ रिश्ते खराब होने के कारण पार्टी के पास कोई ऐसा दमदार ठाकुर नेता नहीं है,

बांग्लादेश से नेपाल के लिए निकला विमान अचानक उतरा पटना एयरपोर्ट पर, 77 यात्री सुरक्षित

पटना, 5 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश से नेपाल के लिए उड़ा विमान अचानक पटना एयरपोर्ट पर शुक्रवार दोपहर उतरा तो लोग चौंक पड़े। विदेशी विमान पटना एयरपोर्ट पर नहीं आते हैं, इसलिए सनसनी स्वाभाविक थी। प्राथमिक जानकारी के अनुसार यह विमान ढाका से काठमांडू के लिए उड़ा था, लेकिन तकनीकी खामी की वजह से इसे पटना एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने नजदीकी सुविधा पटना में देखते हुए इमरजेंसी में पटना उतारने की मंजूरी दी।

तकनीकी खामी के कारण इस विमान ने पटना में लैंडिंग की है। दोपहर बाद पौने तीन बजे तक फॉल्ट को दूर नहीं किया जा सका है, जिसके कारण अभी यह विमान पटना में ही है। तकनीकी खामी का समय पर पता लग जाने और समय पर नजदीकी एयरपोर्ट पर उतार लिए जाने के कारण यात्रियों को कोई नुकसान नहीं हुआ। यात्रियों को पटना एयरपोर्ट पर उतारा नहीं गया है। उन्हें विमान के अंदर ही बाकी सुविधाएं दी जा रही हैं। यात्रियों को मैसेज दिया जा रहा है कि तकनीकी खामी दूर होने के बाद विमान काठमांडू के लिए उड़ने की तैयारी करेगा।

तकनीकी टीम विमान के फॉल्ट की जांच कर रही है और देखा जा रहा है कि कोई बड़ी समस्या तो नहीं। बीबीसी371 में सभी 77 यात्री सुरक्षित बैठे हुए हैं। डायवर्ट होकर दोपहर 12 बजकर 01 मिनट पर इस फ्लाइट को पटना एयरपोर्ट पर उतारा गया। विदेशी विमान होने के कारण ग्राउंड स्टाफ भी चौंक गए जानकारी बाहर देने से मना था, लेकिन एयरपोर्ट से बाहर निकल रहे लोगों को पता चला तो खबर बाहर आई।

वाराणसी में एक आदमी के 48 'बच्चे वोटर लिस्ट में सभी का नाम

वाराणसी, 5 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव के पहले चरण में 37 जिलों में गुरुवार को वोटिंग हुई। इस दौरान वाराणसी में एक अजब वोटर लिस्ट देखने को मिली। इस लिस्ट में 48 बच्चों के पिता का एक ही नाम है। वोटर लिस्ट के सामने आने के बाद लोग सोशल मीडिया पर इसे शेयर कर रहे हैं। लिस्ट में सभी वोटर्स के आगे पिता/ पति के एक ही नाम लिए हुए हैं। वाराणसी नगर निगम में निर्वाचन कर्मियों का एक अजब खेल सामने आया है। यूजर्स इस लिस्ट को देखकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। ये वोटर लिस्ट भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

परंपरा के वजह से एक पिता

वोटर लिस्ट में 48 बच्चों के सामने पिता और पति के नाम में स्वामी रामकमल दास का नाम लिखा हुआ है। लिस्ट में मौजूद रामकमल दास के 10 बच्चों की उम्र 37 साल है। जबकि पांच बच्चों की उम्र 39 साल है। स्वामी रामकमल दास के प्रतिनिधि के अनुसार गुरु शिष्य परंपरा के कारण लोग पिता के रूप में गुरु राम कमल का नाम दर्ज कराते रहे हैं। लेकिन अब निकाय चुनाव में वोटिंग के दौरान वाराणसी के भेलूपुर वार्ड में ये गड़बड़ी सामने आ गई है।

बेटी की शादी के बीच घर आए परिवार के 5 सदस्यों के शव

सीएम योगी ने जताया दुख; रुला देगी ये खबर

बहराइच, 5 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसे जानकर किसी की भी आंखे नम हो जाएं। गुरुवार देर रात बहराइच-लखनऊ हाईवे पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां कैसरगंज थाना क्षेत्र के मदनी अस्पताल के पास एक टेंपो के सामने से आ रहे डंपर (बड़ा ट्रक) से टकरा जाने से उसमें सवार 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। हादसे में मारे गए पांचों लोग एक ही परिवार के थे और वे एक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। इस दुखद खबर से शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हुजूरपुर थाना क्षेत्र के अहिरनपुरवा निवासी 15 लोग कैसरगंज थाना क्षेत्र के रुकनापुर गांव में बेटी का तिलक चढ़ाकर गुरुवार देर रात टेंपो से घर लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि रात को 12 बजे के आसपास उनका टेंपो मदनी अस्पताल के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रहे डंपर चालक ने टेंपो को टक्कर मार दी और घटनास्थल से फरार हो गया। हादसे में 40 वर्षीय भगवान प्रसाद, अनिल (15), खुशबू (35), हरीश (45) और जयकरण (40) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नन्हें, सुनीता देवी, चंदन, सत्यम, राजितराम, मंगल, कैलाश, रामदीन, नंदलाल और प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को पास के सरकारी सामुदायिक स्वास्थय केंद्र में ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के मद्देनजर डॉक्टर्स ने इन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

'धर्मांतरण नहीं राष्ट्रांतरण' केरल में कन्वर्जन के मुद्दे पर भड़के अयोध्या के साधु-संत, कहा- पूरे देश में चल रहा

अयोध्या, 5 मई (एजेंसियां)। केरल में धर्मांतरण के मुद्दे पर बनी फिल्म द केरल स्टोरी की पूरे देश में चर्चा है। इस फिल्म में दिखाया गया है कि केरल में लड़कियों का धर्मांतरण कराकर उन्हें आतंकी संगठन आईएसआईएस में शामिल होने के लिए भेज दिया गया। इसी फिल्म में दावा किया गया है कि केरल से 32000 लड़कियों का धर्मांतरण कर उन्हें आतंकवादियों के साथ दूसरे देशों में भेज दिया गया। हालांकि, केरल सरकार और वहां के कई नेताओं ने इसे प्रोपेगेंडा बताया है लेकिन इस फिल्म के चलते केरल में धर्मांतरण का मुद्दा एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। यूपी और देश की राजनीति में सुर्खियों में रहे अयोध्या में साधु-संत भी भड़क उठे हैं। इन साधु-संतों से एबीपी न्यूज ने बात की। अयोध्या में हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास ने एबीपी न्यूज से कहा कि धर्मांतरण का काम केवल केरल में नहीं बल्कि पूरे देश में चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि अयोध्या में भी धर्मांतरण कराने वाली ताकतें सक्रिय हैं। राजू दास ने कहा कि यह दुख की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की नाक के नीचे 32000 हजार लोग केरल से अन्य जगह जाएं और आतंकवादी गतिविधि में शामिल हो गए।

अयोध्या में भी धर्म परिवर्तन का दावा

राजू दास ने दावा किया कि अयोध्या में 36 जगहों पर चंगाई सभा चल रही है जबकि 140 जगहों पर धर्मांतरण के कार्यक्रम चल रहे हैं। एक अन्य संत ने भी राजू दास की बात का समर्थन किया और कहा कि धर्मांतरण का काम केवल केरल नहीं बल्कि देश भर में किया जा रहा है। संतों ने केरल सरकार से इस्तीफे की मांग की।

'धर्मांतरण नहीं राष्ट्रांतरण'

संतों ने कहा कि इसे केवल धर्मांतरण तक ही नहीं देखा जाना चाहिए। यह धर्मांतरण की नहीं बल्कि राष्ट्रांतरण की समस्या है। कोई अपना धर्म बदलता है तो उसका राष्ट्र भी बदल जाता है। उसकी आस्था पाकिस्तान या वेटिकन सिटी के प्रति हो जाती है। भारत से उसकी आस्था प्रभावित होती है। संतों ने कश्मीर फाइल्स के बाद से इस फिल्म को बनाने का देश का दूसरा सबसे साहसी काम बताया। महंत राजू दास ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू तो है लेकिन यह प्रभावी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि अधिकांश एससी-एसटी समुदाय का ही धर्मांतरण किया जा रहा है। साथ ही मांग की कि जो लोग धर्मांतरण करते हैं उनका अनुसूचित जाति और जनजाति का दर्जा खत्म किया जाए।

सपा एमपी शफीकुर्रहमान बर्क की इंस्टा आईडी हैक

संभल, 5 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले से समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने एआईएमआईएम और बहुजन समाज पार्टी पर अपना इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने का आरोप लगाया है। शफीकुर्रहमान बर्क का कहना है कि उनकी इंस्टाग्राम आईडी हैक करके बसपा प्रत्याशी और एआईएमआईएम प्रत्याशी के पक्ष में वोट डालने की अपील की गई है। सांसद ने कहा मेरा अकाउंट हैक किया गया है। जिसके खिलाफ हम कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि बसपा और एआईएमआईएम इस तरह से फर्जी वोट लेकर आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 'ये वो ही लोग हैं जो धोखे की बात कर खुद जनता को धोखा देते हैं। अगर हिम्मत है तो मैदान में आकर लड़ाई लड़ो, खुद के बल पर वोट मांगो। तब पता चलेगा कि किसको जनता वोट देती है।' उन्होंने कहा कि अगर आप खुद को जनता का हमदर्द समझते हैं तो सुन लीजिए जनता का मुझसे ज्यादा हमदर्द कोई नहीं है।' सपा सांसद होने के बाद भी शफीकुर्रहमान बर्क ने अपनी पार्टी के प्रत्याशी को समर्थन नहीं दिया, बल्कि निर्दलीय खड़े हुए प्रत्याशी फरहाना यासीन को सपोर्ट किया है। सांसद का कहना है कि संभल का सांसद होने के बाद भी पार्टी ने उनसे बिना मशवरा किए प्रत्याशी उतारे है। उन्होंने कहा कि वो इस समय 94 साल के हैं और पिछले 60 सालों से राजनीति में हैं।

बिहार में बजरंग दल पर लगेगा प्रतिबंध? नीतीश कुमार इस सवाल को टाल गए

पटना, 5 मई (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा से जदयू सांसद कौशलेंद्र कुमार ने बिहारशरीफ में हुए सांप्रदायिक हिस्सा के लिए बजरंग दल को जिम्मेदार ठहराया था। इस मामले पर सीएम नीतीश कुमार से जब पत्रकारों ने यह पूछा कि क्या बिहार में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। नीतीश कुमार इस सवाल का जवाब देने से बचते नजर आए। दरअसल उनकी ही पार्टी के सांसद द्वारा बजरंग दल को लेकर की गई मांग के आधार पर सीएम से यह सवाल किया गया था। गौरतलब है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बजरंग दल को प्रतिबंधित करने का वादा किया है। नालंदा से जदयू के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने हाल ही में जारी अपने बयान में राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ से संबंद्ध विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन किया था।

मीडिया से बात करते हुए सीएम नीतीश ने कहा कि हम सबी विपक्षी दलों को एकजुट करने की दिशा में काम कर रहे हैं। एक बार जब यह हासिल हो जाएगा तो सभी दल एक साथ बैठक करेंगे और साझा एजेंडा लेकर आएंगे। तब तक मैं ऐसे मामलों पर बोलना नहीं चाहता। हालांकि एक खबर आई थी कि नीतीश कुमार ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से भी मिलने जाएंगे। इस बाबत नीतीश कुमार ने आश्चर्य व्यक्त किया। बता दें कि नीवन पटनायक भाजपा और कांग्रेस दोनों से समान दूरी बनाए हुए हैं। नीतीश कुमार ने साफ कर दिया है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के समाप्त होने के बाद विपक्षी एकता अभियान को वे फिर शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत मैंने कई नेताओं से मुलाकात की है और कई लोगों से मिलूंगा। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी को लेकर कहा कि उनके नेतृत्व में हमने काम किया है। ये लोग अब अटल बिहारी वाजपेयी जी के काम को भी याद नहीं कर रहे हैं। उनके वक्त कभी भी हिंदू मुस्लिम का झंझट नहीं हुआ था। विपक्ष के लोग भी उनसे खुश थे। सबलोग मिलकर काम करते थे।

एक तरफ अली, दूसरी तरफ बजरंग बली भाजपा नेता बोले- किसके साथ जाना है

लखनऊ, 5 मई (एजेंसियां)। यूपी में नगर निकाय चुनाव की शुरुआत हो चुकी है। पहले चरण का मतदान पूर्ण हो चुका है और दूसरे चरण का मतदान 11 मई को होना है। इस बीच बागपत में भाजपा के नेता और निवर्तमान चेयरमैन अमित राणा ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। इस बार उन्होंने बड़ौत के विहर्ष सभागार में आयोजित व्यापारी सम्मेलन कार्यक्रम के दौरान मंच से बोलते हुए कहा कि आपको अली के साथ जाना है या बजरंग बली के साथ जाना है। एक तरफ अली हैं और एक तरफ बजरंग बली। बड़ौत के व्यापारी तय करेंगे। बता दे कि बागपत की बड़ौत नगरपालिका परिषद से निवर्तमान चेयरमैन और भाजपा नेता अमित राणा उर्फ दुष्यंत तोमर बड़ौत में आयोजित एक व्यापारी सम्मेलन में पहुंचे थे। इस जनसभा का आयोजन बड़ौत नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष पद के भाजपा प्रत्याशी सुधीर मान के पक्ष में व्यापारियों द्वारा कराया गया था। इस कार्यक्रम में राज्यमंत्री केपी मलिक व सैकड़ो व्यापारी मौजूद थे। उसी दौरान जब जनसभा को संबोधित किया जा रहा था तभी अमित राणा ने विवादित बयान दे दिया। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा ये मानना है कि ये चुनाव लोकदल ओर भाजपा के बीच में नहीं। बल्कि ये चुनाव अबलु हसन और सुधीर मान के बीच में है। आपको तय करना है कि अली के साथ जाना है या बजरंग बली की साथ जाना है।

बीजेपी बहुसंख्यक पिछड़ों की गणना से डरती है लालू यादव बोले-जातीय गणना होकर रहेगी

पटना, 5 मई (एजेंसियां)। जातीय गणना पर पटना हाई कोर्ट ने अतंरिम आदेश में रोक लगाने का फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने तत्काल प्रभाव से गणना रोकने का आदेश दिया है। जिसके बाद जातीय गणना के दूसरे चरण का काम रूक गया है। इधर कोर्ट के फैसले के बाद इसपर सियासी बयानबाजी भी खूब हो रही है। बीजेपी ने नीतीश कुमार की सरकार पर आरोप लगाया है कि सरकार कोर्ट में इसपर सही से अपना पक्ष नहीं रख सकी तो वहीं आरजेडी और जेडीयू के नेता कह रहे हैं कि बीजेपी कोर्ट के स्टे आर्डर से खुश है। आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने भी बीजेपी पर निशाना साधा है। लालू यादव ने ट्वीट कर कहा है कि जातिगत जनगणना बहुसंख्यक जनता की मांग है। उन्होंने लिखा है यह जनता की मांग है और होकर रहेगा। उन्होंने सवाल किया है बीजेपी बहुसंख्यक पिछड़ों की गिनती से क्यो डर रही है? लालू ने ट्वीट में आगे लिखा है कि जो जातीय गणना का विरोधी है वह समता, मानवता और समानता का विरोधी है। इसके साथ ही वह गरीबी, सामाजिक और आर्थिक भेदभाव, उंच नीच, बेरोजगारी और पिछड़ेपन का समर्थक है। इससे पहले लालू यादव के छोटे बेटे और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि आज नहीं तो कल जातीय गणना होकर रहेगी। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग भी चाहते हैं कि जातीय गणना हो इसलिए सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है और जातीय गणना की लड़ाई हम जारी रखेंगे। इसके साथ ही तेजस्वी यादव ने कहा कि जातीय गणना सबके हित के लिए इससे किसी एक जाति को फायदा नहीं होगा। इससे सभी जाति का फायदा और विकास होगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि जातीय जनगणना सबकी सहमति से कराया जा रहा था, इसके साथ ही तेजस्वी यादव ने कहा कि बीजेपी के लोग झूठ बोलते हैं कि वह जातीय गणना के साथ हैं जबकि कोर्ट से स्टे आर्डर आने के बाद बीजेपी के लोग जश्न मना रहे हैं। बीजेपी नहीं चाहती है। गरीबों भूमिहीनों को फायदा हो।

दोस्त कमलनाथ को दोबारा मुख्यमंत्री बनवा पाएंगे दिग्विजय सिंह ?

नई दिल्ली, 5 मई अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में सियासी हसरत पूरी नहीं होने के बाद दिग्विजय सिंह एक बार फिर मध्य प्रदेश की राजनीति में सक्रिय हो गए हैं. चुनावी साल होने की वजह से दिग्गी राजा तहसील का दौरा कर रहे हैं. दिग्गी के कार्यकर्ताओं से संवाद के तरीके और उसकी खबरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं. दिग्विजय शुरुआत में उन 66 सीटों पर फोकस कर रहे हैं, जहां पिछले 2 बार से कांग्रेस चुनाव नहीं जीत पाई है. दिग्विजय जिन सीटों पर फोकस कर रहे हैं, उनमें राजधानी भोपाल की 3 और इंदौर की 4 सीटें भी शामिल हैं. दिग्विजय अब तक करीब 40 सीटों पर अपनी यात्रा पूरी कर चुके हैं. आने वाले दिनों में बाकी जगहों पर जाएंगे. दिग्विजय की सक्रियता को लेकर सियासी गलियारों में 2 तरह की चर्चा जोरों पर है. पहला, क्या दिग्गी राजा फिर से कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं? दूसरी चर्चा दिग्विजय और उनके बेटे जयवर्धन सिंह के सियासी फ्यूचर को लेकर की जा रही है. हालांकि, दिग्विजय हर जगह कमलनाथ को ही फिर से मुख्यमंत्री बनाने का जिक्र करते हैं.

दिग्विजय-कमलनाथ की सियासी दोस्ती

1. 1993 में संयुक्त मध्य प्रदेश में कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में लौटी थी. 174 सीटें उस वक्त कांग्रेस को मिली थी. केंद्र में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार थी और कांग्रेस पर भी उन्हीं का वर्चस्व था.

मध्य प्रदेश में उस वक्त मुख्यमंत्री पद के लिए 3 दावेदार थे. 1. दिग्विजय सिंह 2. माधवराव सिंधिया और 3. श्यामचरण शुक्ल प्रदेश की सियासी हलचल को देखते हुए सिंधिया ने अपना समर्थन श्यामाचरण शुक्ल को दे दिया. सिंधिया के समर्थन मिलने के बाद शुक्ल का पलड़ा भारी हो गया. कांग्रेस विधायकों में उनके मुख्यमंत्री बनने की खबरें दौड़ने लगीं. इसी बीच राव सरकार में मंत्री कमलनाथ ने शुक्ल और सिंधिया के प्लान पर पानी फेर दिया. कमलनाथ ने राव से कहा कि मध्य प्रदेश में विधायकों से वोटिंग करा ली जाए. राव को यह आइडिया पसंद आया और दिल्ली से जनार्दन रेड्डी के नेतृत्व में 3 नेता भोपाल भेजे गए. वोटिंग में एक तरफ सिंधिया-शुक्ल गुट था तो दूसरी तरह अर्जुन सिंह, दिग्विजय सिंह और कमलनाथ का खेमा. मध्य प्रदेश के इंदिरा भवन में वोटिंग हुई, जिसमें दिग्गी को 103 और श्यामचरण शुक्ल को 56 वोट मिले. राव को रिजल्ट की सूचना भी कमलनाथ ने ही दी, जिसके बाद दिग्गी के नाम पर फाइनल मुहर लगा. कमलनाथ की वजह से दिग्गी राजा मुख्यमंत्री बनने में कामयाब रहे. दिग्विजय सिंह 1993 से लेकर 2003 तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे. ठीक 25 साल बाद. यानी साल 2018 में कांग्रेस

की सरकार फिर से सत्ता में आई, लेकिन इस बार सीटों की संख्या कम थी. दिल्ली में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के सभी नेताओं के साथ मीटिंग की. इस बार मुख्यमंत्री बनने के दो दावेदार थे. 1. कमलनाथ और 2. ज्योतिरादित्य सिंधिया राहुल के सामने दिग्विजय ने अपना समर्थन कमलनाथ को दे दिया. दिग्विजय के समर्थन में 50 से ज्यादा विधायक थे. दिग्विजय ने तर्क ये भी दिया कि ज्योतिरादित्य सिंधिया का भविष्य है. कमलनाथ के पास अब सिर्फ एक ही मौका बचा है. दिग्विजय का समर्थन और तर्क कमलनाथ के पाले में चला गया और वे राज्य के मुख्यमंत्री बने. दिग्गी के इस समर्थन को राजनीतिक जानकार कमलनाथ का कर्जा उतारने के रूप में भी देखते हैं. कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद 4 महीने तक सब कुछ ठीक रहा, लेकिन लोकसभा चुनाव में सिंधिया की हार ने बगावत का बीज बो दिया. 2020 के शुरुआत में कमलनाथ की सरकार गिर गई और सिंधिया बीजेपी में चले गए.

सत्ता वापसी के लिए कांग्रेस में दिग्गी कितने महत्वपूर्ण?

दिग्विजय सिंह पिछले एक महीने से विधानसभाओं का दौरा कर रह हैं. इस दौरान सभा का आयोजन किया जाता है, जिसमें सिर्फ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को बुलाया जाता है. दिग्गी खुद मंच पर नहीं बैठकर नीचे बैठते थे. दिग्गी यहां कार्यकर्ताओं से वन टू वन फीडबैक लेते हैं. मंदसौर समेत कई जगहों पर कार्यकर्ताओं ने आपसी गुटबाजी की शिकायत की, जिसे मौके पर ही दिग्विजय सिंह हल कर देते हैं. कई शिकायतों को वे डायरी में लिख कर रखते हैं. साथ ही नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर चुनाव लड़ने की शपथ दिलाते हैं. मध्य प्रदेश कांग्रेस की राजनीति पर नजर रखने वाले जानकारों की मानें तो हारी हुई 66 सीटों पर टिकट वितरण में दिग्गी राजा की सिफारिश काफी मायने रखेगी. ऐसे में आइए जानते हैं, सत्ता वापसी के लिए दिग्विजय सिंह क्यों इतने महत्वपूर्ण हैं? कांग्रेस में जमीनी पकड़ वाले नेताओं की कमी- दिग्विजय के मुकाबले कांग्रेस के पास एक भी ऐसा नेता नहीं हैं, जिनकी जमीनी पकड़ पूरे प्रदेश में हो. दिग्गी 4 साल प्रदेश अध्यक्ष और 10 मुख्यमंत्री रहे हैं, इसलिए वे ब्लॉक स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं को जानते हैं. मजबूत नेटवर्किंग की वजह से दिग्विजय रणनीति और माहौल तैयार करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं. 2018 में दिग्गी की नर्मदा यात्रा और उसके फीडबैक ने कांग्रेस को संजीवनी दी थी. पहली बार नर्मदांचल में कांग्रेस बड़ी जीत दर्ज कर पाई थी. जमीनी नेताओं को टिकट दिलाने में मददगार- मध्य प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार नितिन दुबे के मुताबिक दिग्गी की मजबूती की एक वजह जमीनी कार्यकर्ताओं को टिकट दिलवाना भी है. दिग्गी की दिल्ली में मजबूत पकड़ है और जब टिकट वितरण होता है, तो कार्यकर्ताओं की वहां पर मजबूत पैरवी करते हैं. नितिन आगे बताते हैं- मध्य प्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में दिग्गी की पहचान हाईकमान में उनके लिए लड़ने वाले नेता की है. इसलिए कार्यकर्ता आसानी से उनसे जुड़ते हैं और अपनी बात कहते हैं. कार्यकर्ताओं के लिए लड़ने वाले नेता की छवि- हाल ही में दिग्विजय सिंह का शिवराज सरकार के मंत्री महेंद्र सिसोदिया को धमकाते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था. सिंह वीडियो में सरकार आने पर सिसोदिया को नहीं छोड़ने की बात कह रहे थे. दरअसल, दिग्विजय सिंह से कार्यकर्ताओं ने कहा था कि गुना के बमौरी में सिसोदिया के इशारे पर पुलिस परेशान कर रही है, जिसके बाद दिग्विजय बिफर पड़े थे. नितिन दुबे कहते हैं- यह सिर्फ एक उदाहरण है. कई ऐसे मामले है जब दिग्विजय सीधे कार्यकर्ताओं के लिए पुलिस और प्रशासन से लड़ पड़ते हैं, इसलिए नेताओं और कार्यकर्ताओं में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है.

दोस्त कमलनाथ को फिर मुख्यमंत्री बनवा पाएंगे दिग्गी?

मध्य प्रदेश के सियासी गलियारों में सबसे अधिक सवाल यही उठ रहा है कि क्या दिग्गी फिर से अपने दोस्त कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाने के लिए सक्रिय हो गए हैं? या मकसद कुछ और है?

1. मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन में अभी 5 बड़े पद में से 4 पर दिग्विजय सिंह के लोग बैठे हैं. इनमें नेता प्रतिपक्ष, युवा और महिला कांग्रेस का अध्यक्ष जैसे पद शामिल हैं. नर्मदांचल, ग्वालियर-चंबल और मालवा में बड़े स्तर पर दिग्गी के लोग संगठन में हैं.

2018 में भी सबसे अधिक विधायक दिग्गी के ही समर्थन में थे. उन्होंने इसका फायदा भी उठाया और अपने बेटे को नगर विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग दिलवा दिए.

नितिन दुबे के मुताबिक अगर दिग्गी समर्थक विधायक अधिक संख्या में जीतकर आते हैं, तो गेम पलट सकता है. यह संख्या कितनी होनी चाहिए? इस पर दुबे कहते हैं- 100 के करीब होनी चाहिए.

दुबे के मुताबिक ऐसी स्थिति अगर कांग्रेस में आती है तो दिग्विजय हाईकमान के सामने मजबूत होंगे और मुख्यमंत्री के लिए अपने बेटे या किसी करीबी के नाम की सिफारिश भी कर सकते हैं.

2. ज्योतिरादित्य सिंधिया के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस अभी 3 गुटों में बंटी है. इसमें दिग्विजय, कमलनाथ और अजय-अरुण गुट है. कांग्रेस के आधिकारिक हैंडल से भले कमलनाथ को भावी मुख्यमंत्री बताया जा रहा हो, लेकिन पद को लेकर अरुण यादव का बयान खूब सुर्खियों में रहा है. अरुण यादव ने एक कार्यक्रम के बाद कहा था कि मुख्यमंत्री का फैसला चुनाव बाद विधायकों की सलाह पर हाईकमान करती है. कमलनाथ से पहले अरुण यादव ही मध्य प्रदेश इकाई में कांग्रेस के अध्यक्ष थे. चुनाव के बाद पद जाने का दर्द वे कई बार बयां भी कर चुके हैं. उनके पार्टी छोड़ने की अटकलें भी कई बार लग चुकी है. हालांकि, यादव खुद सभी अटकलों को खारिज कर चुके हैं. मध्य प्रदेश में टिकट बंटवारा और उसके बाद रिजल्ट में इन सभी गुटों का दबदबा रहने वाला है.

'2024 में विपक्ष का एकजुट होना जरूरी'

ममता बनर्जी बोलीं- जांच एजेंसियां नहीं देंगी बीजेपी को वोट

कटाव, 5 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर विपक्षी एकता का संदेश दिया है। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले में कटाव प्रभावित धुलियान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सभी विपक्षी दलों से एकजुट होकर 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ लड़ने की अपील की। केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र से अनुरोध के बावजूद बंगाल में गंगा के कटाव को रोकने में मदद नहीं मिल रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एजेंसियां (ईडी, सीबीआई) बीजेपी को वोट दिलाने में मदद नहीं करेंगी। कटाव के कारण हजारों लोगों की जिंदगी प्रभावित हो रही है।

केंद्र पर बरसीं ममता बनर्जी

मुर्शिदाबाद में सभा को संबोधित करते हुए ममता ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि जितनी चिंता राजनीति, दंगा लगाने, उकसाने और विद्वेष फैलाने की है अगर उनकी चिंता प्रकृति के बारे में होती तो यह बंगाल और सुंदर होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र एजेंसी के नाम पर लोगों को डराने का काम करती है। मालदह-मुर्शिदाबाद जिले में इस कटाव को रोकने के लिए दीघा को 'मॉडल' बनाया जाएगा।

'केंद्र ने नहीं की हमारी मदद'

ममता ने आगे कहा, "प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं। नदी में जलस्तर बढ़ गया है। फरक्का बैराज का मुद्दा काफी पुराना है। हमने बार-बार केंद्र सरकार से बात की है। फरक्का बैराज के अधिकारियों से बात की। हमारा नहीं फिर भी, हमने कई बार बात की, किन उन्होंने हमारी मदद नहीं की।" मुख्यमंत्री ने कहा कि नई तकनीक का प्रयोग कर कटाव को रोका जाएगा। नदी के किनारे वेटिवर घास, समुद्र के किनारे मैंग्रोव के पेड़ लगाए जाएंगे।

10 साल की बच्ची को पिता ने ही पीट-पीटकर मार डाला, पड़ोसियों ने बताया हत्या का कारण

गुवाहाटी, 5 मई (एजेंसियां)। असम के सिलचर में एक हैरतअंगेज़ वारदात सामने आई है। यहां 10 वर्षीय बच्ची को उसके कलयुगी पिता ने नशे की स्थिति में डंडे से पीट-पीट कर मार डाला। अधिकारियों ने कहा कि 42 साल के आरोपी ने घटना के बाद भागने का प्रयास किया, मगर पुलिस उसे अरेस्ट करने में सफल रही। रिपोर्ट के अनुसार, घटना काकोटीबाड़ी थाना अंतर्गत तिमोन चाय बागान में बुधवार (4 मई) देर रात की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को दिए बयान में जानकारी दी है कि छोटी बच्ची को उसके पिता द्वारा डंडे से तब तक मारा गया, जब उसकी जान नहीं चली गई। रिपोर्ट के अनुसार, सिलचर में एक कलयुगी पिता ने अपनी 10 वर्षीय मासूम बच्ची को डंडे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया।

एमवाय अस्पताल में लावारिस मिले बच्चों को लेने आए पिता, कहा-पत्नी मायके ले गई थी

इंदौर, 5 मई (एजेंसियां)। एमवाय अस्पताल में 1 मई को मिले चार बच्चों के परिवार का पता चल गया है। बच्चों के पिता उनसे मिलने भोपाल से इंदौर पहुंचे और कहा कि पत्नी चारों बच्चों को अपने मायके अशोक नगर के लिए निकली थी, लेकिन उसका कोई पता नहीं था। बच्चों के इंदौर में होने की जानकारी मिली तो मैं उन्हें लेने आया। पिता भोपाल में रहते है और हम्माली करते है, हालांकि पिता को अभी बच्चे चाइल्ड हेल्पलाइन ने नहीं सौंपे है। पिता मुंशी खां जब बच्चों के आधार कार्ड या पहचान संबंधी अन्य दस्तावेज लेकर आएंगे, तब उन्हें बच्चों को सौंपा जाएगा।

पिता बोले-मैने कई जगह तलाशा

पिता मुंशी खा अपने रिश्तेदार के साथ संयोगितागंज थाने पहुंचे। उन्होंने कहा कि पत्नी ने कहा था कि अशोक नगर में मेला लगा हुआ है। मेले में बच्चों को घुमाने ले जा रही हुं,लेकिन उसके बाद तीन माह से वह नहीं लौटी। मैंने पत्नी और बच्चों को खरगोन, बड़वानी और इंदौर में तलाशा था। चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने अशोक नगर में भी बच्चों की नानी से संपर्क किया। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी राईमा और मुंशी ही बच्चों को संभाले। हमें कोई आपत्ति नहीं है।

भूखे मिले थे बच्चे

चार बच्चों को इंदौर के एमवाय अस्पताल में एक मई को लावारिस छोड़ दिया। वे सुबह से भूखे थे। पुलिसकर्मी उन्हें संयोगितागंज थाने ले गए और भरपेट उन्हें खाना खिलाया। बच्चों के पास एक कंबल भी मिला था। उसी कंबल को लपेट कर बच्चे परिसर में बैठे मिले थे।

जितेंदर उर्फ गोगी गैंग के दो अपराधी गिरफ्तार 12 पिस्टल और 30 जिंदा कारतूस बरामद

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। जितेंद्र गोगी गिरोह के दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों अपराधियों के पास से 12 पिस्टल और 30 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। गिरफ्तार हुए अपराधियों का नाम अभिषेक उर्फ अमित मिट्टा और नवीन उर्फ शनिचर है। इनमें से अभिषेक साल 2022 में गैंगस्टर करमबीर उर्फ काजू को अस्पताल से भगाने में शामिल था। अभिषेक और नवीन दोनों सोनिपत, हरियाणा के रहने वाले हैं। दोनों अपराधियों को 27 अप्रैल को आउटर रिंग रोड, जगतपुर फ्लाईओवर के पास से पकड़ा गया। अपराधियों के पास से प्वाइंट 32 बोर की 10 पिस्टल, 2 सिंगल शॉट पिस्टल और 30 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि जितेन्द्र उर्फ गोगी गिरोह के दो सदस्यों ने हाल ही में मध्य प्रदेश के कुछ डीलरों से अवैध हथियार खरीदे हैं और वे गांधी विहार, तिमारपुर से होते हुए दिल्ली आएंगे। मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस ने फौरन टीम गठित किया और दोनों को पकड़ने लिए रवाना हो गए। इंस्पेक्टर रविंदर कुमार त्यागी के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाया और दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के वक्त अपराधियों और पुलिस के बीच हाथापाई भी हुई। जांच के दौरान, अभिषेक उर्फ अमित मित्ता और नवीन उर्फ शनिचर ने खुलासा किया कि वे जितेंद्र उर्फ गोगी गिरोह से जुड़े हुए हैं। वे दिल्ली, हरियाणा और अन्य राज्यों में बिना रोकटोक जबरन वसूली और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग करके अपने गिरोह का वर्चस्व बढ़ाने में लगे हुए थे।

'आंदोलन को जातिवादी रंग देने की साजिश'

राकेश टिकैत का एलान, सात को महापंचायत

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और बीजेपी एमपी बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के धरने का आज 13वां दिन है। इस बीच भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत बीती रात पहलवानों से मिलने दिल्ली पहुंचे। पहलवानों से मुलाकात के बाद उन्होंने 7 मई को जंतर-मंतर पर हरियाणा-यूपी की महापंचायत आयोजित करने का ऐलान किया और हमारी बेटियों की मांग पर सरकार को विचार करने की जरूरत है। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि पहलवानों के साथ दिल्ली पुलिस ने केवल बेड लाने की आड़ में दुर्व्यवहार किया, जो सही नहीं है। हमें किसी भी स्थिति में यह बर्दाश्त नहीं होगा। हद तो यह है कि इन बच्चों की बिजली-पानी की व्यवस्था को भी काट दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब इस आंदोलन को जातिवाद में बदलने की साजिश रची जा रही है। ताकि यह आंदोलन कमजोर हो जाए। राकेश टिकैत ने कहा कि हमारी पहलवान बेटियां किसी जाति से नहीं हैं। देश का नाम रौशन करने वाले ये बच्चे हमारे हैं और देश के हैं। इन बेटियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से अपील की कि इन्हें किसी प्रकार की चोट नहीं आनी चाहिए। पुलिस इस बात को सुनिश्चित करे कि बाहर से आया कोई भी असामाजिक तत्व इन पर हमला न कर दे। हालांकि, जंतर मंतर पर पुलिस की बैरिकेडिंग देख उन्होंने कहा कि यह अच्छा है। इसके बावजूद दिल्ली पुलिस को पहलवानों के हित में और नजर रखने की जरूरत है।

पुनिया ने की सीएम से जंतर-मंतर पर आने की अपील

दूसरी तरफ बजरंग पुनिया ने दिल्ली पुलिस से अपील की है कि उनके सर्मथन में आने वाले जिन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है, उन्हें जल्द छोड़ा जाए। बजरंग पुनिया ने हरियाणा के सीएम मनोहर लाल से गुजारिश की है कि आप भी आइए और हमारा सपोर्ट कीजिए। प्रदर्शन हमारे भारत की बेटियों का मुद्दा है। आप हमारे प्रदेश के मुखिया है। ये बेटियों को न्याय दिलवाने का मामला है, इसलिए आप भी यहां आएं।

इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस की

भारतीय रेसलर विनेश फोगाट ने भी कहा कि है कि जिन भी लोगों को डिटेन किया गया है, अगर उनको कुछ भी होता है तो उसकी जिम्मेदार भी दिल्ली पुलिस होगी। बजरंग और विनेश ये भी कहा है कि पुलिस ने यह सब कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए किया है। इसमें कोई बुराई नहीं है। हम भी नहीं चाहते कि आंदोलन की आड़ में हिंसा हो। विनेश ने एक बार फिर कहा कि जब तक बीजेपी सांसद बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं हो जाती तब तक धरना जारी रहेगा।

केदारनाथ धाम यात्रा के लिए पंजीकरण 8 मई तक के लिए निलंबित

देहरादून, 5 मई (एजेंसियां)। केदारघाटी में मौसम खराब रहने की संभावना को देखते हुए केदारनाथ धाम यात्रा के लिए पंजीकरण 8 मई तक के लिए निलंबित कर दिया गया है। दरअसल अगले 3 से 4 दिनों तक केदारघाटी में मौसम खराब रहने की संभावना जताई गई है। जिसके चलते उत्तराखंड सरकार ने ये फैसला लिया है। केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को खुले थे और 4 मई तक 1.23 लाख श्रद्धालु केदारनाथ धाम के दर्शन कर चुके हैं। वर्ष 2013 की आपदा से सबक लेते हुए उत्तराखंड सरकार उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में लगातार जारी प्रतिकूल मौसमी दशाओं के बीच चारधाम, विशेषकर केदारनाथ यात्रा को लेकर अत्यधिक सतर्कता बरत रही है। भारी बर्फबारी और बारिश के कारण बुधवार को न केवल केदारनाथ यात्रा स्थगित रखी गई बल्कि धाम की ओर आ रहे श्रद्धालुओं को ऋषिकेश, श्रीनगर, फाटा, गौरीकुंड सहित विभिन्न पड़ावों में रोक लिया गया। हालांकि बृहस्पतिवार को मौसम में कुछ सुधार आने के साथ ही केदारनाथ यात्रा फिर शुरू कर दी गयी। उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि खराब मौसम के कारण यात्रा को रोकने का निर्णय लिया गया था। जिससे यात्रियों को किसी भी संभावित अप्रिय स्थिति से बचाया जा सका। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की संभावित विपत्ति से निपटने के लिए पूरी तैयारी थी, हालांकि इस दौरान कोई भी बड़ा नुकसान केदारनाथ में नहीं हुआ जिसकी लगातार आशंका बनी हुई थी। बुधवार को ही केदारनाथ घाटी में कुबेर हिमनद का एक बड़ा हिस्सा टूटकर पैदल मार्ग पर आ गिरा था।

इंडियन मसालों में गाय के गोबर का दावा, हाई कोर्ट ने यूट्यूब को दिया वीडियो हटाने का आदेश

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने उन वीडियो को यूट्यूब से हटाने का आदेश दिया है जिनमें दावा किया गया है कि भारतीय मसालों में गाय का गोबर और गाय का मूत्र मिलाया जाता है। हाईकोर्ट ने कैच ब्रांड मसाले बेचने वाली कंपनी धर्मपाल सत्यपाल संस प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर गूगल को ये आदेश दिया। कंपनी ने यूट्यूब चैनलों पर आपत्तिजनक वीडियो पाए जाने के बाद मुकदमा दायर किया था। सुनवाई के बाद जस्टिस संजीव नरूला ने दो यूट्यूब चैनलों को कंपनी को बदनाम करने और कॉपीराइट का उल्लंघन करने से रोक दिया। कोर्ट में पेश दस्तावेजों को देखने के बाद कोर्ट ने पाया कि वीडियो में बिना किसी आधार के कंपनी के बारे में बदनाम करने वाली टिप्पणियां की गई थीं। कोर्ट ने कहा, आपत्तिजनक वीडियो में बिना किसी आधार के वादी के उत्पादों को लेकर बदनाम करने वाली टिप्पणियां हैं। वादी ने वीडियो में बताए गए उत्पादों/मसालों में शामिल सामग्रियों की एक सूची रिकॉर्ड पर रखी है। कोर्ट ने

कहा कि कंपनी ने संबधित नियामक नियामकों से प्रमाण पत्र प्राप्त किया है। साथ ही एक प्रमाणित लैब से एक स्वतंत्र खाद्य विश्लेषण की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की है, जिसमें गाय के गोबर, गोमूत्र या किसी अन्य दूषित पदार्थों की उपस्थिति की बात नहीं कही गई है। इससे पहले सुनवाई के पहले दिन कोर्ट ने गूगल को वीडियो हटाने और बेसिक सब्सक्राइबर की जानकारी देने का निर्देश दिया गया था। गूगल से जानकारी मिलने के बाद यूट्यूब चैनल 'टीवीआर' और 'व्यूज एन न्यूज' को समन जारी किया। दोनों कोर्ट में पेश नहीं हुए, जिसके बाद अदालत ने एकतरफा कार्यवाही करने का फैसला किया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने संक्षिप्त कार्रवाई को लेकर जोर दिया।

रिजॉर्ट कर्मी विवेक आर्य के बयान दर्ज, अंकिता के साथ मारपीट से लेकर कई पर्दों से उठाया राज

कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल), 5 मई (एजेंसियां)। अंकिता हत्याकांड में बृहस्पतिवार को एक गवाह ने कोटद्वार स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) रीना नेगी की अदालत में बयान दर्ज कराए। दूसरा गवाह अदालत में हाजिर नहीं हुआ। अब गवाही के लिए अगली तिथि 17 मई निर्धारित की गई है। जिसमें गवाही के लिए तीन गवाहों को समन भेजा जा रहा है। गवाही और प्रति परीक्षा के दौरान तीनों हत्यारोपी पुलकित आर्य, सौरभ भास्कर व अंकित गुप्ता अदालत में मौजूद रहे। अंकिता हत्याकांड की पैरवी के लिए नियुक्त विशेष लोक अभियोजक डीजीसी जितेंद्र सिंह रावत ने बताया कि बृहस्पतिवार की गवाही के लिए मुख्य आरोपी पुलकित आर्य के रिजॉर्ट में हाउस कीपिंग का काम करने वाले विवेक आर्य और आयुष को समन भेजा गया था, लेकिन अदालत में केवल विवेक ही हाजिर हुआ। उसने पुलिस व एसआईटी को दिए बयानों को अदालत में दोहराया। विवेक आर्य ने अदालत में बताया कि वह केवल 10वीं कक्षा तक पढ़ा है। उसने वनंत्रा रिजार्ट में हाउस कीपिंग की नौकरी के लिए आवेदन किया था। जिसमें उसे साढ़े दस हजार रुपये में नौकरी पर रख लिया गया। उसने रिजॉर्ट में 09 सितंबर को नौकरी ज्वाइन की। अगले दिन उसने साथ के अन्य लोगों से सुना कि अंकिता के साथ रिजॉर्ट में मारपीट हुई थी। 11 सितंबर को अंकिता ने उसे बताया कि पुलकित आर्य और सौरभ ने ड्रिंक करने के बाद अश्लील हरकत करने की कोशिश की। जिस पर अंकिता ने पुलकित आर्य को थप्पड़ मारने की बात बताई। अंकिता ने यह भी बताया कि इससे पहले दो सितंबर को बर्थडे पार्टी के दिन सौरभ भास्कर ने उसे रुम में ले जाकर ड्रिंक कराकर बदतमीजी की और अश्लील हरकत करने की कोशिश की। विवेक आर्य ने अदालत में बताया कि 14 सितंबर को रिसॉर्ट में अंकिता का दोस्त पुष्पदीप भी आया था। वह यहां 16 सितंबर तक रहा। बताया कि उसने भी भी रिजॉर्ट में 16 सितंबर तक नौकरी की।

कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी ने 'महेश' के नाम पर लिया 8 करोड़ का लोन

कोर्ट ने जारी किया कुर्की का नोटिस

इंदौर, 5 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के राऊ से कांग्रेस एमएलए जीतू पटवारी के नाम को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। दरअसल, बैंक ऑफ बड़ौदा (वोव) की नौलखा ब्रांच से वेयरहाउस के लिए सवा आठ करोड़ के संयुक्त लोन में कांग्रेस नेता ने अपना नाम महेश उर्फ जितेंद्र पटवारी लिखाया था। जबकि, 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान दाखिल नामांकन पत्र में उनका नाम जितेंद्र ही दर्ज है। हालांकि, नामांकन में इस लोन का जिक्र अवश्य किया गया है। लोन के लगभग दो करोड़ वे चुका नहीं पाए हैं। जिसके बाद अदालत ने वेयरहाउस और लोन के लिए बंधक संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी कर दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इंदौर की हातोद तहसील के अंतर्गत आने वाले गांव अलवासा में वेयरहाउस के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा की नौलखा ब्रांच से 2014 से 15 के बीच तीन किस्तों में 8 करोड़ 15 लाख

का संयुक्त लोन लिया गया था। यह लोन लक्ष्य वेयरहाउस एवं पार्टनर्स के नाम पर है। इसके पार्टनर्स में महेश उर्फ जितेंद्र पिता रमेशचंद्र पटवारी, भारत पटवारी, रजनीश पटवारी एवं कुलभूषण पटवारी के नाम दर्ज हैं। लोन में यही लोग जमानतदार भी बनाए गए हैं। लोन का लगभग 2 करोड़ 21 लाख 69 हजार बकाया है। सितंबर 2022 को नॉन परफार्मिंग असेट (एनपीए) में डालते हुए बैंक ने 11 अक्टूबर 22 को 60 दिन में राशि का भुगतान करने का नोटिस दिया था। राशि नहीं चुकाने पर संपत्ति का कब्जा दिलाने के लिए बैंक ने अदालत में अर्जी लगाई।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 6 मई- 2023

फसल बीमा का फसाना और हकीकत

बीमा दावों से फसल नुकसान की पर्याप्त भरपाई न होने से परेशान किसानों ने स्वैच्छिक आधार पर फसल बीमा का 'प्रीमियम' अदा करना बंद कर दिया है। देश के सात राज्यों- आंध्रप्रदेश, झारखंड, तेलंगाना, बिहार, गुजरात, पंजाब, पश्चिम बंगाल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा का राज्य अंशदान देना बंद कर दिया है। इससे इन राज्यों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बंद हो चुकी है।

रबी फसल की कटाई से कुछ दिन पूर्व हुए मौसम परिवर्तन से देश के अठारह राज्यों में खेत में खड़ी फसलें वर्षा और ओलावृष्टि से बुरी तरह प्रभावित हुर्इं। देश में इस वर्ष गेहूं की बुआई 343.2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई थी, जो अभी तक का सर्वाधिक कीर्तिमान है। मगर देखते ही देखते कास्तकारों की आय पर मौसम ने जैसे डाका डाल दिया। गेहूं उत्पादक राज्य पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान में तीन लाख हेक्टेयर फसलें पूरी तरह नष्ट हो गर्इं। अन्य राज्यों में चना, मसूर, सरसों, मसाले और सब्जियों-फलों की फसलों को अत्यधिक नुकसान हुआ है। नष्ट होने से बची फसलों की गुणवत्ता बुरी तरह से प्रभावित हुई है।

फसलों की गुणवत्ता प्रभावित होने से किसानों की आय में चालीस फीसद तक की गिरावट का अनुमान है। प्रभावित राज्यों की सरकारों ने पचास फीसद से अधिक फसलों के नष्ट होने पर अपने राजस्व कोष से बीस हजार से लेकर पचास हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की मदद का एलान किया है। मगर यह मदद उन क्षेत्रों के लिए है, जहां फसलें पचास फीसद से अधिक नष्ट हुई हैं। गुणवत्ता प्रभावित होने और उत्पादन कम आने पर यह राहत उपलब्ध नहीं है।

सन 2016 में केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ मिलकर फसल नुकसान और मौसमी प्रकोप से उत्पादन कम आने पर क्षतिपूर्ति के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा की शुरुआत की थी। इसमें भी उत्पादन में पचास फीसद से अधिक के नुकसान पर क्षति का प्रावधान किया गया है। गुणवत्ता प्रभावित होने से किसान के नुकसान की भरपाई का इसमें कोई प्रावधान नहीं है।

बीमा कंपनियों की क्षति शर्तें, आकलन विधि सिर्फ बीमा कंपनियों के लिए फायदेमंद रही हैं। पीड़ित किसानों को तो लागत मूल्य भी प्राप्त करना मुश्किल होता है। गत वर्षों में जब अलग-अलग राज्यों में फसलें बड़े पैमाने पर नष्ट हुई थीं, बीमा दावा अदा करने के बाद भी बीमा कंपनियां मुनाफे में रही हैं।

2019 में मध्यप्रदेश के किसानों को पचास फीसद से अधिक फसल के नुकसान के बाद उनके खातों में दो रुपए से लेकर दो सौ रुपए तक की राशि अदा की गई थी। बीमा कंपनियां क्षति आकलन एजंसियों को क्षति कम दर्शाने का प्रोलभन देती हैं, तो पीड़ित किसान नुकसान को ठीक लिखने के लिए एजंसी को रिश्वत देता है। बीमा दावों से फसल नुकसान की पर्याप्त भरपाई न होने से परेशान किसानों ने स्वैच्छिक आधार पर फसल बीमा का 'प्रीमियम' अदा करना बंद कर दिया है। देश के सात राज्यों- आंध्रप्रदेश, झारखंड, तेलंगाना, बिहार, गुजरात, पंजाब, पश्चिम बंगाल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा का राज्य अंशदान देना बंद कर दिया है। इससे इन राज्यों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बंद हो चुकी है।देश में कृषि से जुड़े किसानों की संख्या करीब 10.20 करोड़ है, लेकिन वर्ष 2022-23 में प्रधानमंत्री फसल बीमा में पंजीकृत किसानों की संख्या मात्र 93.44 लाख रही, जो कि 2021-22 की तुलना में उन्नीस फीसद कम है। यह किसानों के प्रधानमंत्री फसल बीमा से मोहभंग का सबूत है। नुकसान की तुलना में बहुत कम क्षतिपूर्ति, समय से बीमा दावों का भुगतान न होना और राजस्व सर्वे इकाइयों का भ्रष्टाचार प्रधानमंत्री फसल बीमा पर किसानों के विश्वास को कमजोर करता है।

किसानों को बीमा प्रीमियम खरीफ फसल के लिए उनके बीमाधन का दो फीसद, रबी और तिलहनी फसलों के लिए डेढ़ फीसद, बागवानी और फलों के लिए आधा फीसद ही अदा करना होता है। शेष प्रीमियम राशि की अदायगी केंद्र और राज्य सरकार आधा-आधा करती हैं। राज्य सरकारें अपने हिस्से की राशि कभी तय समय पर अदा नहीं करती हैं। 2016 से पहले फसल बीमा किसान की ऋण साख के आधार पर हुआ करता था।

सहकारी बैंकों में किसान क्रेडिट कार्ड सीमा अधिकतम ढाई लाख रुपए प्रति किसान है, जिससे पीड़ित किसान को इस अनुपात से ज्यादा बीमा दावा मिलने का प्रावधान नहीं था। प्रधानमंत्री फसल बीमा में इस प्रावधान में सुधार कर बीमा धन किसान की उपलब्ध कृषि भूमि के रकबे के आधार पर तय किया गया है। मगर अब भी प्राकृतिक नुकसान का आकलन व्यक्तिगत खेत को न मानकर राजस्व हलके में शामिल गांवों के कुल नुकसान का औसत निकाल कर किया जा रहा है। इससे वास्तविक नुकसान पीड़ित किसान को उसकी क्षति से बहुत कम की भरपाई हो पा रही है।

दूसरी तरफ आगजनी जैसी घटनाओं में किसान को बहत्तर घंटे में बीमा दावा आवेदन के माध्यम से बीमा कंपनी को सूचना देनी होती है। गांव का अशिक्षित किसान बहत्तर घंटों में कैसे सूचना दे सकता है? गांवो में ईमेल तकनीक सहित बिजली जैसी सुविधाओं का अभाव है। सरकार और नौकरशाही जानती है कि किसान के पास त्वरित संचार तंत्र नहीं है। उसे अपने फसल बीमा का पालिसी नंबर तक नहीं मालूम, क्योंकि किसान को लिखित बीमा बांड उपलब्ध कराने की बाध्यता बीमा कंपनियों पर लागू नहीं है।

प्रति वर्ष फसल उत्पादन का आकलन सरसरी तौर पर प्रत्येक राजस्व हलके से चुनिंदा किसानों के खेत में एक तय क्षेत्रफल में खड़ी फसल के आधार पर किया जाता है। इस तरह चार-छह नमूने के औसत परिणामों से उस इलाके का अधिकतम उत्पादन तय कर लिया जाता है। यह प्रक्रिया किसानों को सूचना दिए बगैर पूरी कर ली जाती है। जिस वर्ष फसल को प्राकृतिक नुकसान होता है, उस वर्ष में उत्पादन न्यूनतम स्तर पर होता है, लेकिन आगामी तीन वर्षों तक यह न्यूनतम उत्पादन आंकड़ा किसान के फसल उत्पादन के आंकड़े को प्रभावित करता रहता है।

इसलिए वास्तविक अधिकतम उत्पादन का आंकड़ा कभी दर्ज ही नहीं होता है। जबकि वैज्ञानिक अध्ययन में प्रत्येक कृषि भूमि में उपयोग किए गए बीज की गुणवत्ता, सिंचाई की मात्रा, बुआई का समय आदि के आकलन से फसल का उत्पादन तय होता है। यह अलग-अलग किसानों द्वारा अपनाई गई तकनीक पर आधारित होता है। इसलिए एक हलके के कुछ किसानों के खेतों के नमूने लेने की पद्धति फसल नुकसान की वास्तविक क्षतिपूर्ति कभी नहीं कर सकती।

कृषि वैज्ञानिक सिंचित भूमि में गेहूं का अधिकतम उत्पादन साठ से अस्सी क्विंटल प्रति हेक्टेयर तय करते हैं। मगर प्रधानमंत्री फसल बीमा में कंपनियों ने विगत छह वर्षों में औसत के आधार पर अधिकतम उत्पादन पैंतालीस क्विंटल से अधिक रिकार्ड में दर्ज ही नही किया है। वास्तविक गेहूं उत्पादन और बीमा कंपनी के आंकलित उत्पादन में चालीस फीसद से अधिक का अंतर है। यह अंतर दलहनी और तिलहनी फसलों में भी इसी प्रकार का है। इन हालात में बीमा कंपनियों से वास्तविक फसल क्षतिपूर्ति की अपेक्षा भला कितनी की जा सकती है।

फसल नुकसान आकलन के लिए पिछले साल से रिमोट सेंसिंग तकनीक और ड्रोन सर्वेक्षण के प्रयोग शुरू हुए हैं। मगर उत्तर प्रदेश के किसानों ने शिकायत की थी कि ड्रोन द्वारा नुकसान आकलन में बीमा कंपनियां नष्ट फसलों के स्थान पर हरी-भरी फसलों की तस्वीर लगा कर दावा अदा करने से बचती रहीं।

बीमा एजंट के रूप में राष्ट्रीय और सहकारी बैंक फसल की किस्म लिखते समय अनाज और दलहनी फसल प्रत्येक किसान के खाते में साठ और चालीस फीसद के अनुपात में लिखते हैं। बीमा एजेंट बैंकों द्वारा दर्ज फसल की किस्म में अंतर के कारण रिमोट सेंसिग सर्वेक्षण और ड्रोन सर्वेक्षण भी बेमानी साबित हो रहे हैं। फसल बीमा होने के बाबजूद राज्य सरकारों द्वारा अपने राजस्व कोष या आपदा प्रबंधन कोष से किसानों को क्षतिपूर्ति देने के लिए कदम उठाना भी प्रधानमंत्री फसल बीमा की उपयोगिता पर सावालिया निशान लगाता है।

नशे का फैलता धंधा

नशे का नशा युवाओं के सिर चढ़ कर बोल रहा है। इस पर अंकुश लगाने के जितने भी जतन किए गए उतना ही यह कारोबार बढ़ता गया है। इसे लेकर समाज से लेकर सरकार तक चिंतित है। इस पर काबू पाने के लिए कडे से कडे कानून बनाए गए हैं, यहां तक कि एनडीपीएस जैसे कठोर कानून बनाए गए जिसमें मादक पदार्थ निरोधक दस्ते भी तैनात किए गए हैं। इसके बावजूद नशे का धंधा गली-गली फल-फूल रहा है। नतीजतन इसका सेवन करने वालों की संख्या दिनोदिन बढ़ती ही जा रही है। हालात तो यहां तक नाजुक हो चले हैं कि अब शिक्षा का मंदिर भी इससे अछूता नहीं रह गया है। एक ताजा अध्ययन के अनुसार यदि अब भी इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो अगले दशक में दस से सत्रह साल की उम्र तक के बच्चे बुरी तरह नशे के आदी हो सकते हैं। अध्ययन में इसका कारण बताया गया है कि कामकाज की अधिकता या कामकाज का अभाव, लोगों में आ रहा एकाकीपन और बदलती सामाजिक आर्थिक स्थितियां लोगों को बुरी तरह प्रभावित कर रही हैं। इसके चलते लोगों ने नशे में डूबने का आसान तरीका अपना लिया है। नशे की बढ़ती लत ने महानगरों की सीमा पार कर अब कस्बों व गांवों तक में अपना पैर पसार लिया है। हम गर्व करते हुए इतराते तो हैं कि भारत सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, लेकिन यहां के युवा नशे की लत के कैसे शिकार हो रहे हैं इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी बात की चिंता ताजा अध्ययन में की गई है। हालांकि इस पर नियंत्रण के लिए शोधकर्ताओं ने कुछ उपाय भी सुझाए हैं, जिनमें अभिभावकों, सामाजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी रेखांकित की गई है। लेकिन जिस तरह से नशीले पदार्थों के कारोबार लगे गिद्धों ने अपने डैने फैलाए हैं, उससे तो देखने में यही आ रहा है कि उक्त संस्थाओं के लोग भी नशे की चपेट में बुरी तरह फंसे हुए हैं। इसकी साफ वजह है उद्देश्यहीन बन रही फिल्में। फिल्मों में नशे को ऐसा ग्ल्मराइज किया गया है कि किशोर मन भी फिल्मी नायकों की तरह वैसा ही करने लगता है। धीरे-धीरे उसे इसकी आदत पड जाती है। कई बार तो यह भी देखने में आया है कि नशा उसे पारिवारिक विरासत में मिला है। समय बीतने के साथ किशोरवय के युवा ऊब, खीझ, खालीपन, पढ़ाई-लिखाई, कामकाज के दबाव में इन पदार्थों में ही डूबने का आदी हो जाता है। लती हो चुके युवा जब अपना मनपसंद नशा नहीं पाते तो उसे पाने के लिए कोई अपराध तक करने को तैयार हो जाते हैं। इसी का फायदा उठाते हुए नशे के कारोबारी छोटे शहरों तक में अपना जाल बिछा देते हैं। नतीजतन शहर हो या गांव, हर जगह नशीले पदार्थों की इतनी वैरायटी बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं कि बहुत सारे किशोरों, युवाओं के लिए अब ये सामान्य उपभोग की वस्तु लगने लगी है। किशोर बच्चे अपने अभिभावकों, अध्यापकों, रिश्तेदारों, परिचितों से छिप-छिपा कर ही ऐसे नशे का सेवन करते हैं इसलिए उन पर निगरानी रख पाना भी मुश्किल ही होता है। जब बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी कोई गंभीर बीमारी होती है तब जांच-पडताल के बाद अभिभावकों को भनक लगती है कि उनका होनहार तो नशे का आदी हो चुका है। इस स्तर पर आने के बाद बच्चों की लत पर अंकुश लगाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पडता है। यहां तक कि किशोरों पर परामर्श वगैरह का भी कोई खास असर नहीं हो पाता। ऐसे में वे आक्रामक होकर हमेशा गुस्से से भरे रहने लगते हैं। पिछले कुछ सालों में कई ऐसे मामले उजागर हो चुके हैं, जिनमें भारी मात्रा में मादक पदार्थों की खेप किसी बंदरगाह या दूसरे ठिकानों पर पकड़ी गई। उनके आधार पर अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि मादक पदार्थों का कितना बड़ा कारोबार देश में फल-फूल रहा है। मगर जब भी ऐसे पदार्थों की खरीद-बिक्री पर रोक लगाने की बात होती है, तो छिटपुट जलसों वगैरह में कुछ लोगों को इनका सेवन करते पकड़ कर जिम्मेदार महकमा अपनी औपचारिक खानापूर्ति कर लेता है। ऐसे में इस धंधे के असली सूत्रधार पकड़ से बाहर ही रह जाते हैं। यहां तक कि कुछ कुछ मौकों पर इस कारोबार में कई राजनीतिक हैसियत वालों के भी नाम उजागर हुए हैं। ऐसे में मात्र सरकारी तंत्र से ही अपेक्षा की जाती है कि वह किशोरों और युवाओं में मादक पदार्थों की बढ़ती लत पर लगाम लगाने की दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाए। नहीं तो जिस युवा पीढ़ी के बल पर देश के विकास का सपना संजोया जा रहा है, अगर वही नशे की गर्त में डूबा रहेगा तो भला देश का विकास कैसे होगा?

क्या समाज का दर्पण खतरे में है?

सुनील कुमार महला

हाल ही में विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बुधवार (3 मई 2023 को) को वै श्व क मी डि या निगरानी संस्था 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' (आर.एस.एफ.) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित की है।इस रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2023 के विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 11 पायदान गिरकर 161वें स्थान पर पहुंच गया, कुल 180 देशों में 161 वां स्थान प्राप्त करना शर्मनाक होने के साथ ही बहुत ही चिंतनीय है।

यह बहुत ही गंभीर है कि आज के समय में प्रेस बहुत पीछे छूटती चली जा रही है। यदि प्रेस के अस्तित्व को खतरा हुआ तो निश्चित ही इसके परिणाम भी अच्छे नहीं होंगे, समाज व्यवस्था पर इससे प्रभाव पड़ेगा, लोकतंत्र पर इसका प्रभाव कहीं न कहीं नजर आएगा ही। आज डिजीटल युग है, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग आ गया है। डिजीटल व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के युग में पत्र-पत्रिकाओं के समक्ष बहुत सी चुनौतियां हैं। डिजीटल युग के साथ आमूल चूल परिवर्तन आए हैं, बहुत सी पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन आज बंद हो गया है, सोशल नेटवर्किंग साइट्स का दौर है, प्रिंट मीडिया पर काफी असर इनका(इन डिजीटल प्लेटफॉर्म) पड़ा है। आज अखबारों या यूं कहें कि प्रिंट मीडिया की कीमत बहुत कम रह गई है, वे लगातार अपने अस्तित्व के लिए जूझ रहे हैं, हर तरफ़ दबाव सा नजर आता है। सच तो यह है कि आज के इस युग में प्रेस का भविष्य किसी दोराहे पर ही खड़ा नजर आता है, जहाँ चुनौतियों की संख्या बहुत ही ज्यादा है। लोकतंत्र के तीनों पाये विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका आज मूकदर्शक हैं। आज सरकार के विरुद्ध लिखकर कोई खड़ा नहीं रह सकता है। वास्तव में, पत्रकारिता को समाज का दर्पण कहा जाता है और पत्रकारिता' समाज का ऐसा दर्पण है जिसमें देश, विदेश सहित समाज या आस -पास घटने वाली समस्त सत्य घटनाओं को देखा जा सकता है। यदि यह दर्पण मैला हो जाए या टूटने लगे तो समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ खतरे में है।

हमें यह बात हमेशा जेहन में रखनी चाहिए कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने में मानवाधिकारों की सुरक्षा करने में तथा प्रशासनिक भ्रष्टाचारों को उजागर करने में प्रेस की प्रभावशाली भूमिका है। हाल फिलहाल, यह जरूर है कि पिछले कुछ सालों में भारत की पत्रकारिता में काफी गिरावट आई है और आज पत्रकारिता का उद्देश्य देश व समाज सेवा न होकर सिर्फ और सिर्फ पैसा कमाना हो गया है। आज पत्रकारिता का उद्देश्य नेम-फेम, पैसा कमाना हो गया है, जो कि पत्रकारिता के लिए ठीक नहीं कहा जा सकता है।

कुछेक लोगों के स्वार्थों के कारण पत्रकारिता के मूल्य आज लगातार गिरते चले जा रहे हैं। पत्रकारिता में आदर्श मूल्यों का आज अभाव हो गया है। आज की पत्रकारिता स्वार्थों के चलते पहले के जमाने की तरह निष्पक्ष, निडर व सच्ची नहीं रही।

रंगबाज पुलिस वाले ने किया लवजेहाद

मनोज कुमार अग्रवाल

यूपी में योगी सरकार की तमाम सख्ती के बा व जू द ल व जे हा द थमने का नाम नहीं ले रहा है यहां तक कि अब तो यूपी पुलिस में तैनात शोहदे भी वर्दी की ईजजत को दाव पर लगा कर लवजेहाद की वारदात को अंजाम दे रहे हैं । पिछले कुछ दिनों में कई पुलिस कर्मियों द्वारा ही हिन्दू लड़कियों को फंसा कर उनका मनमाना शोषण करने के मामले सामने आए हैं ताजा मामला पीलीभीत से सामने आया है एक रंगबाज सिपाही ने अपना धर्म छिपाया और शादी का झांसा देकर 3 साल तक हिन्दू लड़की का यौन शोषण करता रहा।आरोप है कि उसने जबरदस्ती अबॉर्शन भी करवाया। जब लड़की ने शादी की बात कही, तो उसने मंदिर में शादी रचा ली। लेकिन, जब उस ने घर ले जाने और कोर्ट मैरिज की बात कही तो पीडिता के साथ मारपीट की और धर्म बदलने का दबाव डालने लगा। उसने लड़की को बंधक बनाकर एक कमरे में रखा, जहां उसके बड़े भाई ने भी लड़की के साथ रेप किया।

यह एक लव जिहाद की ताजा शिकार बनी पीड़िता की आपबीती है।इस के पहले भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तैनात कई पुलिस वाले ऐसे ही कारनामे कर महकमे की ईज्जत को बट्टा लगा चुके हैं। पीड़ित युवती का आरोप है कि पीलीभीत के न्यूरिया थाने में तैनात एक सिपाही और उसके बड़े भाई ने सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। मामले में वह पुलिस के पास पहुंची, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद उसने एसपी को आवेदन दिया है। पूरा मामला पीलीभीत का है, यहां सहारनपुर की एक युवती न्याय की गुहार लगाने पहुंची। मिली जानकारी के मुताबिक सहारनपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली युवती ने पीलीभीत एसपी को शिकायत पत्र दिया है। उसने बताया कि 3 वर्ष पहले उसकी मुलाकात शामली जिले के रहने वाले एक युवक से हुई थी, तब उसने अपना नाम रोहित बताया था।

रोहित ने उससे बताया कि वह पुलिस विभाग में है और उसे फिर प्रस्ताव कर दिया। उसने पीड़िता से शादी करने का वादा भी किया। वह उसे अलग-अलग होटलों में ले जाने लगा। पीड़िता ने कहा कि रोहित उसके साथ लुभावनी बातें करते हुए दुष्कर्म करता और फिर चला जाता था। पुलिस कर्मी ने पीड़िता पर वर्दी का रौब दिखा कर मनमानी की अन्याय की शिकार लड़की ने अपने शिकायत पत्र में लिखा, 'कई बार तो मेरे मना करने के बाद भी वो मुझसे शारीरिक संबंध बनाता था। इस दौरान मैं गर्भवती हुई, तो उसने मेरा जबरदस्ती अबॉर्शन करवा दिया।'' युवती ने बताया कि यहां तक तो वो सहती रही। लेकिन जब शादी जब-जब शादी की बात करती, आरोपी उसके साथ दुर्व्यवहार करने लगा। युवती की मानें तो रोहित ने उससे एक बार मंदिर में शादी की। शारीरिक संबंध बनाने के बाद उसे साथ रखने के लिए मना करने लगा। वह उसपर गंदे-गंदे आरोप लगा भगा देता था। इसके बाद वह पीड़िता के साथ मारपीट पर उतारु हो गया। वह उसके इस व्यवहार से परेशान हो गई। रोहित के बदले हुए व्यवहार के बाद पीड़िता ने उसके बारे में पता करना शुरू किया। युवती को पता चला कि आरोपी पीलीभीत के न्यूरिया थाने में तैनात है और उसका नाम रोहित नहीं बल्कि इमरान है। बावजूद इसके, वह उससे शादी करने को राजी थी। पीड़िता ने बताया कि इमरान तब भी मानने को तैयार नहीं हुआ और उसके साथ फिर शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता का आरोप है कि उसने न्यूरिया थाने में आरोपी इमरान मिर्जा के खिलाफ 6 महीने पहले शिकायत की थी। इसके बाद उसे सस्पेंड कर दिया गया था। 25 जनवरी 2023 को इमरान उससे मिलने पहुंचा और मनाने लगा। काफी मान-मनौव्वल के बाद इमरान ने युवती से शपथ पत्र दिलवा दिया और अपने साथ ले गया।

पीड़िता ने बताया कि इमरान ने उसे शामली में किराए के कमरे पर रखा। यहां इमरान मिर्जा ने उसकी मुलाकात अपने बड़े भाई फुरकान से करवाई। फुरकान भी शामली पुलिस में तैनात है। फिर दोनों भाई रोजाना उसके कमरे पर आने लगे। दोनों रिवाल्वर दिखाकर उसके साथ रेप करने लगे। इस दौरान वो उसके साथ मारपीट भी करते थे। युवती ने शिकायत पत्र में लिखा कि दोनों भाइयों ने कई बार उसका रेप किया। इस दौरान वो गर्भवती हो गई। युवती ने कहा कि एक दिन इमरान ने उसके साथ मारपीट की और वहां से भगा दिया। इमरान ने धमकी भी दी कि किसी से शिकायत की तो खैर नहीं। पीड़िता के आवेदन पर एसपी ने इमरान मिर्जा और उसके बड़े भाई फुरकान के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी सिपाही और उसके बड़े भाई के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले पर शहर कोतवाल नरेश त्यागी के मुताबिक तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता 4 दिन पहले आईजी के पास पेश हुई थी। इस दौरान पीड़िता ने आरोपी सिपाही के खिलाफ धर्म परिवर्तन करने का आरोप लगाया था जिस पर आईजी ने संज्ञान लेते हुए पीलीभीत पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। जानकारी मुताबिक आरोपी सिपाही इमरान मिर्जा का न्यूरिया से ट्रांसफर हो चुका है। उसकी तैनाती सेहरामऊ उत्तरी में की गई है, लेकिन वहां उसने अबतक तैनाती नहीं ली है। बताया जा रहा है कि दोनों आरोपित फरार हो गए हैं। इस मामले में आरोपी यूपी पुलिस के सिपाही हैं पिछले दिनों भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिन में खुद पुलिस वालों ने लड़कियों को फंसा कर पुलिस की साख को बट्टा लगा दिया। मौजूदा मामले में भी पुलिसकर्मी ने एक अबला लड़की की जिंदगी को बेकार कर दिया। यह न सिर्फ़ शर्मनाक है वरन पुलिस के चरित्र को भी कलंकित करने वाली वारदात है। सरकार को ऐसे धतकरम में लिप्त पुलिस वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएंगे तो मासूम लड़कियों की हिफाजत कौन करेगा?

कर्नाटक चुनाव गांधी परिवार की राजनीतिक ताकत तय करेगी

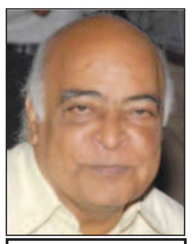

अशोक भाटिया

कर्नाटक विधानसभा का चुनाव कांग्रेस के लिए सिर्फ स र का र बनाने का चुनाव नहीं है, बल्कि आगे की राजनीतिक दिशा बनाने वाला चुनाव है, जिसका एक पहलू यह है कि पार्टी इसके बहाने नेहरू-गांधी परिवार का करिश्मा लौटाने की कोशिश कर रही है। अगर यह कोशिश कामयाब होती है तो राजस्थान से लेकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी यह संदेश जाएगा कि सोनिया गांधी का परिवार अब भी कांग्रेस को सत्ता दिला सकता है। यह संदेश बनाना इसलिए जरूरी है क्योंकि अभी प्रदेश के सभी क्षत्रप यह मानने लगे हैं कि अगर कांग्रेस जीतती है तो उनकी वजह से उसमें आलाकमान की कोई भूमिका नहीं होती है। इससे कांग्रेस आलाकमान यानी नेहरू-गांधी परिवार की नैतिक व राजनीतिक सत्ता कमजोर होती है। कर्नाटक में भी पहले दिन से यह माहौल बनाया गया है कि कांग्रेस को डीके शिवकुमार और सिद्धरमैया चुनाव लड़ा रहे हैं और अगर कांग्रेस जीतेगी तो इन दो नेताओं की वजह से जीतेगी। उसमें ज्यादा से ज्यादा पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को थोड़ा श्रेय दिया जा सकता है क्योंकि वे भी कर्नाटक के हैं। यह माहौल सिर्फ राजनीतिक कारणों से नहीं बना था, बल्कि मीडिया ने भी चुनाव को इसी तरह से प्रचारित किया था। मीडिया ने ऐसी धारणा बनाई कि अगर कांग्रेस जीतती है तो वह स्थानीय नेतृत्व की वजह से जीतेगी और हारेगी तो कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व की कमजोरी से हारेगी। इसी तरह भाजपा के बारे में यह धारणा बनाई गई कि अगर भाजपा जीतती है तो नरेंद्र मोदी की वजह से जीतेगी और हारती है तो प्रदेश नेतृत्व की कमजोरी से हारेगी। मीडिया के इस नैरेटिव को कांग्रेस आलाकमान ने समझा और उसके बाद प्रादेशिक नेतृत्व पर से फोकस हटाने का काम हुआ। उसके बाद ही तय हुआ कि पूरा गांधी परिवार प्रचार करेगा। राहुल गांधी की रैलियां बढ़ाई गईं और साथ ही प्रियंका गांधी वाड्रा की भी ज्यादा रैली कराने का फैसला हुआ। इससे पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने हिमाचल प्रदेश में प्रचार किया था और राहुल गांधी गुजरात गए थे। प्रियंका को हिमाचल की जीत का श्रेय मिला था और राहुल के नेतृत्व पर सवाल उठे थे। तभी यह कहा जा रहा था कि कर्नाटक में प्रियंका सिर्फ औपचारिकता के लिए प्रचार करने जाएंगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने अनेक रोड शो किए और रैलियां कीं।

अब कहा जा रहा है कि सोनिया गांधी भी एक रैली करेंगी। सोचें, पिछले कई चुनावों से वे कोई जनसभा नहीं कर रही हैं। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में भी सोनिया गांधी ने एक वर्चुअल रैली की थी। उसके अलावा हर राज्य के चुनाव के समय उनका एक वीडियो संदेश जारी होता था और वे एक चिट्ठी लिख देती थीं। लेकिन वे कर्नाटक के हुबली में छह मई को एक चुनावी रैली करेंगी। इस तरह सोनिया और राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने कर्नाटक प्रचार की कमान संभाली है। कांग्रेस के जीतने पर श्रेय उनको मिलेगा, जिससे उनकी धमक बनेगी और इसका असर बाकी राज्यों में भी दिखेगा, जहां साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं।

भले ही कर्नाटक में 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को नतीजे आने हैं। उसके बाद ही तय होगा कि किसकी सरकार बनेगी और कौन मुख्यमंत्री होंगा। लेकिन सीएसडीएस और एनडीटीवी के सर्वे ने कम से कम कांग्रेस में चल रहा विवाद खत्म करा दिया है। अगर कांग्रेस चुनाव जीतती है तो पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया एक बार फिर मुख्यमंत्री बन सकते हैं। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के बाकी घोषित या अघोषित दावेदारों में वे सर्वाधिक लोकप्रिय माने गए हैं। ध्यान रहे सीएसडीएस का सर्वेक्षण बाकी किसी भी एजेंसी के मुकाबले ज्यादा वस्तुनिष्ठ और तटस्थ होता है। ऊपर से वह सर्वे एनडीटीवी पर चला है, जो अदानी समूह के मालिकाने वाला चैनल है।

अगर यह सर्वे सही साबित होता है तो बड़े अंतर से कांग्रेस जीतेगी और तब कांग्रेस नेतृत्व की मजबूरी होगी सिद्धरमैया को सीएम बनाने की है। इस सर्वेक्षण के मुताबिक कर्नाटक के 18 से 25 साल के युवाओं में से 40 फीसदी ने सिद्धरमैया को और 28 फीसदी ने बसवराज बोम्मई को अपनी पसंद बताया है। इससे ज्यादा उम्र के लोगों के बीच सिद्धरमैया की लोकप्रियता और ज्यादा है। 56 साल तक की उम्र के लोगों में 44 फीसदी ने सिद्धरमैया को पसंद किया है और सिर्फ 22 फीसदी ने बोम्मई को। कांग्रेस की ओर से सीएम पद के दूसरे दावेदार डीके शिवकुमार हैं, जिनको हर वर्ग के औसत के हिसाब से सिर्फ पांच फीसदी लोगों ने पसंद किया है।

हम अब भी पुलिंगवादी हैं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

रूढ़ीवादी सोच विज्ञान का मजाक उड़ाने में सबसे आगे होती है। यही कारण था कि उसकी कोख में बच्ची थी। अब आप पूछेंगे कि मुझे कैसे पता? कहीं डॉक्टरों को खिला-पिलाकर मालूम तो नहीं करवा लिया। यदि मैं कहूँ कि उसकी कोख में बच्चा था, तब निश्चित ही आप इस तरह का सवाल नहीं करते। आसानी से मान लेते। हमारे देश में लिंग भेद केवल व्याकरण तक सीमित है। वैचारिक रूप से हम अब भी पुल्लिंगवादी हैं। खैर जो भी हो उसकी कोख में बच्चा था या बच्ची यह तो नौ महीने बाद ही मालूम होने वाला था। चूंकि पहली संतान होने वाली थी सो घर की बुजुर्ग पीढ़ी खानदान का नाम रौशन करने वाले चिराग की प्रतीक्षा कर रही थी। वह क्या है न कि कोख से जन्म लेने वालौ संतान अपने साथ-साथ कुछ न दिखाई देने वाले टैग भी लाती हैं। मसलन लड़का हुआ तो घर का चिराग और लड़की हुई तो घर की लक्ष्मी। कोख का कारक पुल्लिंग वह इस बात से ही अत्यंत प्रसन्न रहता है कि उसके साथ पिता का टैग लग जाएगा, जबकि कोख की पीड़ा सहने वाली 'वह' माँ बाद में बनेगी, सहनशील पहले। घर भर के लोगों को कोख किसी कमरे की तरह लग रहा है। जिसमें कोई सोया है और नौ महीने बाद उनके सपने पूरा करने के लिए जागेगा और बाहर आएगा। सबकी अपनी-अपनी अपेक्षाएँ हैं। सबकी अपनी-अपनी डिमांड है। दादा जी का कहना है कि उनका चिराग आगे चलकर डॉक्टर बनेगा तो दादी का कहनाम है कि वह इंजीनियर बनेगा। चाचा जी का कहना है कि वह अधिकारी बनेगा तो चाची जी उसे कलेक्टर बनता देखना चाहती हैं। पिता उसे बड़ा व्यापारी बनता देखना चाहते हैं तो कोई कुछ तो कुछ। सब अपनी-अपनी इच्छाएँ लादना चाहते हैं, कोई उसे यह पूछना नहीं चाहता कि वह क्या बनना चाहता है। मानो ऐसा लग रहा था कि संतान का जन्म इच्छाओं की पूर्ति करने के लिए हो रहा है, न कि उसे खुद से कुछ करने की। उसकी कोख में संतान की पीड़ा से अधिक घर भर की डिमांड वाली पीड़ा अधिक सालती है। आँसुओं के भी अपने प्रकार हैं। जो आँसू कोरों से निकलते हैं उसकी भावनात्मक परिभाषा रासायनिक परिभाषा पर हमेशा भारी पड़ती है। वह घर की दीवारों, खिड़कियों और सीलन पर पुरुषवादी सोच का पहरा देख रही है। उसकी कोख पीड़ादायी होती जा रही है। उसमें सामान्य संतान की तुलना में कई डिमांडों की पूर्ति करने वाले यंत्र की आहट सुनाई देती है। ऐसा यंत्र जिसे न रिश्तों से प्रेम है न संस्कृति-सभ्यता से। न प्रकृति से प्रेम है न सुरीले संगीत से।

वैशाख मास में तुलसी जल दान का क्या है महत्व?

वैशाख के महीने में श्रीतुलसी जी को जल अर्पित करने का बड़ा महत्व है। वैशाख मास में क्योंकि सूर्य के ताप में वृद्धि हो जाती है इसलिए जल दान करने से श्रीहरि अत्यंत प्रसन्न होते हैं। जानते हैं कि तुलसी को जल दान क्यों करना चाहिए ?

तुलसी श्रीकृष्ण की प्रेयसी हैं। उनकी कृपा के फल से ही हम भगवान श्री कृष्ण की सेवा का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। तुलसी देवी के संबंध में कहा गया है तुलसी के दर्शन मात्र से ही संपूर्ण पाप नष्ट हो जाते हैं, जल दान करने से यम भय दूर हो जाता है, रोपण करने से यानी उनको बोने से उनकी कृपा से कृष्ण भक्ति वृद्धि होती है और श्रीहरि के चरण में तुलसी अर्पण करने से कृष्ण प्रेम प्राप्त होता है।

समस्त पत्र और पुष्प में तुलसी सर्वश्रेष्ठ हैं। तुलसी सर्व कामना प्रदान करने वाली, मंगलमय, श्रुधा, शुख्या, वैष्णवी, विष्णु प्रेयसी एवं सभी लोको में परम शुभाय है।

भगवान शिव कहते हैं -

यो मंजरी दलरे तुलस्या विष्णु मर्त्ये तस्या पुण्य फलम कर्तितुम नैव शक्तते,
तत्र केशव सानिध्य यात्रस्ती तुलसी वनम तत्रा ब्रह्म च कमला सर्वदेवगने।

हे कार्तिक! जो व्यक्ति भक्ति भाव से प्रतिदिन तुलसी मंजरी अर्पण कर भगवान श्रीहरि की आराधना करता है यहां तक कि मैं भी उसके पुण्य का वर्णन करने में अक्षम हूं। जहां भी तुलसी का वन होता है भगवान श्री गोविंद वही वास करते हैं और भगवान गोविंद की सेवा के लिए लक्ष्मी ब्रह्मा और सारे देवता वही वास करते हैं।

मूलतः भगवान श्री कृष्ण ने जगत में बध जीव गणों को उनकी सेवा करने का शुभ अवसर प्रदान करने के लिए भगवान श्री कृष्ण ही तुलसी रूप में आविर्भूत हुए हैं एवं उन्होंने तुलसी पौधे को सर्वाधिक प्रिय रूप में स्वीकार किया है। पाताल खंड में यमराज ब्राह्मण को तुलसी की महिमा का वर्णन करते हैं -

वैशाख में तुलसी पत्र द्वारा श्री हरि की सेवा के प्रसंग में वह कहते हैं कि जो व्यक्ति संपूर्ण वैशाख मास में अनन्य भक्ति भाव से तुलसी द्वारा त्री संध्या भगवान श्रीकृष्ण की अर्चना करता है उस व्यक्ति का और पुनर्जन्म नहीं होता।

तुलसी देवी की अनंत महिमा अनंत शास्त्रों में अनंत शास्त्रों में वर्णित है लेकिन यह महिमा असीमित है, अनंत है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण में प्रकृति खंड में ऐसा वर्णन है -

शिरोधार्य च सर्वे सामीप सताम विश्व पावनी जीवन मुक्ता मुक्तिदायिनी चा भजेताम हरि भक्ति दान।

जो सबके शिरोधार्य है, उपासया है, जीवन मुक्ता है, मुक्ति दायिनी है और श्री हरि की भक्ति प्रदान करने वाली हैं, वह समस्त विश्व को पवित्र करने वाली हैं। ऐसी समस्त विश्व को पवित्र करने वाली विश्व पावनी तुलसी देवी को मैं सादर प्रणाम करता हूं।

तुलसी देवी की पूजा, कीर्तन, ध्यान, रोपण और धारण पाप को नाश करने वाला होता है और इससे परम गति प्राप्त होती है।

जो व्यक्ति किसी अन्य को तुलसी द्वारा भगवान श्री हरि की अर्चना करने का उपदेश देता है और स्वयं भी अर्चना करता है वही वह श्री माधव के धाम में गमन करता है। केवल तुलसी देवी के नाम उच्चारण मात्र से ही श्रीहरि प्रसन्न हो जाते हैं और इसके परिणाम स्वरूप पाप समूह नष्ट हो जाता है और अक्षय पुण्य प्राप्त होता है।

समस्त पृथ्वी में साढ़े तीन करोड़ तीर्थ हैं। वह तुलसी उद्विग्न के मूल में तीर्थ निवास करते हैं। तुलसी देवी की कृपा से भक्तवृंद कृष्ण भक्ति प्राप्त करते हैं और वृंदावनवास की योग्यता अर्जित करते हैं। वृंदादेवी तुलसीदेवी समस्त विश्व को पावन करने में सक्षम है और सब के द्वारा ही पूज्य है।

समस्त पुष्पों के मध्य वो सर्वश्रेष्ठ हैं और श्री हरि सारे देवता, ब्राह्मण और वैष्णवगण के आनंद का वर्धन करने वाली हैं। वे अतुलनीय और कृष्ण की जीवन स्वरूपनी हैं। जो नित्य तुलसी सेवा करते हैं वह समस्त क्लेश से मुक्त होकर अभीष्ट सिद्धि प्राप्त करते हैं। अतः श्रीहरि की अत्यंत प्रिय तुलसी को जल दान अवश्य करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त इस समय भगवान से अभिन्न प्रकाश श्री शालिग्राम शिला को भी जल दान की व्यवस्था की जाती है।

शास्त्रों में तुलसी देवी को जल दान करने पर तुलसी के मूल में जो जल बच जाता है उसका भी विशेष महत्व वर्णित किया गया है। इस विषय में एक कहानी बताई गई है -

एक समय एक वैष्णव तुलसी देवी को जल प्रदान कर और परिक्रमा करके घर वापस जा रहे थे कि कुछ समय पश्चात एक भूखा कुत्ता वहां आकर तुलसी देवी के मूल में पड़े हुए जल था उसको पीने लगा लेकिन तभी वहां एक बाघ आया और उसको कहने लगा - दुष्ट कुकुर! तुम क्यों मेरे घर में खाना चोरी करने आए हो और चोरी भी करना ठीक है लेकिन मिट्टी का बर्तन क्यों तोड़ कर आए हो? तुम्हारे लिए उचित दंड केवल मृत्युदंड है।

इसके उपरांत बाघ उस कुत्ते को वही मार देता है और तभी यमदूत के गण उस कुत्ते को लेने आते हैं लेकिन उसी समय विष्णु दूतगण वहां आते हैं और उनको रोकते हैं।

कहते है यह कुत्ता पूर्व जन्म में जघन्य पाप करने के कारण नाना प्रकार के दंड पाने के योग्य हो गया था लेकिन केवल तुलसी के पौधे के मूल में पड़े जल का पान करने के फल से उसका समस्त पाप नष्ट हो चुका है और तो और वह विष्णु गमन करने की योग्यता अर्जित कर चुका है अतः वह कुत्ता सुंदर रूप को प्राप्त करता है और वैकुंठ के दूत गणों के साथ भगवद् धाम गमन करता है।

जगत जीवों को कृपा करने के उद्देश्य से ही भगवान की अतरंगशक्ति श्रीमती राधारानी का प्रकाश वृंदा तुलसी देवी के रूप में इस जगत में प्रकट हुआ है। उसी प्रकार भगवान श्री हरि भी बद्ध जीवो को माया के बंधन से मुक्त करने के लिए विचित्र लीला के माध्यम से अपने अभिन्न स्वरुप शालिग्राम शिला रूप में प्रकाशित हुए हैं। चारों वेदों के अध्ययन से लोगों को जो फल प्राप्त होता है केवल शालिग्राम शिला के अर्चना करने मात्र से ही वह पूर्ण फल प्राप्त किया जाना संभव है जो शालिग्राम शिला के स्नान जल, चरणामृत आदि को नित्य पान करते हैं वह महा पवित्र होते हैं एवं जीवन के अंत में भगवद धाम गमन करते हैं।

नारद जयंती आज

सभी देवों के प्रिय नारद जी की जयंती कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाई जाती है, ऐसे में यह जयंती 6 मई 2023 को मनाई जाएगी। नारद मुनि पृथ्वी, आकाश और पाताल लोक में देवी-देवताओं और असुरों तक संदेश पहुंचाया करते थे। नारद जी को लेकर मान्यता है कि ये भगवान विष्णु के अवतार थे। ऐसी ही कुछ और रोचक बातों के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं, तो चलिए जानते हैं बिना देर किए।

नारद जी से जुड़ी रोचक बातें

सबसे पहले बता दें कि इनका नाम नारद क्यों पड़ा। शास्त्र के अनुसार 'नार' का अर्थ है जल। नारद जी ज्ञान, जल और तर्पण करने का काम करते थे, इसलिए ये नारद के नाम से जाने गए। ऐसी भी मान्यता है कि नारद जी ब्रह्मा जी के कंठ से उत्पन्न हुए थे इन्हें संगीत, व्याकरण, भूगोल, इतिहास, पुराण, ज्योतिष, योग आदि शास्त्रों में पारंगत माना जाता था। आपको बता दें कि नारद जी को ब्रह्मा जी ने अविवाहित रहने का श्राप दिया था। असल में एक बार नारद जी ने ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि के काम काज में शामिल होने की आज्ञा का पालन करने से मना कर दिया था, जिसके कारण उन्हें ब्रह्मा जी ने अविवाहित होने का श्राप दे दिया था। शास्त्रों के अनुसार नारद जी ने कठोर तपस्या के बाद देवलोक में ब्रम्हऋषि का पद प्राप्त किया हुआ था। देवऋषि को भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता था। किसी लोक में कोई भी दुख पीणा होती थी तो नारद जी भगवान के पास पहुंचाने का काम करते थे। इन्हें भगवान का मन कहा जाता है। ऐसी भी मान्यता है कि देवऋषि पिछले जन्म में एक दासी के पुत्र थे।

एक और मान्यता है कि नारद जी ने वन में कठोर तपस्या करने के बाद साक्षात नारद जी के दर्शन पाए थे। उनके रूप को देखकर नारद जी आत्मविभोर हो उठे थे। श्री कृष्ण ने उन्हें दर्शन देने के बाद कहा था नारद तुम निष्पाप और पवित्र हो इसलिए मेरे दर्शन तुम्हें मिला है।

वास्तु: पर्स कभी भी न दें गिफ्ट में

अक्सर हम महिलाओं को पर्स गिफ्ट करना पसंद करते हैं। पुरुषों को भी हम कभी कभी वॉलेट देने में सुविधा समझते हैं लेकिन वास्तु के अनुसार पर्स देने के नुकसान अगर आप जानेंगे तो आपके पैरों के नीचे से जमीन खिसक जाएगी। जी हां, पर्स देने से आपको आर्थिक हानि हो सकती है। वास्तु के अनुसार जब हम किसी को भी पर्स उपहार में देते हैं तो उस व्यक्ति के पास हमारे धन से जुड़े योग-संयोग और ग्रहों की शुभता-अशुभता दोनों ट्रांसफर हो जाती है।

हमें किसी को भी उपहार में वही चीजें देना चाहिए जो दोनों के लिए लाभकारी हो।

पर्स हमारी आर्थिक स्थिति का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में जो धन हमारे पास आने वाला होता है वह पर्स उपहार में देने से उस व्यक्ति के पास चला जाता है जिसे पर्स हमारे द्वारा मिला है।

यानी पर्स या मनी बैग आपको किसी को उपहार में क्यों नहीं देना चाहिए इसे इस तरह समझें दरअसल हम पर्स में पैसे रखते हैं और यदि किसी को ये उपहार स्वरूप देते हैं तो हमारी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। ये इस बात का प्रतीक है कि हम अपनी सकारात्मक वित्तीय ऊर्जा किसी दूसरे को भेज रहे हैं।

यह भी संभव है कि आपकी नकारात्मक आर्थिक स्थिति किसी और को चली जाए लेकिन यह भी आपके लिए बुरा हो सकता है क्योंकि उपहार में अच्छी चीजें दी जाती है बुरी या नकारात्मक नहीं...किसी और का बुरा सोचना हमारा सनातन धर्म नहीं सिखाता है हो सकता है आपकी खराब आर्थिक स्थिति के योग उपहार लेने वाले को लग जाए लेकिन इससे भी आपकी आर्थिक स्थिति में सकारात्मक सुधार नहीं आएगा यह तय है।

इसलिए पर्स लेने और देने दोनों से बचें।

इस मंत्र के जाप से मिलेगा जबरदस्त फायदा

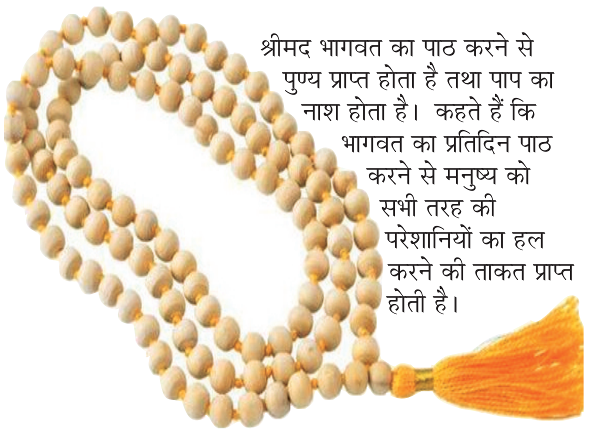

श्रीमद भागवत का पाठ करने से पुण्य प्राप्त होता है तथा पाप का नाश होता है। कहते हैं कि भागवत का प्रतिदिन पाठ करने से मनुष्य को सभी तरह की परेशानियों का हल करने की ताकत प्राप्त होती है। साथ ही उसके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होती है। यदि आपके पास इतना वक़्त नहीं है कि आप भागवत पढ़ सकें तो प्रतिदिन केवल एक मंत्र का जाप करने से भी आपको संपूर्ण श्रीमद्भागवत पढ़ने का फल प्राप्त हो सकता है। बता दें कि इसका मतलब है प्रभु श्रीकृष्ण ने देवकी के गर्भ में जन्म लिया, गोपी-ग्वालों के साथ बड़े हुए, पूतना का संहार किया, गोवर्धन पर्वत को धारण किया, कंस का वध किया, कुंती पुत्र यानी पांडवों की रक्षा की, कौरवों का नाश किया इस तरह कृष्ण ने संसार में अपनी लीलाएं रची।

मंत्र जाप करने की विधिः-

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, इस एक श्लोकी मंत्र का जाप बेहद शुभ लाभदायी साबित होता है। शास्त्रों के मुताबिक, यदि विधिपूर्वक इस मंत्र का जाप किया जाए, तो व्यक्ति को जीवन में वे सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त होती है, जिसका वे हकदार है। इतना ही नहीं, व्यक्ति को पापों से मुक्ति दिलाने में भी ये मंत्र बहुत शुभ लाभदायी माना गया है।

यदि आप भी इस मंत्र का जाप करना चाहते हैं, तो प्रातः उठकर स्नान आदि के बाद भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करें। फिर इस मंत्र के जाप के लिए तुलसी की माला का इस्तेमाल करें। कहते हैं कि यदि ये मंत्र जाप तुलसी की माला से किया जाए, तो ये विशेष लाभदायी साबित होता है। हर दिन पांच माला जाप लाभदायी बताया गया है।

भरारी स्थान मंदिर के शिला की महिमा अपरंपार माथा टेकने से नौकरी की हर बाधा होती है दूर

गया। आस्था हमारे यहां कण-कण में है। यह सफल परिणाम भी देता है। बिहार के गया में एक ऐसा मंदिर है, जहां मूर्ति की नहीं, बल्कि शिला की पूजा की जाती है। यह शिला छोटी है, पर भक्तों की इसमें बड़ी आस्था है। यहां बड़ी संख्या में लोग अपनी मनोकामना लेकर पहुंचते हैं। जब मनोकामनाएं पूरी हो जाती है, तब वो फिर से यहां पहुंचते हैं और काफी उत्साह के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। इस मंदिर को बांके बाजार स्थित भरारी स्थान मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहां ज्यादातर वैसे भक्त पहुंचते हैं जिनको रोजगार मिलने और नौकरी लगने में काफी विलंब होती है। मान्यता है कि इस मंदिर में आकर जो भी भक्त मनोकामना मांगता है वो पूरी हो जाती है। मनोकामना पूर्ण होने के बाद यहां बलि देने की प्रथा है।

जिले के बांके बाजार के भरारी स्थान को काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां के कई प्रसंग भृगु ऋषि से जुड़े बताये जाते हैं। बताया जाता है कि यहां भृगु ऋषि ने काफी समय बिताया था। उन्होंने यहां तप किया था। मान्यता है कि यहां निवास के दौरान भृगु ऋषि जो भी बात कहते थे वो सब सही साबित होती आई हैं। कहा जाता है सतयुग से ही इस स्थान का जुड़ाव बताया जाता है जो अब धीरे-धीरे प्रसिद्ध हो रहा है। भृगु ऋषि से जुड़ाव के कारण प्राचीन भरारी स्थान की काफी प्रसिद्धि है।

नौकरी की बाधाओं को दूर करने के लिए आते हैं यहां

कई लोगों का मानना है कि नौकरी-रोजगार में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए यहां पहुंच कर पूजा-पाठ किया जाता है। ज्यादातर लोग जिनकी नौकरी नहीं लगी हो, या उसमें विलंब हो रहा हो वो यहां पहुंचते हैं। ऐसे लोग बाबा भरारी के दरबार में पहुंचते हैं। उनके मुताबिक जब मनोकामना पूरी होती है तब दोबारा वो यहां पहुंच कर बाबा को मत्था टेकते हैं। इसके अलावा, लोग यहां अपने बच्चों के लिए भी मान्यता मांगते है। जिसके पूरा होने पर यहां बकरे की बलि दी जाती है। इस इलाके में कोई व्यक्ति नया वाहन खरीदता है तो उसके द्वारा सबसे पहले यहां नारियल फोड़ कर पूजा-अर्चना की जाती है।

परीक्षा पास होने से लेकर नौकरी तक मिलती है राजकीय राजमार्ग 69 डुमरिया शेरगाटी रोड के किनारे स्थित होने के कारण यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोजाना आते हैं। सड़क से गुजरने वाला हर व्यक्ति यहां अपना सिर झुकाता है और बाबा से सुख-समृद्धि मांगता है। इस मंदिर में खास कर उन दिनों ज्यादा भीड़ होती है जब छात्र-छात्राओं का रिजल्ट आता है। परीक्षा में पास करने से लेकर सरकारी नौकरी के लिए यहां लोग पूजा-पाठ करते हैं।

स्थानीय लोग बताते हैं कि यहां दूर-दूराज से भी लोग पहुंचते है। इसमें वैसे लोगों की संख्या अधिक होती है जिनकी नौकरी नहीं लगी होती है। नौकरी की मनोकामना, बच्चे की मन्नत लेकर लोग यहां आते हैं। उनकी मनोकामना पूरा होने पर दोबारा यहां बकरा की बलि और पूजा-पाठ करने पहुंचते हैं।

पूजा घर में पानी रखना क्यों है जरूरी क्या है कारण?

पूजा कक्ष में पानी क्यों रखते हैं? सभी घरों में पूजाघर होता है, जहां पर पूजन सामग्री के अलावा शंख, गरुढ़ घंटी, कौड़ी, चंदन बट्टी, तांबे का सिक्का, आचमन पात्री, गंगाजल और पानी का लोटा भी रखा जाता है। लोटा नहीं तो जल कलश रखते हैं। आखिर पूजा घर में यह पानी क्यों रखा जाता है। क्या है इसका कारण?

पवित्रता : प्रतिदिन पूजा के पूर्व हम जल से भगवान के विग्रह को स्नान कराने के बाद स्थान पर जल छिड़ककर उसे पवित्र करते हैं। इसीलिए जल की आवश्यकता हेतु एक लोटे में पानी रखा जाता है।

वरुण देव : जिस तरह गुरुड़देव की स्थापना गरुड़ घंटी के रूप में कि जाती है उसी प्रकार वरुण देव की स्थापना जल के रूप में की जाती है। ऐसा करने का कारण यह है कि जल की पूजा वरुण देव के रूप में होती है और वही दुनिया की रक्षा करते हैं।

तुलसी जल : पूजा घर में रखे जल में तुलसी के कुछ पत्ते डाल कर रखे जाते हैं जिसके चलते वह जल शुद्ध एवं पवित्र होने के साथ ही आचमन योग बन जाता है और इसी से जब हम पूजा स्थल को शुद्ध करते हैं तो देवी एवं देवता प्रसन्न होते हैं।

नैवद्य : नैवेद्य हम प्रतिदिन पूजा के बाद भगवान को प्रसाद अर्पण करते हैं जिसे नैवद्य कहते हैं। नैवद्य में मिठास या मधुरता होती है। आपके जीवन में मिठास और मधुरता होना जरूरी है। देवी और देवता को नैवद्य लगाते रहने से आपके जीवन में मधुरता, सौम्यता और सरलता बनी रहेगी। फल, मिठाई, मेवे और पंचामृत के साथ नैवेद्य चढ़ाया जाता है। नैवेद्य अर्पित करने के बाद भगवान को जल अर्पण करने के लिए ही पूजा घर में पानी रखा जाता है।

जल की स्थापना : पूजा घर या उत्तर एवं ईशान कोण में जल की स्थापना करने से घर में सुख एवं समृद्धि बनी रहती है। इसलिए पूजा घर में जल की स्थापना की जाती है। पूजा के स्थान पर तांबे के बर्तन में जल रखते हैं तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार जल रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

आरती : जब हम आरती करते है उसके बाद आरती की थाली पर थोड़ा सा जल लागकर आरती को ठंडा किया जाता है। इसके बाद चारों दिशाओं में और सभी व्यक्तियों पर जल का छिड़काव किया जाता है। इसके बाद सभी को चरणामृत प्रदान करके प्रसाद देते हैं। इसलिए भी जल को पूजाघर में रखा जाता है।

'द केरल स्टोरी' के मेकर्स को झटका, रिलीज के पहले ही दिन केरल के कई जिलों में स्क्रीनिंग रद्द

अदा शर्मा स्टारर 'द केरल स्टोरी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है. फिल्म के रिलीज होने से पहले ही इसका जबरदस्त विरोध हो रहा है. फिल्म में प्रदर्शित की गई कहानी को फर्जी बताते हुए लोग इसका विरोध हैं. फिल्म जहां आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई. वहीं, केरल के कई जिलों में फिल्म की स्क्रीनिंग को रद्द कर दिया है.

कोच्चि के लुलु मॉल और सेंटर स्क्वायर मॉल के थिएटर मालिकों ने फिल्म का बहिष्कार करने का फैसला किया है. इसी तरह, कोल्लम, पठानमथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, कन्नूर और वायनाड जिलों के सिनेमाघरों ने भी फिल्म नहीं दिखाने का फैसला किया है.

रिलीज से ठीक पहले क्यों बदला फैसला

थिएटर वितरकों के साथ केरल में 50 स्क्रीनों पर फिल्म दिखाने के लिए एक समझौते पर पहुंचे थे, लेकिन कई रिलीज से ठीक पहले पीछे हट गए.

क्यों हो रहा है फिल्म का विरोध

इस बीच, एर्नाकुलम जिले में केवल तीन थिएटर है , जो इस फिल्म को प्रदर्शित कर रहे हैं. फिल्म 'द केरल स्टोरी' में केरल की 32000 महिलाओं के जबरन धर्मांतरण कराने की कहानी दिखाई गई है. फिल्म में प्रदर्शित की गई इस कहानी को फर्जी बताते हुए लोग इसका विरोध कर रहे हैं. सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित, फिल्म पर विभिन्न नेताओं की प्रतिक्रिया के साथ एक बड़े राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है.

सेंसर बोर्ड ने दिया A सर्टिफिकेट

बीते दिनों इस फिल्म को सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने A सर्टिफिकेट जारी किया है. बोर्ड ने इस फिल्म से कथित तौर पर 10 सीन को हटा दिया है.

'द केरल स्टोरी' को लेकर बड़ी बातें

फिल्म 'द केरल स्टोरी' के भारत के दक्षिणी राज्य केरल की 32 हजार महिलाओं की कहानी है. फिल्म में दावा किया गया है कि इन महिलाओं को जबरन इस्लाम धर्म में शामिल किया गया और उन्हें सीरिया भेजा गया. फिल्म अपने ट्रेलर के रिलीज के बाद से ही विवादों में आ गया और लोगों ने इसकी रिलीज रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करनी शुरू कर दी. याचिका में 'सबसे खराब तरह के अभद्र भाषा' और 'ऑडियो-विजुअल प्रचार' के आधार पर इसकी रिलीज पर रोक लगाने की मांग की गई.

2 मई को सुप्रीम कोर्ट ने 'द केरल स्टोरी' के खिलाफ दायर की याचिकाओं पर सुनवाई से साफ इंकार कर दिया. इस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिली है. इसलिए सुप्रीम कोर्ट इस मामले मों हस्तक्षेप नहीं करेगा. फिल्म को लेकर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भी आपत्ति जाहिर की. उन्होंने फिल्म की कहानी को संघ परिवार की झूठ की फैक्ट्री का उत्पाद बताया. फिल्म के निर्देशक सुदिप्तो सेन और निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने फिल्म की कहानी के सच्ची घटनाओं पर आधारित होने का दावा किया है।

साउथ के इस सुपरस्टार के पास नहीं है अपना एक मोबाइल, सोशल मीडिया से भी है कोसों दूर

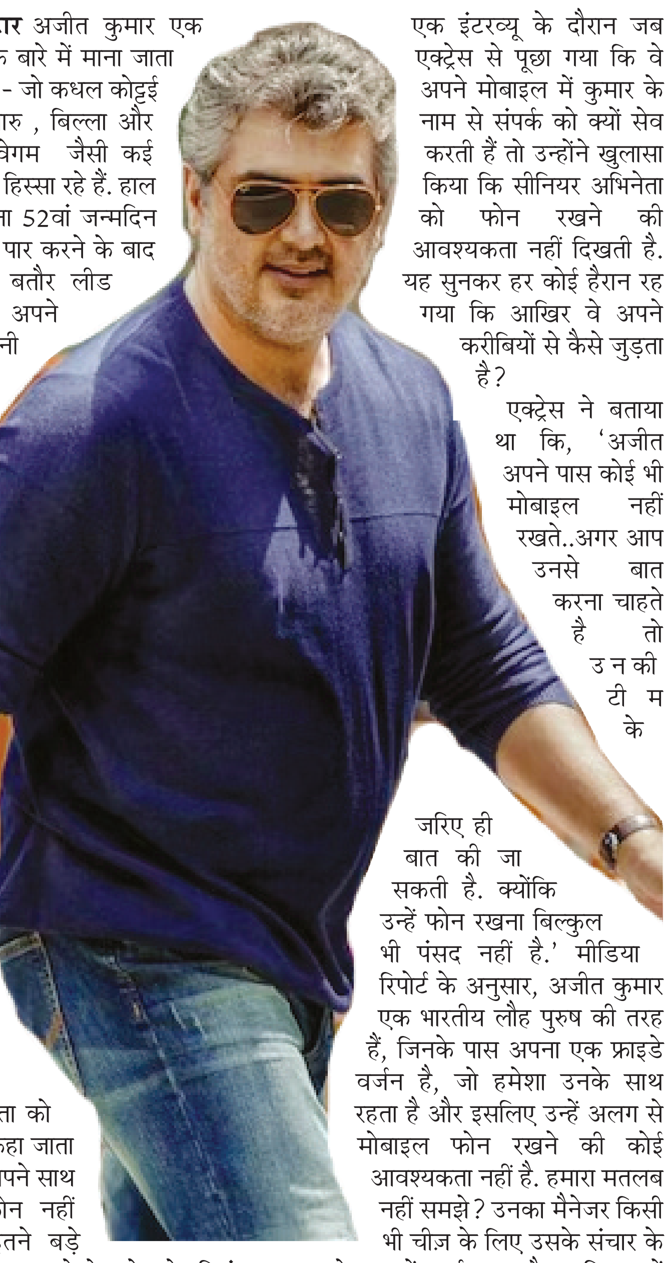

तमिल सुपरस्टार अजीत कुमार एक ऐसा नाम है जिसके बारे में माना जाता है. वरिष्ठ अभिनेता - जो कधल कोट्टई , सिटीजन , वरलारु , बिल्ला और बिल्ला II , विवेगम जैसी कई शानदार फिल्मों का हिस्सा रहे हैं. हाल ही में उन्होंने अपना 52वां जन्मदिन मनाया है और 50 पार करने के बाद भी वे फिल्मों में बतौर लीड दिखते हैं. अजीत अपने अंदर न जाने कितनी की खूबियां रखते हैं लेकिन लोग उन्हें अभिनय से ज्यादा जानते हैं.

अभिनेता को लेकर कहा जाता है कि वे अपने साथ कभी मोबाइल फोन नहीं रखते. जी हां, इतने बड़े सुपरस्टार होने के बावजूद वे सेलफोन से दूरियां बनाए रखते हैं.

एक रिपोर्ट के मुताबिक, भले ही कुमार को एक फिल्म पूरी होने के बाद नए सिम कार्ड मिलते हैं लेकिन वे सेलुलर डिवाइस से दूर रहना पसंद करते हैं. अब आपके मन में एक सवाल जरूर आ रहा होगा कि जब वे फोन नहीं रखते तो आखिर अपने सहकर्मियों और प्रशंसकों के साथ बातचीत कैसे करते हैं तो इसका जवाब भी यहां हम आपको देते हैं।

इस साल की शुरुआत में मीडिया से बातचीत के दौरान, अजित कुमार की येनै अरिंदाल फिल्म की को-स्टार तृषा कृष्णन जो इन दिनों पोन्नियिन सेलवन को लेकर चर्चा में हैं. उन्होंने दिग्गज अभिनेता के बारे में कुछ बातें बताईं थी।

एक इंटरव्यू के दौरान जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि वे अपने मोबाइल में कुमार के नाम से संपर्क को क्यों सेव करती हैं तो उन्होंने खुलासा किया कि सीनियर अभिनेता को फोन रखने की आवश्यकता नहीं दिखती है. यह सुनकर हर कोई हैरान रह गया कि आखिर वे अपने करीबियों से कैसे जुड़ता है?

एक्ट्रेस ने बताया था कि, 'अजीत अपने पास कोई भी मोबाइल नहीं रखते..अगर आप उनसे बात करना चाहते है तो उ न की टी म के जरिए ही बात की जा सकती है. क्योंकि उन्हें फोन रखना बिल्कुल भी पंसद नहीं है.' मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अजीत कुमार एक भारतीय लौह पुरुष की तरह हैं, जिनके पास अपना एक फ्राइडे वर्जन है, जो हमेशा उनके साथ रहता है और इसलिए उन्हें अलग से मोबाइल फोन रखने की कोई आवश्यकता नहीं है. हमारा मतलब नहीं समझे? उनका मैनेजर किसी भी चीज़ के लिए उसके संचार के माध्यम के रूप में कार्य करता है, इसलिए उन्हें फोन की कभी आवश्यकता नहीं पड़ती।

वैसे जानकारी के लिए आपको बता दें कि अजीत कुमार का अपना कोई इंस्टाग्राम या ट्विटर पर भी कोई पेज नहीं है. उनके काम से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएं उनके प्रवक्ता, सुरेश चंद्रा के ट्विटर अकाउंट के माध्यम से की जाती हैं और कुमार द्वारा पास की जाती हैं. अजित कुमार के डिजिटल युग में सेलुलर तकनीक से दूर रहने के बारे में एक और खबर यह है कि अभिनेता को अपनी हर फिल्म के लिए एक नया सिम कार्ड मिलता है. ऐसा इसलिए क्योंकि वे जब भी नई प्रोजेक्ट के साथ जुड़ते तो अलग-अलग टीमों के अनावश्यक फोन कॉल से परेशान नहीं होना चाहते.

मुझे इंडस्ट्री ने बायकॉट कर दिया : विवेक अग्निहोत्री

फिल्म मेकर विवेक अग्निहोत्री ने एक बार फिर बॉलीवुड फिल्मों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मिडिल क्लास लोग इन फिल्मों से जुड़ाव नहीं महसूस कर पाते इसलिए आज की फिल्में बुरी तरह फेल हो रही हैं। विवेक का कहना है उन्हें फिल्म इंडस्ट्री वालों ने बायकॉट कर दिया है, क्योंकि वो इंडस्ट्री के काम करने के तरीकों पर सवाल उठाते हैं।

विवेक ने कहा कि आज उनके और कंगना रनोट के अलावा कोई भी फिल्म इंडस्ट्री की कमियों के बारे में बात नहीं करता। विवेक ने कहा कि करण जौहर की स्टूडेंट ऑफ द ईयर जैसी फिल्मों से देश के युवा जुड़ाव नहीं महसूस कर पाते, क्योंकि रियल लाइफ में ऐसा कुछ होता ही नहीं है।

विवेक अग्निहोत्री हाल ही में सुधीर मिश्रा के साथ एक पॉडकास्ट में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा, 'मैं मिडिल फैमिली में अपनी आत्मा पाता हूं। आज जब मैं औरतों से बात करता हूं तो वे कहती हैं कि फिल्मों में ओवर एक्सपोजर और वल्गैरिटी ज्यादा बढ़ गई है, उन्हें ऐसे कंटेंट और फिल्मों से दिक्कत है। वे ऐसी फिल्मों से इरिटेट हो गए हैं।'

पॉडकास्ट होस्ट कर रहे सुधीर मिश्रा ने कहा कि लोग आजकल आलसी हो गए हैं, इसलिए वे फिल्में देखने थिएटर्स में नहीं जा रहे हैं।

सिर्फ मैं और कंगना इंडस्ट्री के खिलाफ आवाज उठाते हैं- विवेक

विवेक ने आगे कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री एक संस्था है, यहां की कमियों को लेकर हमें सवाल उठाने का पूरा अधिकार है। बुद्धिजीवियों और उदारवादियों को तो बिल्कुल आवाज उठानी चाहिए। जो लोग स्टेट (सरकार) पर सवाल उठा रहे हैं उन्हें सबसे पहले फिल्म इंडस्ट्री की खामियों पर बात करनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि वो रोजी-रोटी यही से कमा रहे हैं। मेरे और कंगना के अलावा कौन ऐसा है जिसने इंडस्ट्री पर सवालियां निशान उठाया है। अगर मैं इस पर सवाल उठाता हूं तो मुझे अलग-थलग क्यों किया जाता है?'

विवेक ने कहा आज ऐसी फिल्में बन ही नहीं रही हैं, जिससे लोग जुड़ाव महसूस कर सकें। उन्होंने कहा, 'आप स्टूडेंट ऑफ द ईयर देखिए। इस फिल्म में जो यंग जेनरेशन दिखाई गई है, क्या असलियत में ऐसा है। देश की सड़कों पर क्या ऐसे युवा आपको दिखाई देते हैं? ऐसा युवा आपको सिर्फ फिल्मों में दिखाई देंगे।' जब मैंने फिल्म दीवार देखी थी तो मैं इससे तुरंत रिलेट हो गया था। मैंने फिल्म में अमिताभ बच्चन को देखा तो लगा कि हां, ये कैरेक्टर जो प्रॉब्लम फेस कर रहा है, शायद रियल लाइफ में मैं भी फील कर रहा हूं। आज फिल्मों और रियल लाइफ में कोई संबंध नहीं रह गया है।'

द कश्मीर फाइल्स बनाकर विवादों में रहे विवेक

विवेक अग्निहोत्री अपनी फिल्म द कश्मीर फाइल्स की वजह से विवादों में रहे हैं। उनके ऊपर कट्टरपंथियों ने फतवा तक जारी कर दिया था। 11 मार्च 2022 को रिलीज हुई ये फिल्म 1990 में हुए कश्मीर में फैले आतंकवाद पर आधारित है। फिल्म में कश्मीरी हिंदुओं के पलायन और नरसंहार की दर्दनाक कहानी को दर्शाया गया है। अनुपम खेर, पल्लवी जोशी और मिथुन चक्रवर्ती जैसे स्टार्स ने इसमें लीड रोल निभाया है। कश्मीर फाइल्स ने अच्छा कारोबार किया था। इसने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की थी।

धूम में बिकिनी पहनने को लेकर श्योर नहीं थीं ईशा

मां हेमा मालिनी से लगता था डर; परमिशन लेने गईं तो छूट रहे थे पसीने

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी और एक्ट्रेस ईशा देओल ने 2004 की सुपरहिट फिल्म धूम में काम किया था। फिल्म के एक गाने में उनका बिकिनी सीन था। अब एक रिसेंट इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब फिल्म के डायरेक्टर आदित्य चोपड़ा ने उनसे बिकिनी पहनने को कहा तो वो श्योर नहीं थीं।

ईशा ने उस वक्त आदित्य से कहा कि उन्हें एक दिन का समय चाहिए क्योंकि वो इसके लिए अपनी मां से परमिशन लेना चाहती हैं। ईशा अपनी मां के पास जाने के पहले काफी डरी हुई थीं। उन्हें अंदाजा नहीं था कि उनकी मां का क्या रिएक्शन होने वाला है।

मां ने मुझे पहले भी स्वीमिंग शूट और बिकिनी में देखा था- ईशा

एक इंटरव्यू में ईशा ने बताया, 'आदित्य ने धूम मचाले सॉन्ग और सीन्स के बारे में मुझे समझाते हुए कहा कि इसमें मुझे बिकिनी पहननी पडे़गी। मैंने उनसे कहा कि आप मुझे एक दिन का वक्त दीजिए क्योंकि मुझे अपनी मां से इसके लिए इजाजत लेनी पड़ेगी। जब मैं मां के पास गई तो काफी डरी हुई थी। हालांकि उन्होंने मुझे हॉलीडे और स्वीमिंग के दौरान बिकिनी में देखा हुआ था। फिर भी मुझे काफी डर लग रहा था। मैंने उनसे पूछा तो उन्होंने कहा, हां पहनो, उसमें क्या है। तुम इसे अपने दोस्तों के साथ या बाहर हॉलीडे पर तो पहनती ही हो। लेकिन एक चीज ध्यान रखना कि ये अच्छी तरह शूट होना चाहिए।'

को-स्टार ने शादी के लिए किया था प्रपोज

मां से परमिशन मिलने के बाद ईशा आदित्य के पास गईं। आदित्य ने तब उनसे कहा कि मैं आपको 6 महीने का समय देता हूं तब तक पूरी तरह से अपने आप को तैयार कर लो। खैर ईशा ने फिल्म के गाने में काम किया। फिल्म के रिलीज होने के बाद वो काफी पॉपुलर हो गईं। फिल्म में उनके ग्लैमरस अवतार को काफी पसंद किया गया था। ईशा ने इस इंटरव्यू में ये भी बताया कि एक बार उनके किसी को-स्टार ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज कर दिया था। ईशा ने कहा- 'मैं उस आदमी का नाम नहीं ले सकती। वो काफी स्वीट लड़का है। उसने मुझे प्रपोज करते हुए कहा कि मुझसे शादी कर लो, ये एक्टिंग वगैरह छोड़ो। ईशा ने कहा कि जब उन्होंने घर आकर इस घटना के बारे में मां को बताया तो उन्होंने 'सो स्वीट' कहते हुए जवाब दिया। ईशा ने कहा कि वो अब उसे शख्स के संपर्क में नहीं हैं, क्योंकि उसे लगता है कि मैंने उसका दिल तोड़ दिया था। वो मुझसे दोस्ती भी नहीं रखना चाहता था।

ब्लॉकबस्टर थी धूम, स्टारकास्ट से ज्यादा पैसा बाइक्स पर खर्च किए गए थे

आदित्य चोपड़ा ने यशराज फिल्म्स पर बनी डॉक्यूमेंट्री रोमांटिक्स के एक एपिसोड में कहा था कि धूम में उन्होंने स्टारकास्ट से ज्यादा पैसे फिल्म में दिखाए बाइक्स पर खर्च किए थे।

आदित्य ने सीरीज के एक एपिसोड में धूम के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने फिल्म से ड्रामा, इमोशन्स और रोमांस को हटाकर बाइक्स के सीन्स जोड़ने का फैसला किया। आदित्य ने कहा कि कि धूम के लीड एक्टर अभिषेक बच्चन, जॉन अब्राहम और खुद उनके छोटे भाई उदय चोपड़ा से ज्यादा पैसा प्रोडक्शन हाउस ने बाइक्स पर खर्च कर दिए थे। पहले वो फिल्म में कार का सीक्वेंस डालना चाहते थे लेकिन डायरेक्टर ने कहा कि कार में हीरो का चेहरा क्लियर नहीं दिख पाएगा इसलिए बाद में बाइक्स को लिया गया।

सलमान खान पर किए कमेंट पर पलक ने दी सफाई

'मैंने गलती की है', सलमान खान के सेट पर 'नो डीप नेकलाइन रूल' का खुलासा कर अब पछता रही हैं पलक तिवारी

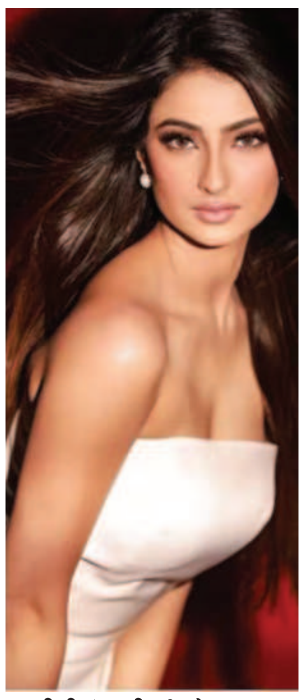

टीवी इंडस्ट्री की मोस्ट पॉपुलर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने हाल ही में 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है. फिल्म में पलक ने हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार सलमान खान और पूजा हेगड़े के साथ स्क्रीन शेयर की थी. वहीं 'किसी का भाई किसी की जान' के प्रमोशन के दौरान ये स्टार किड तब सुर्खियों में आ गई थी जब उन्होंने फिल्म के सेट पर लड़कियों के 'लो नेकलाइन' पहनने के खिलाफ सलमान के रूल का खुलासा किया था.

पलक के इस बयान ने इंटरनेट पर तूफान ला दिया था. वहीं सलमान ने भी हाल ही में एक इंटरव्यू में इस पर रिएक्शन दिया था. दरअसल सुपरस्टार को सोशल मीडिया पर बैकलैश का सामना करना पड़ा था. इन सबके बीच हाल ही में पलक ने कबूल किया कि उन्होंने गलती की और कहा कि यह एक 'लर्निंग एक्सपीरियंस' था।

सलमान का अपनी महिला को-एक्ट्रेस को सेट पर कवर करने का पलक का बयान काफी वायरल हुआ था इसके बाद नेटिज़न्स ने सलमान को ट्रोल किया था. वहीं हाल ही में एक न्यूज चैनल के 'आप की अदालत' शो में जब सलमान से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने पलक की बात से सहमति जताई और इसके पीछे की वजह बताई थी. हालांकि, टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए पलक ने अपने कमेंट को क्लियर किया और कहा कि उसने इसे 'लर्निंग एक्सपीरियंस' के तौर पर लिया है.

सलमान पर कमेंट को पलक ने बताया 'लर्निंग एक्सीपरियंस'

पलक ने कहा, हम जो करते हैं यह उसका हिस्सा है. इसके अलावा मैं वास्तव में इससे हैरान नहीं हूं क्योंकि मैं जानती हूं कि सलमान सर बेहद समझदार इंसान हैं और वह मुझे जानते हैं. वह जानते हैं कि मैं कभी भी उनके बारे में कुछ भी गलत नहीं कहूंगी. मैं इसे एक लर्निंग एक्सपीरियंस के रूप में लेते हूं. यह सीखने का सबसे अच्छा तरीका है, गलती करना (चूंकि) मैं फिर कभी उस सिचुएशन में नहीं रहना चाहती. मुझे लगता है कि यह सीखने का सबसे अनुकूल तरीका है. मैंने गलती की है, मैं इससे सीखूंगी और यह कुछ ऐसा है जिसका मैं अब अपनी आगे की लाइफ में ध्यान रखूंगी।

सेट पर 'लो नेक लाइन' के खिलाफ रूल की सलमान ने बताई ये वजह

वहीं इससे पहले सलमान ने पलक के बयान पर सहमति जताते हुए वजह का खुलासा करते हुए कहा था, 'जब एक अच्छी फिल्म बनती है तो हर कोई उसे अपनी फैमिली के साथ देखता है. इसमें कोई डबल स्टैंडर्ड नहीं है. मुझे लगता है कि महिलाओं की बॉडी कीमती होती है. इसके बारे में महसूस करें. समस्या महिलाओं के साथ नहीं बल्कि पुरुषों के साथ है. जिस तरह से पुरुष महिलाओं, आपकी बहन, आपकी पत्नी, आपकी मां को घूरते हैं. मुझे यह पसंद नहीं है।

कैटरीना कैफ-विक्की कौशल कब बनेंगे मम्मी-पापा?

घर में कब गूंजेगी किलकारी? एक्ट्रेस ने बताई पूरी प्लानिंग

फैंस को बॉलीवुड सेलेब्स की प्रोफेशनल ही नहीं परक्सनल लाइफ में भी खूब दिलचस्पी होती है. इनकी जिंदगी में कौन है, ये क्या खाते हैं से लेकर कब पैरेंट्स बनने वाले हैं, जैसे कई सवाल फैंस के दिमाग में बने रहते हैं. फैंस इन सेलेब्स से जुड़ी हर बात जानना चाहते हैं. अपने फेवरेट सेलेब को लेकर फैंस की कुछ इच्छाएं भी होती हैं. ऐसी ही एक इच्छा कैटरीना कैफ और विक्की कौशल के फैंस की भी है. कपल के फैन जल्दी ही उन्हें पैरेंट्स बनते देखना चाहते हैं. अक्सर कैटरीना के प्रेग्नेंट होने के कयास लगाए जाते हैं. फैंस ये जानना चाहते हैं कि आखिर कैटरीना कब खुशखबरी देने वाली हैं.

कैटरीना के फैंस के लिए एक खुशखबरी है. क्योंकि, अभिनेत्री को लेकर आजकल सबसे ज्यादा पूछे जाने वाले सवाल का जवाब सामने आ गया है. बीते कुछ समय में कई सेलेब्स ने अपने रिलेशनशिप ऑफिशियल किए और कुछ ने शादी कर ली और तो आलिया-रणबीर सहित कुछ पैरेंट्स भी बन गए. कैटरीना-विक्की भी इन्हीं में से एक थे. दोनों ने जब से शादी की है. दोनों ने 2021 में शादी की थी और तब से लेकर अब तक इनके फैंस को गुड न्यूज का इंतजार है.

कैटरीना कैफ ने खुद अपनी फैमिली प्लानिंग का खुलासा कर दिया है. जी हां, कैटरीना ने खुद बेबी प्लानिंग पर रिएक्ट किया है. एक रिपोर्ट के अनुसार, कैटरीना कैफ ने अपने दोस्तों से बच्चे को लेकर बात करते हुए कहा- 'मैं बेबी तभी प्लान करूंगी, जब मैं विजय सेतुपति और फरहान अख्तर की फिल्म की शूटिंग पूरी कर लूंगी.' यानी एक बात साफ है कि कैटरीना जल्दी ही अपने फैंस को खुशखबरी दे सकती हैं. कैटरीना ने विजय सेतुपति और फरहान अख्तर के साथ जिस फिल्म का जिक्र किया है, चलिए आपको उसके बारे में भी बता देते हैं. कैटरीना जो विजय सेतुपति के साथ जो फिल्म कर रही हैं, उसका नाम 'मैरी क्रिसमस' है, जिसे श्रीराम राघवन निर्देशित कर रहे हैं. वहीं फरहान अख्तर के साथ वह 'जी ले जरा' में काम कर रही हैं, जिसमें उनके साथ आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा भी नजर आएंगी. इसके अलावा उनके खाते में सलमान खान संग टाइगर 3 भी है, जिसकी हर तरफ चर्चा है।

दमरे ने 1,017 किलोमीटर का रिकॉर्ड विद्युतीकरण किया

दक्षिण मध्य रेलवे मना रहा है विद्युत सुरक्षा सप्ताह

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जोन की स्थापना के बाद से 2022-23 के दौरान किया गया विद्युतीकरण अब तक की सबसे अच्छी उपलब्धि है। ज़ोन 3 से 9 मई 2023 के दौरान विद्युत सुरक्षा सप्ताह मना रहा है। दक्षिण मध्य रेलवे विद्युत सुरक्षा पहलुओं को बढ़ावा देने और विद्युत ऊर्जा की बचत के लिए 03 से 09 मई, 2023 तक विद्युत सुरक्षा सप्ताह मना रहा है। संरक्षा सप्ताह के दौरान संभाग स्तर सहित अन्य विभिन्न प्रतिष्ठानों में विद्युत सुरक्षा पर गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। विद्युत नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विद्युत पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कक्षाएं भी चलाई जा रही हैं। फायर ऑडिट का निरीक्षण, आग का पता लगाने और अग्निशमन उपकरणों की कार्यप्रणाली की जाएगी। विद्युत सुरक्षा पर जागरूकता लाने के लिए पोस्टर और बैनर भी प्रदर्शित किए जाते है। दक्षिण मध्य रेलवे ने 2022-23 के दौरान अपने नेटवर्क के विद्युतीकरण में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया है। ज़ोन ने वित्त वर्ष 2022-23 में 1,017 रूट किलोमीटर (आरकेएम) रेलवे विद्युतीकरण कार्य पूरा किया है, जो ज़ोन के इतिहास में एक सर्वकालिक रिकॉर्ड है। यह उपलब्धि 2022-23 के दौरान भारतीय रेल के किसी भी जोन द्वारा किया गया विद्युतीकरण का दूसरा सबसे बड़ा आरकेएम भी है। भारतीय रेलवे ने अपने नेटवर्क के विद्युतीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। 1017 आरकेएम के कुल विद्युतीकरण में से, 286.4 किलोमीटर तेलंगाना के अंतर्गत आते हैं, 133.7 आरकेएम आंध्र प्रदेश के अंतर्गत आते हैं, 546 आरकेएम महाराष्ट्र के अंतर्गत आते हैं और 50.8 आरकेएम एससीआर के कर्नाटक क्षेत्राधिकार से संबंधित हैं। 2022-23 के दौरान जोन पर पूर्ण किए गए विद्युतीकरण में दमरे के तेलंगाना क्षेत्र से संबंधित 286.4 आर किलोमीटर में भवनापलेम - सत्तुपल्ली, मनोहराबाद-निजामाबाद, महबूबनगर-आलमपुर रोड, कोसाई-अंबारी,जानकमपेट-बासर खंड शामिल है।

दक्षिण मध्य रेलवे के आंध्र प्रदेश क्षेत्र से संबंधित 133.7 आरकेएम में धर्मावरम-कादिरी, अरावली-निदादावोलु, न्यू पिदुगुराल्ला-सवाल्यपुरम, आलमपुर-कुर्नूल शहर, गूटी बाईपास केबिन शामिल है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाराष्ट्र क्षेत्र से संबंधित 546 आरकेएम में वाशिम-पूर्णा, कमलनगर-परली, अम्बरी-मुदखेड़, रोटेगांव-दिनेगांव, परली-परभणी, खानापुर-कमलनगर के बीच एससीआर के कर्नाटक क्षेत्र से संबंधित 50.8 आरकेएम आजि शामिल है। इतने बड़े पैमाने पर रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण से सिकंदराबाद / हैदराबाद से बेंगलुरु के साथ-साथ चेन्नई के बीच निरंतर विद्युतीकृत रेल संपर्क की उपलब्धता भी हुई है, तेलंगाना में भद्राचलम-सत्तुपल्ली, आंध्र प्रदेश में धर्मवरम-पकाला और औरंगाबाद जैसे खंडों में पहली विद्युतीकृत ट्रेन का संचालन दूसरों के बीच महाराष्ट्र में दीनागांव के लिए रेल लाइनों का विद्युतीकरण कर्षण शक्ति में बदलाव से बचने और कोचिंग और मालगाड़ियों दोनों के रास्ते में अवरोधन को कम करके ट्रेनों की निर्बाध आवाजाही प्रदान करने में मदद करता है। यह ट्रेनों की औसत गति में सुधार करने में मदद करता है और इसलिए अनुभागीय क्षमता में वृद्धि के कारण इन खंडों में अधिक ट्रेनें शुरू की जा सकती हैं। यह एक ही समय में ईंधन की लागत को बचाने के साथ-साथ शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली ट्रेनों को चलाने का एक पर्यावरण-अनुकूल साधन भी प्रदान करता है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने विद्युतीकरण कार्यों को निष्पादित करने में उत्कृष्ट टीम वर्क और समर्पण के लिए जोन के कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई दी। महाप्रबंधक ने कहा कि जिस गति से विद्युतीकरण के कार्य किए गए हैं, उससे न केवल रिकॉर्ड विद्युतीकरण प्राप्त करने में मदद मिली है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि एससीआर नेटवर्क का बड़ा हिस्सा अब विद्युतीकृत हो गया है और जोन अपने अधिकार क्षेत्र में मौजूदा ब्रॉड गेज लाइनों के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से प्रगति कर रहा है।

फिंगरप्रिंट और सुराग टीम के साथ सीपी ने की समीक्षा

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सीपी ने आज फ़िंगरप्रिंट यूनिट और सुराग टीम के कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस समीक्षा बैठक में सीपी के साथ साइबराबाद के डीसीपी क्राइम कलमेश्वर सिंगेनवार, एफएसएल और हैदराबाद सुराग टीम एचओडी वेंकन्ना के सहायक निदेशक और कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में सीपी ने कहा कि मौजूदा माधापुर, शमशाबाद और बालानगर जोन के अलावा नवगठित कानून व्यवस्था राजेंद्रनगर और मेडचल जोन में भी फिंगरप्रिंट और क्लू टीम गठित की गई है. जोनवार फिंगरप्रिंट यूनिट व संभागवार सुराग टीमें गठित की गई हैं। एक सेवानिवृत्त फोरेंसिक विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में जल्द ही एक केंद्रीकृत क्लू टीम हेड ऑफिस की स्थापना की जाएगी। अपराध स्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य के संग्रह की गुणवत्ता में सुधार के लिए सुराग और फिंगरप्रिंट इकाइयों को मजबूत किया गया है।

वैज्ञानिक जांच में सहायता के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य को सुरक्षित और एकत्र करने के लिए, वे अभियुक्तों को सजा सुनिश्चित करने के लिए अपराध स्थल पर जल्दी पहुंचना चाहते हैं। एफएसएल और हैदराबाद सुराग टीम एचओडी वेंकन्ना के सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में, कर्मचारियों को उनके प्रदर्शन में कार्य निगरानी, गुणवत्ता सुनिश्चित करने, उत्तरदायित्व के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि क्राइम सीन एविडेंस कलेक्ट करने के लिए नए तकनीकी तरीके अपनाए जाने चाहिए। इससे जटिल मामलों की जांच में तेजी आएगी। इस मौके पर सीपी ने मामलों को निपटाने में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत किया। बैठक में साइबराबाद डीसीपी क्राइम कलमेश्वर सिंगेनवार, एफएसएल और हैदराबाद सुराग टीम एचओडी वेंकन्ना के सहायक निदेशक, सभी डिवीजनों के एसीपी, फिंगरप्रिंट यूनिट और सुराग टीम के कर्मचारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

कर्नाटक में सत्ता में आने के बाद बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के लिए कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र का विरोध करते हुए नगर में प्रदर्शन करते हुए जामबाग के भाजपा पार्षद राकेश जायसवाल, अमर सिंह, मयूर कालेकर, अनिल यादव, रेणुका, कल्पना, रंजीता व अन्य।

जन शिकायतों का त्वरित निवारण किया जाए : डीएस चौहान

सीपी राचकोंडा ने नागरिकों से समस्याओं की जानकारी ली

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के पहाड़शरीफ थाने में शिकायत दर्ज कराने आए लोगों से राचकोंडा कमिश्नर डीएस चौहान ने बात की और उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने वहां थाने में कार्यरत कर्मचारियों का काम देखा। बाद में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि पुलिस को दीवानी विवादों में शामिल नहीं होना चाहिए। दीवानी विवादों से संबंधित किसी भी चीज को अदालत में देखा जाना चाहिए। शिकायतकर्ता से विनम्रता से बात करें। अधिकारियों को बुजुर्ग महिलाओं की समस्याओं का जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरे राज्यों से पलायन कर स्थानीय उपनगरों में रहते हैं और अवैध गतिविधियां करते हैं। उनके खिलाफ निगरानी स्थापित की जा रही है। राचकोंडा सीपी चौहान ने कहा कि अब से महीने में एक बार वे पहाड़ीशरीफ थाना, नेरेडमेट थाना, भुवनगिरी थाना आदि जगहों पर जनता के लिए उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि वह खुद आकर लोगों से बात करेंगे और समस्याओं का पता लगाएंगे। लगातार सतर्कता बरतने से चेन स्नेचिंग में कमी आई है। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम को लेकर सतर्क रहें। बाद में महेश्वरम जोन के अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की गई।

अगले महीने होगा तेलंगाना शहीद स्मारक का उद्घाटन : मंत्री

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने सूचित किया है कि अगले महीने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा तेलंगाना शहीद स्मारक का उद्घाटन किया जाएगा। मंत्री प्रशांत रेड्डी ने शुक्रवार को यहां हुसैन सागर झील के किनारे स्थित तेलंगाना शहीद स्मारक स्थल का दौरा किया और चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया और मुख्य द्वार क्षेत्र, परिदृश्य, पार्किंग, तेलंगाना तल्ली प्रतिमा की स्थापना, ग्रेनाइट फर्श, फोटो गैलरी, ऑडियो, विजुअल रूम, फव्वारा क्षेत्र, एस्केलेटर, सम्मेलन केंद्र और रेस्तरां सहित कार्यों की प्रगति के बारे में पूछताछ की। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देश के अनुसार, मंत्री ने निर्माण एजेंसी को कुछ सुझाव दिए और निर्धारित अवधि में काम पूरा करने को कहा। प्रशांत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार इस प्रतिष्ठित परियोजना को अलग राज्य के आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि के रूप में ले रही है, जिसकी परिणति आज के तेलंगाना में हुई। यह कहते हुए कि 'दीया के आकार' की संरचना को दुनिया की सबसे बड़ी 'सीमलेस स्टेनलेस स्टील संरचना' माना जाता है, मंत्री ने आशा व्यक्त की कि शहीद स्मारक आने वाले दिनों में एक प्रमुख पर्यटन स्थल में बदल जाएगा।

चक्रवात मोचा के 7 से 9 मई के बीच पूर्वी तट से टकराने की उम्मीद

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (आईएमडी) ने कहा कि दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और आसपास के क्षेत्र में चक्रवात मोचा 7 से 9 मई के बीच पूर्वी तट से टकरा सकता है। पूर्वी तट क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होगी। चक्रवात मोचा तूफान के मद्देनजर, मौसम अधिकारी ने मछुआरों को 7 मई से अगली आधिकारिक घोषणा तक बंगाल की दक्षिण पूर्व खाड़ी और आसपास के क्षेत्रों में नहीं जाने का सुझाव दिया है।

आईएमडी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि चक्रवाती परिसंचरण 6 मई के आसपास बंगाल की दक्षिण-पूर्व खाड़ी के ऊपर विकसित होने की संभावना है। इसके प्रभाव में, एमी 7 के आसपास उसी क्षेत्र में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके केंद्रित होने की संभावना है। 8 मई के आसपास बंगाल की दक्षिणी खाड़ी के ऊपर एक दबाव बन गया है। इसके बाद, यह बंगाल की मध्य खाड़ी की ओर लगभग उत्तर की ओर बढ़ते हुए एक चक्रवाती तूफान के रूप में तीव्र होने की संभावना है। आईएमडी ने 8 मई से 11 मई तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन, अपतटीय गतिविधियों और शिपिंग को प्रतिबंधित करने के आदेश भी जारी किए। दूसरी ओर, ओडिशा सरकार ने तटीय जिलों को हाई अलर्ट दिया है।

विवेकानंद हत्याकांड : मुख्य आरोपी ने सीबीआई कोर्ट में किया सरेंडर

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री वाई.एस. विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी येर्रा गंगी रेड्डी ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के निर्देश पर शुक्रवार को सीबीआई अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। सीबीआई कोर्ट ने उन्हें 2 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्हें चंचलगुडा सेंट्रल जेल शिफ्ट किया जाएगा।उच्च न्यायालय ने 28 अप्रैल को गंगी रेड्डी की जमानत रद्द कर दी थी और उन्हें 5 मई तक केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि चूंकि सीबीआई 30 जून को सुनवाई पूरी करने वाली है, इसलिए गंगी रेड्डी को 1.50 लाख रुपये के निजी मुचलके पर 1 जुलाई को जमानत दी जा सकती है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सनसनीखेज मामले की जांच पूरी करने की समय सीमा 30 जून तक बढ़ा दी थी। सीबीआई ने इस आधार पर जमानत रद्द करने की मांग की कि गंगी रेड्डी मुख्य आरोपी हैं और मामले के प्रमुख गवाहों को प्रभावित कर रहे हैं। सीबीआई के वकील ने तर्क दिया कि गंगी रेड्डी को राजनीतिक समर्थन प्राप्त है और वह अपने कनेक्शन के जरिए गवाहों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। आंध्र प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी), जो तब हत्या के मामले की जांच कर रही थी, ने 28 मार्च, 2019 को गंगी रेड्डी को गिरफ्तार किया। रेड्डी को 28 जून, 2019 को पुलिवेंदुला की एक स्थानीय अदालत ने डिफॉल्ट जमानत दे दी थी क्योंकि एसआईटी निर्दिष्ट अवधि में चार्जशीट दाखिल करने में विफल रही थी। सीबीआई ने जांच अपने हाथ में लेने और चार्जशीट दायर करने के बाद, उसकी जमानत रद्द करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने सीबीआई की याचिका खारिज की थी। बाद में आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने भी निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा था।

इसके बाद सीबीआई ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल नवंबर में हत्या के मामले की सुनवाई आंध्र प्रदेश से हैदराबाद की सीबीआई अदालत में स्थानांतरित कर दी थी। इसके चलते, शीर्ष अदालत ने सीबीआई को गंगी रेड्डी की जमानत रद्द करने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा। विवेकानंद रेड्डी की चुनाव से कुछ हफ्ते पहले 15 मार्च, 2019 को कडप्पा जिले के पुलिवेंदुला स्थित उनके आवास पर हत्या कर दी गई थी। राज्य के 68 वर्षीय पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद अपने घर पर अकेले थे, तभी अज्ञात लोगों ने उनके घर में घुसकर हत्या कर दी।

लोध क्षत्रिय युवा संगठन ने सीएम को दी बधाई, किया दुग्धाभिषेक

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अपर धूलपेट से लोध क्षत्रिय युवा संगठन ने मुख्यमंत्री केसीआर को दुग्धाभिषेक किया। संगठन के अध्यक्ष बालदीप सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि सीएम केसीआर ने हैदराबाद के लोध समाज को स्वाभिमान भवन के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये की भूमि मूल्य के लिए आधा एकड़ जमीन आवंटित की और भूमि के विकास कार्य के लिए 1 करोड़ की राशि मंजूर की। उन्होंने बताया कि सीएम सिर्फ एक समाज को नहीं, बल्कि नगरद्वय में रहने वाले सभी धर्म व जाति तथा समाज को उनके स्वाभिमान को ऊंचा करने के लिए भूमि दान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि समाज की ओर से सीएम को पूरा समर्थन रहेगा।

इस अवसर पर महासचिव तुलजाराम सिंह, अर्जुन सिंह, नरसिंह सिंह, कमलेश सिंह, सुभाष सिंह, धर्मेश सिंह, विकास सिंह, विक्रम सिंह, नवीन सिंह, अमन सिंह, शैलेंद्र सिंह, दुर्गा सिंह, दुर्गेश सिंह, अमन सिंह, नरसिंह सिंह, विष्णु सिंह प्रकाश सिंह, अर्जुन सिंह, विनोद सिंह, साहिल सिंह, पारस सिंह, विक्रम सिंह, किशन सिंह, बुदन सिंह सहित अन्य सभी ने भाग लिया।

किश्तवाड़ हेलिकॉप्टर दुर्घटना में सिरसिल्ला के जवान की भी मौत

राजन्ना-सिरिसिल्ला, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में गुरुवार को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए भारतीय सेना के जवानों में से एक सिरसिल्ला जिले का रहने वाला है। जवान अनिल (39) जिले के मलकापुर गांव का रहने वाला है और एक पखवाड़े पहले ही अपने परिजनों से मिलने आया था। एक बयान में, आईटी और नगरपालिका प्रशासन मंत्री केटी रामा राव ने सेना के जवान पब्बला अनिल की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया।

बोईनपल्ली मंडल के मलकापुर के रहने वाले अनिल (39) की गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्वी किश्तवाड़ जिले की पहाड़ियों में एक कठिन लैंडिंग के बाद सेना के एचएएल ध्रुव हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से मौत हो गई थी। रामा राव ने अनिल के निधन पर शोक व्यक्त किया और उनके परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की। एक दुर्घटना में जवान जवान को खोना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार मृतक जवान के परिवार के सदस्यों का समर्थन करेगी। साल 2011 में भारतीय सेना में शामिल हुए अनिल टेक्निकल विंग में कार्यरत थे। वह हाल ही में कुछ समारोहों में शामिल होने के साथ-साथ अपने बेटे के जन्मदिन के लिए अपने पैतृक गांव आया था, 15 दिन पहले लौटा था। मलकापुर में अनिल के घर पर मातम छा गया क्योंकि जवान की मौत की जानकारी मिलने के बाद रिश्तेदारों और शुभचिंतकों का आना शुरू हो गया। चोपडांडी विधायक सुंके रविशंकर सुबह अनिल के घर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया।

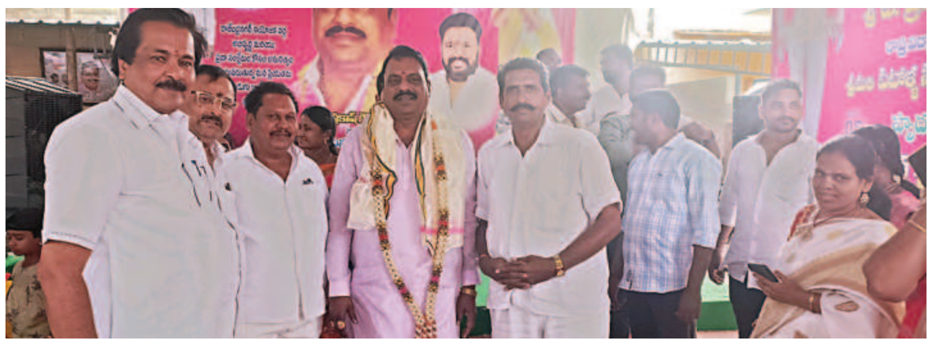

मलारदेवपली में राजेंद्रनगर के विधायक टी. प्रकाश गौड से मुलाकात कर रामदेवरा मंदिर को उनके विशेष सहयोग के लिए सम्मान करते हुए रामदेवरा मंदिर कमेटी के श्याम सुंदर गिलडा, धर्मचंद भंसाली, एस. वेंकटेश, धर्माराम ढाका व अन्य।

चैन स्नैचिंग करने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की गच्चीबोवली पुलिस ने चैन स्नैचिंग करने वाले दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक सोने की चेन, दो सेल फोन और एक बाइक बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में दिवाते प्रशांत और जनार्दन यादव शामिल है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित युवती टीसीएस, आदिबटला में आईटी कर्मचारी है और एपीएचबी कॉलोनी, गच्चीबोवली में छात्रावास में रहती है। बीते 24 अप्रैल को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद, वह गच्चीबावली बस स्टैंड तक ऑफिस की बस से गच्चीबावली पहुँची। वहाँ से वह अपने छात्रावास की ओर पैदल थी। जब वह टीसीएस सिनर्जी पार्क परिसर के पीछे के गेट के पास चल रही थी। उसी समय रात लगभग नौ बजे युवती के गले सोने की चेन छीनकर आरोपी फरार हो गए। के. शिल्पावल्ली, डीसीपी, माधापुर जोन, साइबराबाद ने बताया कि जांच के दौरान, यह पाया गया कि दो व्यक्ति अपराध में शामिल थे। वे दोपहिया वाहन अपाचे बाइक पर आए थे। कल रात साढ़े नौ बजे इंदिरानगर में वाहन चेकिंग के दौरान लाल रंग की अपाचे बाइक पर दो संदिग्ध व्यक्ति मिले, जो पुलिस को देख भागने का प्रयास कर रहे थे। उसी समय गच्चीबोवली पुलिस ने संदिग्धों को पकड़ लिया, और उन्होंने अपना अपराध कबूल कर लिया।

उत्तर भारती नागरिक संघ के अध्यक्ष एनके सिंह ने अपने परिवार सदस्यों के साथ तिरुपति तिरुमला देवस्थानम में भगवान बालाजी व माता पद्मावती जी के दर्शन किए। साथ में हैं श्रीमती मालती देवी, नंदकिशोर सिंह, दीपिका सिंह, अमरजीत सिंह, नेहा सिंह, ज्योति, सूर्यवंश, गायत्री, छवि, लक्षजीत, देवांशी व अन्य।

जवाहर नगर नगर निगम के दम्माईगुड़ा के वार्ड तेरह के पार्षद रमेश गौड़ के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महेन्द्र रेड्डी के साथ भाग लेते हुए साई कुमार, के. राजेश, आर. एन. सिंह, डी. नगरसिम्हा व अन्य।

7 मई को पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु पूर्व सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, महेश बैंक के चेयरमैन रमेश बंग, प्रवीणकुमार, विजयकुमार, राजेश नाहटा, रेवती माथुर आदि को निमंत्रित करते हुए जसमत पटेल, मोहनलाल जैन, तरूण महेता, अजय ओझा एवं अन्य।

पैसों के ऐसे लेन-देन पर सख्त हुआ रिजर्व बैंक, बैंकों को रखना होगा पूरा हिसाब

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने केवाईसी यानी ग्राहकों की सूचनाएं जमा करने को लेकर नया निर्देश जारी किया है। केंद्रीय बैंक ने फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ के प्रासंगिक सुझावों पर अमल करते हुए केवाईसी को लेकर ताजा निर्देश जारी किया है। इसमें बैंकों व वित्तीय संस्थानों को सख्ती से इसका पालन करने के लिए कहा गया है।

एफएटीएफ के प्रस्तावों पर हुआ अमल

रिजर्व बैंक ने यह निर्देश वायर ट्रांसफर को लेकर दिया है। आरबीआई ने बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से कहा है कि वे घरेलू हो चाहे सीमा पार का लेन-देन, वायर ट्रांसफर के सभी मामलों में पैसे भेजने वाले और उसे पाने वाले दोनों की पूरी सूचनाएं अपने पास रखें। इसे लेकर रिजर्व बैंक ने मास्टर डाइरेक्शन ऑन नो योर कस्टमर में निर्देशों को अपडेट किया है और एफएटीएफ के प्रासंगिक प्रस्तावों पर अमल किया है।पीटीआई की एक खबर के अनुसार, रिजर्व बैंक ने मास्टर डाइरेक्शन के अपडेटेड इंस्ट्रक्शन में कहा है, सभी क्रॉस-बॉर्डर वायर ट्रांसफर के मामले में ऑरिजिनेटर यानी पैसे भेजने वाले और बेनेफिशियरी यानी पैसे पाने वाले दोनों की पूरी व सही सूचनाएं रखी जानी चाहिए। वहीं अगर वायर ट्रांसफर घरेलू हो और पैसे भेजने वाला संबंधित संस्थान का खाताधारक हो, तो ऐसे मामले में भी पैसे भेजने वाले के साथ-साथ उसे पाने वाले की सारी सूचनाएं ली जानी चाहिए। आरबीआई ने अपडेटेड निर्देशों में कहा कि अगर घरेलू वायर ट्रांसफर का मामला 50 हजार रुपये या इससे ज्यादा का हो, और भेजने वाला संबंधित संस्थान या बैंक का खाताधारक नहीं हो, तो ऐसे मामले में भेजने वाले व पाने वाले दोनों की सूचनाएं उसी तरह से जमा की जानी चाहिए, जैसा क्रॉस बॉर्डर वायर ट्रांसफर के मामलों में किया जाता है।रिजर्व बैंक ने कहा कि वायर ट्रांसफर के सभी मामलों में केवाईसी की सूचनाएं जमा करना उसी बैंक या वित्तीय संस्थान की जिम्मेदारी है, जहां से पैसे भेजे जा रहे हैं।

'डिजिटल क्रांति का अग्रदूत है भारत', हर माह होते हैं 600 करोड़ के डिजिटल लेनदेन

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। भारत की डिजिटल क्रांति आज पूरी दुनिया के लिए उदाहरण बन गई है। संयुक्त राष्ट्र में अधिकारियों और अर्थशास्त्रियों ने भी भारत की उपलब्धि की सराहना की है और कहा है कि भारत, डिजिटल क्रांति का अग्रदूत है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा भारत में वित्तीय समावेश पर राउंडटेबल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में भारत की संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि 'हम यह मानते हैं कि भारत की वित्तीय समावेश की यात्रा दूसरे विकासशील देशों के लिए उदाहरण बन सकती है।'बैठक के दौरान कोलंबिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और भारत के नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने कहा कि भारत वित्तीय समावेश के मामले में विश्व में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेश, आर्थिक समावेश और विकास साथ-साथ चलते हैं। ये स्वास्थ और सतत विकास लक्ष्यों को भी प्रभावित करते हैं। आज भारत अपने अनुभव से विकासशील देशों को बहुत कुछ ऑफर कर सकता है। रुचिरा कंबोज ने कहा कि दुनिया के देश 2030 के अपने सतत विकास लक्ष्यों से काफी पीछे है। दुर्भाग्य से सतत विकास लक्ष्यों की रिपोर्ट दिखा रही है कि अभी सिर्फ 12 प्रतिशत लक्ष्य तय दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। वहीं 50 प्रतिशत में तरक्की कमजोर और अपर्याप्त है। कंबोज ने कहा कि समावेशी विकास और आर्थिक विकास पर भी वित्तीय समावेश का गहरा असर पड़ता है। अगर हमें 2030 के अपने सतत विकास के लक्ष्यों को पाना है तो वित्तीय समावेश की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा। कंबोज ने बताया कि साल 2009 में भारत में सिर्फ 17 प्रतिशत व्यस्क लोगों का बैंक खाता था।

सरकार ने कंपनियों से खाने के तेल की कीमतें घटाने के लिए कहा, तुरंत मिले राहत

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। सरकार की नजर खाने के तेलों की कीमतों पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में एडिबल ऑयल के नीचे आ रहे दामों को लेकर सरकार सतर्क है और इसका फायदा देश के कंज्यूमर्स को दिलाने के लिए कदम उठा रही है। 4 मई को इसी बारे में डिपार्टमेंट ऑफ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन के सेक्रेटरी संजीव चोपड़ा ने एडिबल ऑयल इंडस्ट्री के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान कहा कि ग्लोबल खाने के तेल की कीमतों में आ रही गिरावट का फायदा तुरंत ग्राहकों को दिया जाना चाहिए।

सरकार ने इंडस्ट्री दिग्गजों से की बात

अंतरराष्ट्रीय बाजार में इंपोर्टेड एडिबल ऑयल के गिरते दामों के बीच भारत में खाने के तेलों को लेकर पॉजिटिव रुख बन रहा है और सरकार ने इस बीच खाने के तेल के उत्पादन और डिस्ट्रीब्यूशन से जुड़ी संस्थाओं से बात करके इनकी कीमतों को कम करने के लिए कहा है। कल हुई बैठक में सॉल्वेंट एक्सट्रेक्शन ऑफ इंडिया और इंडियन वेजिटेबिल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि सरकार के साथ शामिल थे और ग्लोबल ऑयल कीमतों में आ रही गिरावट का फायदा देश के कंज्यूमर्स को कैसे दिया जाए इस पर चर्चा कर रहे थे।

जल्द ही घटेंगे खाने के तेलों के दाम

इंडस्ट्री के जानकारों ने सरकार को सूचना दी कि ग्लोबल तौर पर खाने के तेल के अलग-अलग प्रकारों में 200 से सेलकर 250 डॉलर प्रति टन की गिरावट आ चुकी है लेकिन इस गिरावट का फायदा रिटेल बाजारों को मिलने में समय लगेगा। हालांकि उन्होंने कहा है कि जल्द ही एडिबल ऑयल के दामों में जल्द ही कटौती होने की उम्मीद है।

क्या मिला है भरोसा

अग्रणी एडिबल ऑयल एसोसिएशन्स को सलाह दी गई है कि इस मामले पर जल्द से जल्द अपने मेंबर्स के साथ चर्चा की जाए। इसके साथ ही उन्होंने भी इस बात का आश्वासन दे दिया है कि हरेक एडिबल ऑयल की एमआरपी को ग्लोबल ऑयल की कीमतों के मुताबिक ही नीचे ले आया जाएगा।

सोने-चांदी के दाम में आज भी तेजी

जानें कितना महंगा हुआ गोल्ड और सिल्वर

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। सोने के दाम में कल ऐतिहासिक ऊंचाई देखे जाने के बाद आज भी सोना थोड़ा उछलकर कारोबार कर रहा है। चांदी की कीमतों में भी तेजी का रुख बरकरार है। जानें आज आपको सोना और चांदी खरीदने के लिए जेब कितनी ढीली करनी पड़ेगी।

एमसीएक्स पर क्या है सोने का रेट

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सोने और चांदी के रेट में तेजी देखी जा रही है। सोने की बात करें तो आज ये 28 रुपये या 0.05 फीसदी की मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। सोना आज 61521 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर कारोबार कर रहा है। इसमें नीचे की तरफ 61412 रुपये और ऊपर की तरफ 61629 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर कारोबार देखा गया था। सोने के ये दाम इसके जून वायदा के लिए हैं।

एमसीएक्स पर क्या हैं चांदी के रेट

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज चांदी भी उछाल के साथ कारोबार कर रही है। चांदी आज 196 रुपये या 0.25 फीसदी की बढ़त के साथ 78234 रुपये प्रति किलो के रेट पर मिल रही है। चांदी में आज 78074 रुपये के निचले स्तर देखे गए हैं और ऊपर की तरफ ये 78292 रुपये प्रति किलो तक गई थी। चांदी के ये दाम इसके जुलाई वायदा के लिए हैं।

कल सोना पहुंचा था ऑलटाइम हाई पर

सोने के कीमतें गुरुवार को फिर रिकॉर्ड उच्च स्तरों पर जा पहुंची थीं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के दामों में तेजी उछाल के चलते घरेलू बाजार में कीमतें 62000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई थीं। गुरुवार को सर्राफा बाजार में सोने के दामों में 940 रुपये का उछाल देखने को मिला और ये 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल से ऊपर चला गया था।

बैंकिंग स्टॉक्स में मुनाफावसूली से शेयर बाजार धड़ाम

सेंसेक्स 700 अंकों की गिरावट के साथ हुआ बंद, निफ्टी भी 187 अंक नीचे गिरा

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। हफ्ते का आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रहा है। बैंकिंग स्टॉक्स में बिकवाली और बाजार में मुनाफावसूली के चलते शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स करीब 700 अंकों की गिरावट के साथ 61,054 अंक तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 187 अंकों की गिरावट के साथ 18069 अंकों पर बंद हुआ है।आज के कारोबार में बैंक निफ्टी 2.34 फीसदी या 1025 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ है। बैंक निफ्टी के चलते बाजार में ये बिकवाली देखने को मिली है। इसके अलावा आईटी, फार्मा, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स गिरकर बंद हुए। जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी और ऑटो सेक्टर के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। मिडकैप और

स्मॉलकैप शेयरों में भी मुनाफावसूली रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 10 शेयर तेजी के साथ वहीं 20 गिरावट के साथ बंद हुआ है जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 20 शेयर तेजी के साथ और 30 शेयर गिरावट के साथ बंद हुआ है। आज के कारोबार में टाइटन 2.46 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.43 फीसदी, नेस्ले 1.36 फीसदी, आईटीसी 1.02 फीसदी एशियन पेंट्स 0.98 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। वहीं एचडीएफसी बैंक 5.90 फीसदी, एचडीएफसी 5.63 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

सूर्य-	मेष	में
चंद्र-	तुला	में
मंगल	मिथुन	में
बुध-	मेष	पें
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	मिथुन	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय

मेष--	04-40	बजे
वृष--	06-24	बजे
मिथुन..	08-24	बजे
कर्क...	10-37	बजे
सिंह....	12-48	बजे
कन्या..	14-56	बजे
तुला....	17-01	बजे
वृश्चिक.	19-11	बजे
धनु.....	21-24	बजे
मकर..	23-31	बजे
कुंभ....	01-21	बजे
मीन ..	02-59	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-**ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
सूर्योदय- 05-51 सूर्यअस्त- 18-34
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - **21 -52** तक उपरान्त द्वितीया
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष , शनिवार **May 06**
नक्षत्र - विशाखा - **21- 12** - तक उपरान्त अनुराधा
योग - व्यतिपात **-07 - 29** - तक उप - वरियान
करण- बालव - **10 - 31** - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार -श्री जिनवर व्रतारंभ जैन

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:01 से 10:37 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05:51 - 07:25	अशुभ	लाभ.	18:34 - 20:01	शुभ
शुभ	07:25 - 09:01	शुभ	उत्पात	20:01 - 21:25	अशुभ
रोग	09:01 - 10:37	अशुभ	शुभ	21:25 - 22:49	शुभ
उत्पात	10:37 - 12:13	अशुभ	अमृत	22:49 - 00:13	शुभ
चंचल	12:13 - 13:49	शुभ	चंचल	00:13 - 01:37	शुभ
लाभ	13:49 - 15:25	शुभ	रोग	01:37 - 03:01	अशुभ
अमृत	15:25 - 17:01	शुभ	काल.	03:01 - 04:25	अशुभ
काल	17:01 - 18:34	अशुभ	लाभ	04:25 - 05:51	शुभ

रूसी बम यूक्रेन पर फूटे लेकिन बर्बाद हो गया यूरोप

प्रचंड महंगाई के चलते फिर बढ़ीं ब्याज दरें

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। पूर्वी यूरोप का देश यूक्रेन पर हमला तो रूस कर रहा है, लेकिन पुतिन के इन बमों का कहर यूरोप पर टूट रहा है। अमेरिका के पिछलग्गू रहे यूरोपीय देशों को युद्ध में यूक्रेन की मदद करना बहुत भारी पड़ रहा है। यहां गेहूं और अनाज जैसे जरूरी सामानों की किल्लत हो रही है, वहीं रूसी प्रतिबंधों के चलते गैस और तेल की कीमतें आसमान पर हैं। इन संकट के चलते यहां महंगाई की दर रिकॉर्ड तोड़ रही है। इससे मुकाबला करने के लिए अब एक बार फिर यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी कर दी है। यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व की राह पर चलते हुए बृहस्पतिवार को नीतिगत ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया। हालांकि इसे भावी नरमी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। यूरोप के 20 देशों के संगठन यूरोपीय संघ के केंद्रीय बैंक के रूप में कार्यरत ईसीबी की प्रमुख क्रिस्टीन लेगार्ड ने नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की। लेगार्ड ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह कदम उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर उठाया गया है लेकिन अभी दर वृद्धि पर रोक नहीं लगी है। उन्होंने कहा, 'अभी हमें काफी काम करना बाकी है।'

अमेरिका में भी बढ़ीं ब्याज दरें

पिछले कुछ महीनों में मुद्रास्फीति में आई गिरावट को देखते हुए इस बार सिर्फ एक-चौथाई प्रतिशत की ही बढ़ोतरी का निर्णय लिया गया। इससे पहले ईसीबी ने नीतिगत दर में छह बार 0.50-0.75 प्रतिशत तक की वृद्धि की थी। इसके एक दिन पहले अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने भी नीतिगत ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत वृद्धि का फैसला किया था। इसके साथ ही फेडरल रिजर्व ने दरों में वृद्धि का सिलसिला थमने का इशारा भी किया।

यूक्रेन युद्ध के कारण चरम पर महंगाई

यूरोपीय संघ के भीतर मुद्रास्फीति अब भी सात प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी हुई है। यूक्रेन पर रूस के हमले से उपजे हालात ने उसकी मुश्किलें बढ़ाई हैं। खासकर तेल एवं गैस कीमतें बढ़ने से आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर देखा जा रहा है।

पैन कार्ड आधार से लिंक नहीं किया है तो लगेगा 1000 रुपये जुर्माना

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। आर्थिक लेनदेन करने के लिए पैन कार्ड की काफी जरूरत पड़ती है। देश में पैन कार्ड हर व्यक्ति को दिए जाने वाला एक विशेष नंबर है, जिसकी मदद से लोग आसानी से बड़ा वित्तीय लेनदेन कर सकते हैं। हालांकि पैन कार्ड को लेकर अब एक विशेष बात लोगों को जानना काफी जरूरी है, नहीं तो जुर्माना भी देना पड़ सकता है। यह जुर्माना सिर्फ उन लोगों को देना पड़ेगा, जिन्होंने अभी तक अपने पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक नहीं किया है।दरअसल, वर्तमान नियमों के अनुसार आपको अपना स्थायी खाता संख्या (पैन) और आधार संख्या लिंक करना आवश्यक है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अनुसार यदि दोनों लिंक नहीं हैं तो उनके पैन कार्ड 'निष्क्रिय' हो सकते हैं। परिणामस्वरूप आप वित्तीय लेनदेन करने में असमर्थ रहेंगे। जबकि बिना जुर्माना चुकाए दोनों को जोड़ने की समय सीमा बीत चुकी है, फिर भी लोग 1000 रुपये का जुर्माना देकर पैन और आधार कार्ड को लिंक कर सकते हैं।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे । आपको वजन न बढने देने के लिए विशेष परिश्रम करन होगा ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा ।अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे । उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें । इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा ।आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें। आज आपकी सेहत अच्छी रहेगी । पिछले कुछ समय से हो रही परेशानियां भी आज कोई तकलीफ नही देंगी ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं । हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें । आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

वृश्चिक — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
आज का दिन भावनात्मक रहेगा । आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति भी आ सकती है आप को इससे थोडा सा डर रहेगा क्योंकि आपने इससे पहले ऐसा कभी नही किया है । लेकिन अगर आप ऐसा करेंगे तो आपको भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी । आपका कोई करीबी भी आज भावनाओ में बहकर बात करेगा लेकिन आपको जमीन से जुड़े रहकर उपयुक्त प्रतिक्रिया देनी है ।

धनु — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी । आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेंगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

मकर — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है । आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे । इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । आज आपको यह बात समझ आ जायेगी ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है । समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे । अपनी व्यवाहरिक जरूरतों के रास्ते में अपने अहम को न आने दें ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा । आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिल पायेंगे जिसके विचार आपसे मिलते हों ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

एपल ने भारत में पहली तिमाही की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया

सीईओ टिम कुक ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। आईफोन और स्मार्ट डिवाइस बनाने वाली कंपनी एपल ने इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में देश में रिकॉर्ड बिक्री की और साल-दर-साल आधार पर दहाई अंक की वृद्धि दर हासिल की। कंपनी के सीईओ टिम कुक ने यह जानकारी दी। कुक पिछले महीने ही भारत आए थे और मुंबई और नई दिल्ली में कंपनी के पहले ब्रांड रिटेल स्टोर का उद्घाटन किया था। एपल ने अपनी मार्च में समाप्त तिमाही में 94.8 अरब डॉलर का रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किया जो उम्मीद से बेहतर है। कुक ने गुरुवार को विश्लेषकों को बताया, भारत में व्यवसाय को देखते हुए, हमने एक तिमाही का रिकॉर्ड स्थापित किया है। साल-दर-साल आधार पर दहाई अंक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

इसलिए यह हमारे लिए काफी अच्छी तिमाही थी। भारत एक अविश्वसनीय रूप से रोमांचक बाजार है। यह हमारे लिए एक प्रमुख फोकस है। मैं हाल ही में वहां गया था। बाजार में गतिशीलता अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा कि एपल अधिक ग्राहकों की सेवा करने के लिए समय के साथ भारत में परिचालन का विस्तार कर रहा है।

हाल ही में मुंबई और दिल्ली में लॉन्च हुए एपल के स्टोर

कुक ने कहा, तीन साल पहले हमने एपल स्टोर ऑनलाइन लॉन्च किया था। और फिर हमने कुछ सप्ताह पहले ही दो स्टोर - एक मुंबई में और एक दिल्ली में - लॉन्च किए जिनकी शुरुआत काफी अच्छी रही है। एपल को देश में कई चैनल पार्टनर भी मिले हैं। एपल सीईओ ने कहा, कुल मिलाकर, मैं वहां ब्रांड के लिए जो उत्साह देख रहा हूं उससे ज्यादा खुश और उत्साहित नहीं हो सकता।

मध्यम वर्ग में बहुत सारे लोग आ रहे हैं, और मुझे वास्तव में लगता है कि भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। वहां होना बहुत अच्छा है।कंपनी ने मेक्सिको, इंडोनेशिया, फिलीपींस, सऊदी अरब, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात में किसी भी तिमाही के और ब्राजील, मलेशिया और भारत में जनवरी-मार्च तिमाही के नए रिकॉर्ड बनाए हैं।

राशनकार्ड वालों के लिए खुशखबरी

मई महीने में 2 बार मिलेगा फ्री राशन! ऐसे लें डबल फायदा

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। राशन लेने वालों लोगों के लिए अच्छी खबर है। अगर आप भी सरकार की तरफ से मिलने वाले राशन का फायदा ले रहे हैं तो अब मई महीने में आपको डबल फायदा मिलने वाला है। केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से राशन कार्डधारकों को कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। अब मई महीने में सरकार ने कार्डधारकों को 2 बार राशन देने का फैसला लिया है। इससे गरीब परिवारों को काफी मदद मिल जाएगी। आइए आपको बताते हैं कि किन लोगों को इसका फायदा मिलेगा। हरियाणा सरकार ने जानकारी देते हुए बताया है कि अभी तक गरीब परिवारों को अप्रैल महीने का राशन नहीं दिया गया है। इस वजह से गरीब लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने मई महीने में अप्रैल और मई 2 महीनों का राशन देने का फैसला लिया है। राज्य सरकार की तरफ से जारी किए गए निर्देश के मुताबिक, जिन भी लाभार्थियों को अप्रैल महीने में राशन का फायदा नहीं मिला है उन्हें डबल राशन मिलेगा। वहीं, राशन डिपो पर अप्रैल महीने का राशन स्टॉक भी पहुंच गया है। इसका फायदा सिर्फबीपीएल और एएवाई कार्डधारकों को मिलेगा।बता दें हरियाणा में राशन कार्डधारकों को अप्रैल महीने का राशन 8 मई तक मिलेगा। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से आदेश जारी करने के बाद डिपो होल्डरों व उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली है। डिपो होल्डर्स ने राशन के वितरण की अवधि बढ़ाने की मांग की थी। राशन डिपो होल्डर ने राशन वितरण में देरी को लेकर काफी नाराजगी भी जताई है, जिसके बाद अब विभाग ने राशन वितरण की अवधि बढ़ा दी है।आपको बता दें राशन न मिलने की वजह से उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डिपो होल्डर्स ने जानकारी देते हुए बताया है कि विभाग की तरफ से राशन न मिल पाने की वजह से कार्डधारकों को वितरण नहीं किया जा सकता है।

भारत आए बिलावल भुट्टो के 4 पीढ़ियों की कहानी

नाना कहते थे- भारत से 1,000 साल तक लड़ेंगे, मां की आदर्श थीं इंदिरा

नई दिल्ली, 5 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 12 साल बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री भारत आए हैं। 2011 में हिना रब्बानी खार भारत आई थीं और अब एससीओ की बैठक में हिस्सा लेने के लिए बिलावल भुट्टो गोवा पहुंचे हैं।

बिलावल भुट्टो पाकिस्तान के विदेश मंत्री और भुट्टो परिवार के वारिस हैं। वही भुट्टो परिवार, जिसका भारत से 4 पीढ़ी पुराना नाता है। भुट्टो परिवार ने पाकिस्तान की सियासत में प्रमुख भूमिका निभाई है। 1967 में बनी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) का नेतृत्व इसी परिवार के पास रहा है। बिलावल इस परिवार की चौथी पीढ़ी हैं। भुट्टो फैमिली की 4 पीढ़ियों की कहानी, उनका भारत को लेकर नजरिया और बिलावल भुट्टो के भारत दौरे के मायने क्या हैं, इसे जानते हैं। शाहनवाज भुट्टो का इतिहास जूनागढ़ की रियासत से जुड़ा हुआ है। वो ब्रिटिश भारत के सिंध क्षेत्र (लरकाना) के बहुत बड़े जमींदार थे। इनके पास तकरीबन ढाई लाख एकड़ जमीन थी। सिंध का इलाका उस समय बॉम्बे प्रेसिडेंसी का हिस्सा था। बॉम्बे प्रेसिडेंसी बनवाने में भी शाहनवाज भुट्टो का बड़ा योगदान था। भुट्टो ने 1931 में सिंध को बंबई प्रांत से अलग करने की मांग करते हुए सिंधी मुसलमानों के नेता के रूप में गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया। 1935 में मांग मान ली गई। 1937 के प्रांतीय चुनावों में वो जिस पार्टी से चुनाव लड़े, उसका बाद में मुस्लिम लीग में विलय हो गया। इसी बीच वह एक मुस्लिम नेता के तौर पर स्थापित हो गए और साल 1947 आते-आते वह जूनागढ़ रियासत से जुड़ गए।

1947 के शुरुआती महीनों में शाहनवाज जूनागढ़ के नवाब मुहम्मद महाबत खान III के दीवान (प्रधानमंत्री) बन गए। 15 अगस्त 1947 को आजादी के बाद जूनागढ़ के नवाब महाबत खान ने पाकिस्तान में जाने का ऐलान कर दिया। कहा जाता है कि नवाब को पाकिस्तान में विलय का आइडिया शाहनवाज भुट्टो ने ही दिया था।

हालांकि फिर जनमत संग्रह के बाद जूनागढ़ को भारत में मिला लिया गया। नवाब पाकिस्तान चले गए और शाहनवाज भुट्टो अपने जमींदारी वाले जिले लरकाना चले गए। उनके पास हजारों एकड़ जमीन थी जिसके दम पर वो उस प्रांत के सबसे धनी और प्रभावशाली इंसान बनते गए और राजनीतिक रूप से सक्रिय हो गए। उन्होंने चार शादियां कीं। इनमें से उनकी दूसरी पत्नी नाच मंडली में काम करने वाली लाखीबाई भी थीं। लाखीबाई धर्म से हिंदू थीं, जिन्होंने बाद में इस्लाम अपनाया और खुर्शीद बेगम कहलाने लगीं। इनकी तीन बेटियां और एक बेटे थे। इकलौते बेटे जुल्फिकार अली भुट्टो इनकी तीसरी संतान थे।

शाहनवाज भुट्टो, जुल्फिकार अली भुट्टो, बेनजीर भुट्टो, बिलावल भुट्टो

नाना जुल्फिकार अली भुट्टोः

जुल्फिकार अली भुट्टो ब्रिटिश भारत में पले-बढ़े। 1942 के आसपास मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज में पढ़ने के दौरान ही वह भारत विभाजन की राजनीति करने वाले संगठनों के आंदोलनों में सक्रिय थे। आगे की पढ़ाई के लिए उन्हें कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय भेजा गया। लौट कर आए तो देश का बंटवारा हो चुका था। 1957 में देश लौटते ही जुल्फिकार संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल में सदस्य बने। वो लगातार राजनीति में सक्रिय रहे और भारत विरोधी गतिविधियों में भी लगे रहे। जुल्फिकार ने विदेश मंत्री रहते हुए 1965 में ऑपरेशन जिब्राल्टर चलवाया। इसमें जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान से प्रशिक्षित करके आतंकी भेजे गए थे जो बाद में पकड़े गए। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की शुरुआत यहीं से हुई। इस युद्ध में सीजफायर का ऐलान हुआ और फिर 1966 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच ताशकंद में समझौता हुआ। अयूब खान के समझौते का जुल्फिकार अली ने पूरे दमखम से विरोध किया। इस विरोध के बाद ही वह पाकिस्तान में पॉपुलर हुए और 1967 में उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया जिसकी आलोचना आज तक होती है। 1967 में एक रैली में बोलते हुए उन्होंने कहा, 'हम भारत से एक हजार साल तक जंग लड़ेंगे।' दरअसल इस दौरान पाकिस्तान में राष्ट्रवाद की लहर थी और भारत विरोधी बात करते रहने पर सियासत आगे बढ़ाने का मौका मिलता था।

साल 1971 में बांग्लादेश बनने वाले दिन जुल्फिकार अली भुट्टो अमेरिका में संयुक्त राष्ट्र के एक कार्यक्रम में थे। वहां उन्होंने सीजफायर के समझौते के कागज को फाड़ कर विरोध जताया और बैठक से उठकर चले गए। उनका तेवर पाकिस्तान में खूब सराहा गया। इसके ठीक बाद वो पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने और 1972 में भारत आए। तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के साथ शिमला समझौते पर साइन किया। यह समझौता कहता है कि कश्मीर का मसला दोनों देश आपस में बातचीत करके हल करेंगे। उन्होंने हजार साल वाले बयान पर यहीं पलटी मार ली। फ्रांस के एक अखबार को इंटरव्यू देते वक्त उन्होंने कहा- हमारे उपमहाद्वीप में मुसलमानों का इतिहास एक हजार साल पुराना है और उनका बयान इस संदर्भ में था। लड़ने के संदर्भ में नहीं। जुल्फिकार अपने बयानों से अक्सर पलटते रहते थे। शिमला में समझौता करके लौटते ही उन्होंने पाकिस्तान में सबसे पहले यही बयान दिया कि कश्मीर के मामले में पाकिस्तान ने अपनी नीति में कोई समझौता नहीं किया है। साल 1974 में दो बरस बाद ही जब भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण किया तो जुल्फिकार भुट्टो तब पाकिस्तान के पीएम थे। उन्होंने वहां इससे आहत होकर कहा कि अब ये इलाका असुरक्षित हो गया है और हम घास खा लेंगे, लेकिन परमाणु बम जरूर बनाएंगे। कुछ ही सालों बाद पाकिस्तान की राजनीति में सेना का हस्तक्षेप बढ़ा और सेना प्रमुख जिया उल हक की तानाशाही के बीच 1979 में जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी दे दी गई।

मां बेनजीर भुट्टोः

बिलावल भुट्टो की मां बेनजीर भुट्टो दो बार पाकिस्तान की प्रधानमंत्री रहीं और कश्मीर को लेकर हमेशा से मुखरता दिखाती रहीं। भारत को लेकर उनका रुख बहुत विरोध का तो नहीं रहा, लेकिन यह भी नही कह सकते कि उनके मन में भारत से प्रेम था। वो कई सार्वजनिक मौकों पर कहती थीं कि उनके तीन आदर्श हैं, उनके पिता जुल्फिकार अली भुट्टो, फ्रांस की राष्ट्रवादी संत जॉन ऑफ आर्क और इंदिरा गांधी। पूरब की बेटी के नाम से जानी जाने वाली बेनजीर किसी भी मुस्लिम देश की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं। पहली बार प्रधानमंत्री बनने के बाद बेनजीर भुट्टो ने भारत और खासकर कश्मीर के खिलाफ कई बयान दिए। साल 1990 में बेनजीर भुट्टो का कश्मीर के राज्यपाल को लेकर की गई टिप्पणी और हाथ का इशारा काफी चर्चित रहा है।

इस भाषण का उन्हें बहुत लाभ हुआ और वो दोबारा सरकार में आ गईं। चुनावी माहौल के बीच उन्होंने पाक अधिकृत कश्मीर में भाषण दिया। कहा, 'कश्मीर के लोगों को मौत का डर नहीं है क्योंकि वे मुसलमान हैं। कश्मीरियों में मुजाहिदीन का खून है। कश्मीर के लोग वकार (इज्जत) के साथ जिंदगी जीते हैं, जल्द ही हर गांव से एक ही आवाज निकलेगी- आजादी। हर स्कूल से एक ही आवाज निकलेगी- आजादी। हर बच्चा चिल्लाएगा- आजादी, आजादी, आजादी। इसके बाद उन्होंने हाथ का जो इशारा किया वो कश्मीर में आतंकियों को उकसाने वाला था। उन्होंने तत्कालीन कश्मीरी गवर्नर जगमोहन मल्होत्रा को संबोधित करते हुए दाहिने हाथ की खुली हथेली से बाएं हाथ की मुट्ठी को टकराते हुए कहा 'जग, जग, मो-मो, हन-हन'। यह सब कुछ इतना आक्रामक था कि 1990 में ये सब कुछ टीवी पर टेलीकास्ट होने से रोक दिया गया। साल 2007 में एक आत्मघाती बम धमाके में आतंकियों ने उनकी हत्या कर दी।

बिलावल भुट्टोः

बिलावल भुट्टो साल 2007 से पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन हैं और फिलहाल पाकिस्तान के विदेश मंत्री हैं। साल 2012 में ऑक्सफोर्ड से बीए कर के लौटे बिलावल कुछ साल राजनीति में सक्रिय रहे। अगस्त 2018 के आम चुनावों में उनकी पार्टी पीपीपी ने 43 सीटें जीत लीं और बिलावल पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के सदस्य बने। इमरान खान के तख्तापलट के बाद बिलावल को अप्रैल 2022 में मंत्रिमंडल में शामिल किया गया और वो पाकिस्तान के सबसे कम उम्र के विदेश मंत्री बने। इसके बाद उन्होंने लगातार बचकाने बयान देने शुरू कर दिए। बिलावल भुट्टो ने दिसंबर 2022 में पीएम मोदी पर टिप्पणी की थी।

जमीन घोटाले से जुड़े मामले में आईएएस छवि रंजन गिरफ्तार

ईडी ने की कार्रवाई

रांची, 5 मई (एजेंसियां)। झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने आईएएस छवि रंजन को गिरफ्तार कर लिया है। उन पर रांची में अवैध रूप से जमीन हड़पने और बेचने का आरोप है। उन पर इससे जुड़े भूमि घोटाले के मामले में कार्रवाई की गई है। वर्तमान में रंजन झारखंड के समाज कल्याण विभाग में निदेशक पद पर हैं। ये घोटाले उनके रांची के डिप्टी कमिश्नर के कार्यकाल के दौरान किए गए थे।

हाल ही में हुई थी पूछताछ

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कथित अवैध भूमि बिक्री से संबद्ध धन शोधन की जांच कर

रही है। इसी सिलसिले में झारखंड के आईएएस अधिकारी छवि रंजन को पूछताछ के लिए तलब किया गया था। उन्होंने इसके लिए दो सप्ताह का समय भी मांग था, लेकिन मंजूरी नहीं मिलने के बाद उनसे पूछताछ की गई थी। इससे पहले भी एजेंसी ने उनसे संक्षिप्त पूछताछ की थी, जब इस मामले में झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में उनके तथा अन्य के परिसरों में छापेमारी की गई थी।

13 अप्रैल को हुई थी छापेमारी

मालूम हो कि गत 13 अप्रैल को आईएएस छवि रंजन के रांची स्थित दो व जमशेदपुर स्थित एक ठिकाने सहित कुल 22 ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा था। इस दौरान ईडी को बड़गाईं अंचल कार्यालय के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद के आवास से सरकारी फाइलें व सैकड़ों जमीन के डीड मिले थे। एजेंसी ने छापेमारी के बाद झारखंड सरकार के एक अधिकारी समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया था।

क्या है मामला?

धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई।

एजेंसी रक्षा जमीन से संबंधित एक भूखंड समेत 12 से अधिक जमीन सौदों के मामले में जांच कर रही है, जिसमें जमीन माफिया, बिचौलिए और नौकरशाह सहित एक समूह साठगांठ कर कथित तौर पर 1932 की शुरुआत से ही जमीन के कामों और दस्तावेजों की धोखाधड़ी में शामिल है। पीएमएलए के तहत अपनी जांच शुरू करने के लिए संघीय जांच एजेंसी ने संबंधित नागरिक अधिकारियों द्वारा दर्ज कुछ जाली व्यक्तिगत पहचान दस्तावेजों के बारे में पुलिस प्राथमिकी का संज्ञान लिया।

बजरंग दल ने रावण से की छत्तीसगढ़ सरकार की तुलना

रायपुर, 5 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र में बजरंग दल की तुलना पीएफआई से करने और बजरंग दल पर बैन लगाने को लेकर छत्तीसगढ़ की सियासत गरमाई हुई है। जरूरत पड़ने पर बजरंग दल पर बैन लगाने के सीएम भूपेश बघेल के बयान पर बजरंग दल ने निशाना साधा है। बजरंग दल ने छत्तीसगढ़ सरकार की तुलना रावण से की है। संगठन ने कहा कि सीएम के पास बजरंग दल को बैन करने की ताकत नहीं है। यदि है, तो बैन लगाकर देख लें। उनके बयान के विरोध में बजरंग दल 6 मई को पूरे प्रदेश के बजरंग बली मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ करेगा।

रावघाट रेल लाइन परियोजना, केंद्रीय रेल मंत्री से मिलकर बीजेपी ने जताया आभार

रायपुर, 5 मई (एजेंसियां)। इस साल के नवंबर में छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में चुनावी साल में रावघाट रेल परियोजना का मामला गरमाया हुआ है। प्रदेश के रावघाट से जगदलपुर रेलवे लाइन की स्वीकृति पर बस्तर संभाग प्रभारी सांसद संतोष पांडे ने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर का आभार जताया है। बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सांसद संतोष पांडे और पूर्व मंत्री केदार कश्यप के नेतृत्व में भाजपा छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव जी दिल्ली में मुलाकात की है। ज्ञापन सौंपकर इस प्रोजेक्ट को पूरा कराने की मांग की है।

जुलाई तक पूरी होगी डीपीआर

उन्होंने 140 किलोमीटर लंबी रावघाट जगदलपुर रेलवे लाइन के शीघ्र निर्माण के लिए सहमति दी है। केंद्रीय रेल मंत्री ने इसका डीपीआर जुलाई 2023 तक करने का आश्वासन दिया है।

केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को लेकर अलग-अलग चरणों में काम किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट का डीपीआर जुलाई 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा। कुछ हिस्सों में काम हो चुका है। शेष जगहों पर भी डीपीआर बनने के बाद काम में तेजी आएगी। साल 1993 से लंबित इस परियोजना के पूरा होने की सुगबुगाहट अब तेज हो रही है। बता दें कि रावघाट रेल परियोजना प्रदेश के नक्सल इलाकों को रेल कॉरिडोर से जोड़ने की देश का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। दल्लीराजहरा-जगदलपुर-रावघाट रेल लाइन निर्माण की मांग दशकों पुरानी है। वर्ष 1993 में योजना आयोग से इस परियोजना के निर्माण की स्वीकृति मिली थी। साल 2011 में इसे ट्रेक पर काम शुरू भी हुआ है। इसके बनने से बस्तर संभाग का सीधा कनेक्शन रायपुर से जुड़ जाएगा।

छत्तीसगढ़ में धीमी हुई कोरोना की रफ्तार

पिछले 24 घंटे में 159 कोरोना मरीज मिले

रायपुर, 5 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कोरोना की रफ्तार अब धीमी पड़ने लगी है। यहां दिनों दिन अब कोरोना पर लगाम लग रही है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 159 नए कोरोना मरीज आए हैं। वहीं, 4,330 सैम्पलों की जांच हुई है।

आपको बता दें कि सात कोरोना पीड़ित हॉस्पिटल से व 388 मरीज होम आइसोलेशन से स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किए गए हैं।

आज किसी कोरोना मरीज की मौत नहीं हुई है। इसके बाद प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या 1,445 हो गई है।

हाथियों के झुंड का तांडव

तीन साल की मासूम समेत तीन लोगों को कुचल कर मार डाला

रांची, 5 मई (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहार जिले में हाथियों के झुंड ने एक ही परिवार के तीन सदस्यों को कुचल कर मार डाला। मरने वालों में एक तीन साल की बच्ची भी शामिल है। यह घटना गुरुवार देर रात करीब डेढ़ बजे घटी। रांची से करीब 80 किलोमीटर दूर मल्हान पंचायत में एक ईंट भट्ठे के पास बनी झोपड़ी में पानू भुईयां अपनी 26 वर्षीय पत्नी और तीन साल की बेटी के साथ सो रहा था। चंदवा थाना के निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि हाथियों के एक समूह ने ईंट भट्ठे इलाके में हमला कर दिया। इलाके के अन्य मजदूर मौका देखकर भागने में कामयाब रहे, लेकिन समूह ने भुईयां परिवार को कुचल कर मार डाला। परिवार के तीनों सदस्यों का शव शुक्रवार सुबह थाने लाया गया और पोस्टमार्टम के लिए लातेहार अस्पताल भेज दिया गया। लातेहार के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) रौशन कुमार ने बताया कि बालूमाथ और चंदवा वन परिक्षेत्र के बीच पिछले कई दिनों से करीब 14 हाथियों का आना-जाना लगा हुआ है। देर रात मजदूर सो रहे थे, जिस वजह से उन्हें हाथियों के समूह का पता नहीं चला। डीएफओ ने कहा कि घटना में मारे गए लोग गढ़वा जिले के हैं।

शराबबंदी पर अमरजीत भगत का बयान

कहा- पहले भाजपाई शराब पीना छोड़ दें या एफिडेविट दें कि हम शराब नहीं पीएंगे, तब बात करें

सरगुजा, 5 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने अंबिकापुर में एक बार फिर शराबबंदी को लेकर बयान दिया, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। उन्होंने कहा कि जो बीजेपी शराबबंदी का राग अलाप रही है, अगर वे ए फि डे वि ट (शपथपत्र/हलफनामा) या सेल्फ डिक्लेरेशन लेटर दे दें कि हम शराब नहीं पीते हैं और ना शराब पीने का समर्थन करते हैं, तब जाकर विरोध करें। बता दें कि खाद्य मंत्री एक दिन पहले अपने गृह ग्राम पार्वतीपुर में शादी समारोह में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान कुछ मीडियाकर्मियों ने शराबबंदी को लेकर भाजपा द्वारा लगातार लगाए

जा रहे आरोपों पर उनसे सवाल पूछे। इस पर मंत्री ने भाजपा पर सीधा हमला किया। उन्होंने कहा कि पहले भाजपाई शराब पीना छोड़ दें, वे एफिडेविट में लिखकर दें या सेल्फ डिक्लेरेशन लेटर दें कि हम शराब नहीं पीते हैं और ना ही शराब पीने का समर्थन करते हैं, तब जाकर विरोध करें।

अमरजीत भगत ने कहा कि भाजपाईयों के यहां आयोजित पार्टियों में जाकर देखो, नाम नहीं लूंगा, गुजरात में क्या हो रहा है, बिहार में क्या हो रहा है, वहां शराब बंद है, फिर भी उपलब्ध है। भारतीय जनता पार्टी पहले उस जगह पर जाकर देखें, जहां से उनके प्रधानमंत्री आते हैं, फिर आगे की बात करेंगे।

खाद्य मंत्री से जब यह सवाल किया गया कि प्रदेश की जनता भी लगातार ये सवाल पूछ रही है कि घोषणा पत्र में लिखे होने के बावजूद शराब क्यों नहीं बंद की जा रही है। इस पर उन्होंने कहा कि यह सामाजिक चेतना की बात है। लोग खुद से पीना छोड़ दें, इसके बाद शराब बंद करने वाले कमेटी के पास ये बात हम भेज देंगे। खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने आरक्षण को लेकर भी भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि भाजपा शुरू से ही आरक्षण की विरोधी रही है।

हाईकोर्ट में जब आरक्षण के खिलाफ फैसला आया था, तो भाजपाईयों की बांछें खिल गई थीं। वे खुलकर बयानबाजी, रैली, सभा सहित तमाम प्रपंच करते रहे, लेकिन जैसे ही सीएम ने विशेष सत्र बुलाने की घोषणा की, तो विरोध के स्वर बोलने लगे, चाहे वे डॉ रमन सिंह हों या फिर बृजमोहन अग्रवाल। इधर सीएम ने विशेष सत्र बुलाकर इसे पारित कराया।

प्रेमी जोड़े ने एक साथ दी जान

कांकेर में एक फंदे और एक ही पेड़ पर दोनों ने की खुदकुशी, गांव में पसरा सन्नाटा

कांकेर, 5 मई (एजेंसियां)। कांकेर के फरसगांव थाना क्षेत्र में प्रेमी जोड़े ने प्रेम प्रसंग के चलते एक ही पेड़ पर एक ही फंदे पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक साथ दो लोगों की मौत से गांव में सन्नाटा पसर गया है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की।

जानकारी के मुताबिक, क्षेत्र के ग्राम खेतरपाल में प्रेमी जोड़े ने घर से दूर जंगल में जाकर पेड़ की डाल पर फंदा डालकर फांसी लगा ली। दोनों युवक युवती एक ही गांव के रहने वाले थे। घटना की सूचना ग्राम सरपंच ने पुलिस को दी। घटना के बाद गांव में शोक की लहर। फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से घटना को लेकर पूछताछ कर रही है।

बाबूलाल मरांडी दल बदल मामले में देरी पर हाईकोर्ट नाराज

हाईकोर्ट ने एक सप्ताह के भीतर फैसला लेने का आदेश दिया, विधानसभा सचिव को किया तलब

रांची, 5 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी के खिलाफ दल- बदल का मामला सुनवाई पूरी होने के बाद भी लंबे समय से लंबित है। सुनवाई पूरी होने के बाद अब फैसले को लेकर दबाव बढ़ रहा है। झारखंड हाईकोर्ट ने इससे संबंधित एडवोकेट एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई की है। इस सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने विपक्षी दल के नेता पर 1 सप्ताह के अंदर फैसला देने का आदेश दिया है।

इस आदेश के बाद राज्य में राजनीतिक हलचल तेज हो गयी है। हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर इस पर तय समय अवधि के आधार पर फैसला नहीं आता तो झारखंड विधानसभा के सचिव को न्यायालय में हाजिर होना होगा। ध्यान रहे कि इस मामले में अगस्त 2022 में ही सुनवाई पूरी हो गयी थी। इसके बाद पिछले आठ महीने से न्यायाधिकरण ने फैसला सुरक्षित रखा है। मरांडी के खिलाफ वर्ष 2020 में दलबदल का मामला स्पीकर के न्यायाधिकरण में आया था।

झारखंड में चढ़ने लगेगा पारा

रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में आसमान साफ रहेगा, बढ़ेगी गर्मी

रांची, 5 मई (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों से मिल रही गर्मी से राहत और मौसम में ठंडक में धीरे- धीरे खत्म होगी। राजधानी रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में तापमान बढ़ने लगेगा। रांची, जमशेदपुर सहित कई शहरों में तापमान बढ़ेगा। रांची के आसपास का तापमान आज 34 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। 6 मई का यह तापमान और बढ़ने की उम्मीद है मौसम विभाग के अनुसार तापमान में लगभग दो डिग्री की बढ़त हो सकती है यानी अधिकतम तापमान 36 डिग्री तक पहुंच सकता है। धीरे - धीरे तापमान में बढ़त दर्ज की जा सकती है। इसी तरह दस मई तक पूरे झारखंड में आसमान साफ रहने की संभावना मौसम विभाग ने जाहिर की है। 5- 6 मई : आसमान साफ रहेगा, अधिकतम 33 से 35 डिग्री और न्यूनतम 21 से 22 डिग्री रहने की संभावना है। 7-8 मई : आसमान साफ रहेगा, मौसम शुष्क रहने से गर्मी व उमस परेशान कर सकता है। पिछले कई दिनों से मौसम में नमी थी।

राज्य के कई शहरों में बारिश का मौसम था लेकिन धीरे- धीरे तापमान में वृद्धि हो रही है। मौसम एक बार फिर गर्मी और उमस भरा हो रहा है। मौसम विभाग ने आज चंद्र ग्रहण के संबंध में भी जानकारी दी है जिसमें बताया है कि चंद्र ग्रहण रात 8.42 मिनट से लेकर 6 मई 1.03 मिनट तक देखा जा सकेगा।

पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे और उनके समर्थकों पर एनएचएआई अफसरों से मारपीट का आरोप

10 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रांची, 5 मई (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारी ने झारखंड में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे समेत दस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने दुबे पर गाली-गलौज एवं मारपीट करने का आरोप लगाया है।

विश्रामपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरजीत कुमार ने बताया कि एनएचएआई के प्रोजेक्ट प्रभारी एवं अभियंता पार्थ घोष ने इस मामले में शिकायत दी थी। जांच के बाद गुरुवार को पूर्व मंत्री दुबे और उनके अन्य साथियों पर एनएचएआई के पड़वा कैंप ऑफिस में धावा बोलने तथा गाली गलौज के साथ मारपीट करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई।

पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि दुबे समेत 10 लोगों के खिलाफ पलामू जिले के नावाबाजार थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जल्द सच्चाई सामने आ जाएगी। गौरतलब है कि एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्ग 75 के तहत भोगु से शंखा तक 'फोरलेन' का निर्माण कर रहा है।

13 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

मुख्य न्यायाधीश बोले- यूपी से बेहतर है छत्तीसगढ़ का परिणाम

बेमेतरा, 5 मई (एजेंसियां)। आने वाली 13 मई को बेमेतरा जिला कोर्ट में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर जिला स्तर पर तैयारी की जा रही है।

इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बेमेतरा के जिला कोर्ट के जज व प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने कहा कि सभी लोगों के संयुक्त प्रयास से एक बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़

खालिस्तान समर्थकों ने दीवार तोड़ी, गेट पर लगाया झंडा

मेलबर्न, 5 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। पश्चिमी सिडनी के रोजहिल उपनगर के बाप्स स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार की सुबह बाप्स स्वामीनारायण मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों ने हमला किया और तोड़फोड़ की। साथ ही मंदिर के गेट पर खालिस्तान का झंडा लटका हुआ था।

ऑस्ट्रेलिया की मीडिया ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया में पश्चिमी सिडनी के रोजहिल उपनगर के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में खालिस्तान समर्थकों ने तोड़फोड़ की है। जब मंदिर प्रबंधन शुक्रवार को पूजा करने के लिए पहुंचा तो देखा की मंदिर की दीवार टूटी थी। वहीं गेट पर खलिस्तान का झंडा भी लटका हुआ था।

जनवरी में भी हुआ था हमला

गौरतलब है, इससे पहले भी कई बार ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों को निशाना बनाया जा चुका है। इस साल जनवरी में भी मेलबर्न में बाप्स स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ की घटना सामने आई थी। 12 जनवरी की सुबह मेलबर्न के उत्तरी उपनगर मिल पार्क में बाप्स स्वामीनारायण मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों ने तोड़फोड़ की थी। साथ ही मंदिर की दीवारों पर विरोधी नारे भी लिखे गए। मंदिर की दीवारों पर लिखे नारे में खालिस्तान समर्थकों ने आतंकवादी जरनैल सिंह भिंडरांवाले को 'शहीद' बताया और उसकी प्रशंसा भी की थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मंदिर की दीवारों पर विनाश और घृणा के स्तब्ध करने वाले नारे लिखे गए थे। वहीं, बाप्स ने हमले की निंदा की थी। बाप्स ने एक बयान में कहा था कि हम बर्बरता और घृणा के इन कृत्यों से दुखी और स्तब्ध हैं। हम शांति और सद्भाव के लिए अपनी प्रार्थना करते हैं और जल्द ही घटना को लेकर विस्तार से जानकारी देंगे।

पाकिस्तान को कर्ज देने के लिए आईएमएफ की नई शर्त

कहा– पहले बजट डिस्कस करो

इस्लामाबाद, 5 मई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को कर्ज जारी करने से पहले एक और शर्त लगा दी है। उसने पाकिस्तान सरकार से कहा है कि वह पहले वित्त वर्ष 2023-24 के प्रस्तावित बजट पर उससे विचार-विमर्श करे। पाकिस्तानी मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार इसके लिए राजी हो गई है। लेकिन अखबार द न्यूज ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि बजट और राजकोषीय घाटे पर चर्चा ही वो आखिरी रुकावटें नहीं हैं, जिनके हटने के बाद पाकिस्तान को आईएमएफ का ऋण मिल जाएगा। आईएमएफ ने पिछले साल पाकिस्तान के लिए 6.5 बिलियन डॉलर का कर्ज मंजूर किया था। उसकी पहली किस्त के तौर पर पाकिस्तान को 1.1 बिलियन डॉलर मिलना है। लेकिन यह रकम महीनों से लटकी हुई है। इस बीच पाकिस्तान के कर्ज चुकने में अक्षम (डिफॉल्टर) होने की आशंकाएं गहराती चली जा रही हैं। कर्ज जारी करने से पहले आईएमएफ ने पाकिस्तान की आर्थिक हालत और उसके वित्तीय कार्यक्रमों को लेकर समीक्षा बैठकें शुरू की थीं। इन सिलसिले में आठ बैठकें पूरी हुईं। लेकिन नौवीं बैठक में आईएमएफ ने शर्तें रखीं, उसको लेकर विवाद खड़ा हो गया। आईएमएफ के मुताबिक पाकिस्तान ने अभी तक उन शर्तों को पूरा नहीं किया है, जबकि पाकिस्तान सरकार का दावा है कि वह सारी शर्तें पूरी कर चुकी है। इसी विवाद के कारण आईएमएफ ने दसवीं समीक्षा बैठक को रद्द कर दिया था। क्या ऐसी कोई संभावना है, जिससे नौवीं और दसवीं समीक्षा बैठकों को एजेंडे पर विचार-विमर्श के लिए एक साझा बैठक हो, यह सवाल एक समाचार एजेंसी ने आईएमएफ के पाकिस्तान मिशन चीफ नाथन पोर्टर के सामने रखा। इस पर उन्होंने कहा कि समीक्षा की प्रक्रिया अपने क्रम के हिसाब से ही चलेगी। उन्होंने कहा- 'आईएमएफ के सभी प्रोग्राम में अधिकारी एक लेटर ऑफ इंटेन्ट जारी करते हैं। इसका संबंध पिछली समीक्षा बैठक से होता है। इस पत्र में नीति संबंधी उद्देश्यों का विवरण रहता है।' नौवीं समीक्षा बैठक पिछले नवंबर में हुई थी। विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि 6.5 बिलियन डॉलर का कर्ज 2019 में पाकिस्तान के लिए तय बेलआउट कार्यक्रम के तहत मंजूर किया गया था। इसलिए यह प्रोग्राम जून में पूरा हो जाएगा। आशंका है कि अगर तब तक कर्ज की किस्तें जारी नहीं हुईं, तो ये पूरा प्रोग्राम एक्सपायर कर जाएगा (यानी उसकी अवधि समाप्त हो जाएगी)। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने आईएमएफ की नई शर्तों के बारे में टिप्पणी करने से फिलहाल इनकार किया है। इस हफ्ते गुरुवार को वित्त मंत्री इशहाक डार ने फिर दावा किया था कि नौवीं समीक्षा बैठक के तहत पाकिस्तान के सामने जो एजेंडा रखा गया था, शहबाज शरीफ सरकार उस पर पूरा अमल कर चुकी है। पाकिस्तान के टीवी चैनल जियो न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक शहबाज शरीफ सरकार 2023-24 का संघीय बजट नौ या दस जून को नेशनल असेंबली में पेश करेगी। चैनल ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया है कि सरकार बजट तैयार करने के सिलसिले में उच्चस्तरीय बैठकों का आयोजन इस महीने के मध्य से शुरू करेगी। सरकार की कोशिश है कि इन बैठकों के पहले आईएमएफ के साथ कोई सहमति बन जाए, ताकि उससे मिलने वाली रकम को ध्यान में रख कर बजट में आवंटन तय किए जाएं।

निजी हेलिकॉप्टर दुर्घटना में तीन घायल

पायलट की हालत गंभीर

काठमाण्डु, 5 मई (एजेंसियां)। नेपाल का एक निजी हेलिकॉप्टर सेवा प्रदाता का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह घटना शुक्रवार को पूर्वी नेपाल में घटी, जिसमें एक पायलट समेत तीन लोग घायल हो गए।

दुर्घटना संखुवासभा जिले के भोटेखोला नदी के पास हुई, जब निर्माण सामग्री ले जा रहा हेलिकॉप्टर जलमार्ग के पास एक पेड़ से टकरा गया। सूत्रो के अनुसार- दुर्घटना शुक्रवार की दोपहर को हुई, जिसमें सिमरिक एयर हेलिकॉप्टर के पायलट समेत तीन लोग घायल हो गए। पायलट सुरेंद्र पांडेय गंभीर रूप से घायल है। घायलों को इलाज के लिए काठमांडू ले जाया गया है।

हेलिकॉप्टर काठमांडू से संखुवासभा अरुण थ्री हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण सामग्री ले जा रहा था। इस हेलिकॉप्टर में कुल पांच लोग सवार थे और दोपहर डेढ़ बजे भोटेखोला ग्रामीण नगर पालिका के पास सिपरिंग में हेलिकॉप्टर उतारने के समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

यूक्रेनी सांसद ने रूसी डिप्लोमैट को घूंसा मारा

तुर्किये में चल रही थी बैठक, रूसी मेंबर ने यूक्रेन का झंडा फेंका था

अंकारा, 5 मई (एजेंसियां)। यूक्रेन के एक सांसद ने रूस के प्रतिनिधि को घूंसा मार दिया। यह घटना अंकारा में ब्लैक सी इकोनॉमिक कोऑपरेशन की बैठक के दौरान की है। दरअसल, यहां बैठक के दौरान फोटो सेरेमनी चल रही थी। यूक्रेनी सांसद ऑलेक्जेंडर मारिकोव्स्की यूक्रेन का झंडा लेकर खड़े थे। तभी रूसी प्रतिनिधि ने उनके हाथ से झंडा छीनकर फेंक दिया और आगे बढ़ गए। यूक्रेन के सांसद मारिकोव्स्की को गुस्सा आ जाता है। वो रूसी प्रतिनिधि का पीछा करते हैं और उन्हें घूंसा मार देते हैं। बाद में दोनों के बीच कहासुनी भी होती है। मारिकोव्स्की ने इस घटना का वीडियो पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा- रूसी प्रतिनिधि ये पंच डिजर्व करते थे।

'द कीव पोस्ट' के एक पत्रकार ने भी यह वीडियो शेयर किया। 24 घंटे में 30 लाख से ज्यादा लोग ये वीडियो देख चुके हैं। वहीं, बैठक में काला सागर क्षेत्र के देशों के प्रतिनिधि आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक मुद्दों पर बहुपक्षीय और द्विपक्षीय संबंध बनाए रखने के तरीकों पर चर्चा कर रहे थे। ब्लैक सी इकोनॉमिक कोऑपरेशन 30 साल पहले यानी 1992 स्थापित हुआ था।

पुतिन के घर पर ड्रोन अटैक की कोशिश हुई थी

3 मई को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के घर पर ड्रोन से हमले की कोशिश की। इसका आरोप यूक्रेन पर लगाया था। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बाद में साफ कर दिया कि क्रेमलिन पर ड्रोन अटैक यूक्रेन ने नहीं किए, उसके पास इस तरह के हमलों की काबिलियत नहीं है। हमले के बाद पुतिन के स्पोक्सपर्सन दिमित्री पेस्कोव ने कहा था- जिस दौरान यह हमला किया गया, उस वक्त पुतिन क्रेमलिन में मौजूद नहीं थे। हमले में ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। फिलहाल, प्रेसिडेंट मॉस्को में अपने ऑफिशियल रेसिडेंस में मौजूद हैं और वहीं से काम कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन जंग में सिर्फ सैनिक ही नहीं बल्कि मौका मिलने पर पत्रकार भी रॉकेट दाग रहे हैं। जंग को कवर कर रहे रूस के एक ऐसे ही रिपोर्टर का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वो रूस की तरफ से रॉकेट को लोड और फायर करते हुए दिख रहा है।

टिल्लू ताजपुरिया की हत्या का नया सीसीटीवी फुटेज

कैदी मारते रहे, पुलिस ने पहले रोका फिर पीछे हट गई

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की तिहाड़ जेल में 2 मई को गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया के मर्डर का नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि 9 पुलिसवालों के सामने ही कैदी ताजपुरिया पर नुकीले हथियार से हमला कर रहे हैं। शुरुआत में तो कुछ पुलिसकर्मियों ने कैदियों को रोका, लेकिन कुछ देर बाद पीछे हट गए। तिहाड़ के अफसरों ने बताया कि हत्या जितेंद्र गोगी गैंग के योगेश टुंडा, दीपक, राजेश और रियाज खान ने की। टिल्लू हाई सिक्योरिटी वार्ड में बंद था, जहां उस पर नुकीले हथियार से 100 से ज्यादा बार हमला किया गया। टिल्लू रोहिणी कोर्ट में 24 सितंबर 2021 को हुए शूटआउट मामले में आरोपी था। उसके गैंग के 2 लोगों ने जितेंद्र गोगी की कोर्ट में हत्या कर दी थी। वे वकील की पोशाक में कोर्ट आए थे। दोनों शूटर्स को पुलिस ने कोर्ट में ही मार गिराया था।

49 सेकेंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि खून से लथपथ टिल्लू को पुलिसवाले घसीटकर बैरक से बाहर लाते हैं। दूसरी सेल के अंदर से दीपक तीतर कुछ कहता हुआ दिख रहा है। जैसे ही टिल्लू को पुलिसवाले बाहर लाते हैं, वैसे ही लाल रंग की पैंट पहने दीपक तीतर बाहर निकलकर टिल्लू को लात से मारने लगता है। इस दौरान एक पुलिसवाला उसे बचाने की कोशिश करता है, लेकिन तीतर खून से लथपथ पड़े टिल्लू को नुकीला हथियार मारने लगता है। ताजपुरिया की हत्या से जुड़ा 2 मिनट 50 सेकेंड का एक वीडियो गुरुवार को सामने आया था। ताजपुरिया अपनी बैरक के अंदर जाता है। तभी पहले से घात लगाए बैठे हमलावर उसके कमरे की ओर दौड़ते हैं। इन सबसे अनजान टिल्लू कुछ समझ पाता, इससे पहले ही उस पर नुकीले हथियार से हमले शुरू हो जाते हैं। वह दौड़कर एक हॉल में आता है, जहां उस पर 100 से ज्यादा बार हमला किया जाता है। जेल अधिकारी ने बताया कि योगेश टुंडा तिहाड़ में जेल नंबर 8 में बंद था। ये जेल फर्स्ट फ्लोर पर है। टिल्लू ताजपुरिया ग्राउंड फ्लोर पर जेल नंबर 9 में बंद था। गोगी गैंग के योगेश टुंडा और दूसरे मेंबर्स 2 मई की सुबह 6:15 बजे अपने वार्ड की सिक्योरिटी ग्रिल काटकर बाहर आए। इसके बाद बेडशीट का इस्तेमाल करते हुए ग्राउंड फ्लोर पर कूद गए। यहां पर टिल्लू को हाई-सिक्योरिटी वार्ड में रखा गया था। गोगी गैंग के सदस्य टिल्लू के वार्ड में लगी ग्रिल को काटकर अंदर घुसे। गोगी गैंग के गुर्गों ने नुकीले हथियार से टिल्लू पर कई बार हमला किया। वह घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना में घायल एक अन्य रोहित का इलाज चल रहा है। फिलहाल वह खतरे से बाहर है। गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया दिल्ली विश्वविद्यालय का छात्र था और श्रद्धानंद कॉलेज से पास आउट था।

दुनिया में पहली बार गर्भ में ही हुई बच्चे की ब्रेन सर्जरी

वॉशिंगटन, 5 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में डॉक्टरों की एक टीम ने गर्भ में ही बच्चे की ब्रेन सर्जरी की। यह दुनिया का पहला ऐसा मामला है, जहां गर्भ में ही बच्चे की ब्रेन सर्जरी की गई। दरअसल बच्चे को 'वीनस आफ गालेन मालफार्मेशन (वीओजीएम)' नामक बीमारी थी, जिसमें उसके दिमाग से दिल की तरफ रक्त ले जाने वाली नसों में दिक्कत थी। स्थिति ये थी कि अगर सर्जरी नहीं की गई होती तो बच्चे की जन्म के कुछ ही देर बाद मौत भी हो सकती थी।

क्या बोले ब्रेन सर्जरी करने वाले डॉक्टर

यह मुश्किल सर्जरी अमेरिका के बोस्टन में ब्रिगम एंड वूमेन हॉस्पिटल एंड बोस्टन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में की गई। सर्जरी करने वाले डॉक्टर डेरेन ओरबाक ने बताया कि 'बच्चे के जन्म के तुरंत बाद उसके दिमाग में कोई गंभीर चोट लग सकती थी या फिर उसे दिल का दौरा पड़ सकता था। यही वजह है कि गर्भ में ही बच्चे की ब्रेन सर्जरी करने का फैसला किया गया।'

क्या है ये वीओजीएम नामक बीमारी?

डॉक्टरों ने बताया कि 'वीनस आफ गालेन मालफार्मेशन (वीओजीएम)' नामक बीमारी दिमाग की नसों की एक दुर्लभ बीमारी है। आमतौर पर रक्त दिमाग से कोशिकाओं से होता हुआ नसों में पहुंचता है। कोशिकाएं पतली होती हैं और ये रक्त के प्रवाह को धीरे करती हैं, जिससे नसों में रक्त आराम से पहुंचता है। जिस बच्चे की गर्भ में ही सर्जरी की गई, उसमें वीओजीएम बीमारी की वजह से कोशिकाएं सही तरीके से विकसित नहीं हो पाईं थी, जिसकी वजह से उसके दिमाग से सीधे नसों में रक्त का प्रवाह हो रहा था। इससे दिमाग में चोट लगने, नसों में गड़बड़ी होने या फिर दिल का दौरा पड़ने का खतरा पैदा हो गया था। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चे के जीवित रहने की 40 प्रतिशत ही उम्मीद थी। अब डॉक्टरों ने गर्भ में बच्चे के ब्रेन की सर्जरी कर उसके दिमाग में एक कृत्रिम कोशिकाएं इंप्लांट कर दी हैं, जो कि उसके दिमाग में कोशिकाओं का काम करेगी। डॉक्टरों ने गर्भावस्था के 34वें हफ्ते में यह सर्जरी की है, यह अपने तरह की दुनिया में पहली सर्जरी है।

जापान में फिर कांपी धरती

6.2 की तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए

टोक्यो, 5 मई (एजेंसियां)। जापान में होंशू के पश्चिमी तट के पास शुक्रवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया था। इस बात की जानकारी यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने दी। भूकंप शुक्रवार को 8.7 किमी की गहराई पर स्थानीय समयनुसार दिन के 2.42 बजे आई। यूएसजीएस के अनुसार भूकंप का केंद्र 37.540° उत्तर और 137.305° पूर्व था।

अधिकारियों के अनुसार, अभी तक सूनामी से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जापान सागर के तट इशिकावा प्रीफेक्चर में लंबे झटके अनुभव किए गए। इन झटको ने ऊंची इमारतों को हिला कर रख दिया। वहीं सुजु शहर में तीसरी श्रेणी के झटके महसूस किए गए। भूकंप की वजह से लोगों को मामूली नुकसान का सामना करना पड़ा है। फिलहाल अधिकारियों द्वारा विस्तृत तौर पर परिक्षण किया जा रहा है।

बिना पूरी तैयारी के फिर राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का एलान कर दिया जो बाइडन ने?

वॉशिंगटन, 5 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2024 के चुनाव में फिर से उम्मीदवार बनने का एलान तो कर दिया है, लेकिन उसके लिए उनकी तैयारी फिलहाल कमजोर दिख रही है। मीडिया रिपोर्टों में बाइडन के दोबारा चुनाव लड़ने संबंधी तैयारी की तुलना 2012 के चुनाव से पहले तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा की तैयारियों से की गई है। 2011 में मई तक ओबामा की तैयारियां जोर पकड़ चुकी थीं। डेमोक्रेटिक पार्टी के ओबामा दोबारा निर्वाचित होने वाले अब तक आखिरी राष्ट्रपति थे। उनके बाद राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं जीत सके। वेबसाइट एक्सियोस.कॉम ने अपने एक विश्लेषण में कहा है कि बाइडन ने बिना अपनी प्रचार टीम बनाए दोबारा मैदान में उतरने का एलान कर दिया है। उनके पास वैसा संगठन नहीं है, जो पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप का मुकाबला कर सके। ट्रंप ने अपनी उम्मीदवारी का एलान छह महीने पहले कर दिया था। इस वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक 'बाइडन 2024' कैंपेन टीम में अभी सिर्फ दो पूर्णकालिक कर्मचारी हैं। कैंपेन मैनेजर के रूप में जूली शावेज रोड्रिग्ज को नियुक्त किया गया है। लेकिन अभी दो और हफ्तों तक ये जिम्मेदारी नहीं संभाल सकेंगी। जानकारों के मुताबिक इसलिए 'बाइडन 2024' कैंपेन टीम में निर्णय लेने की प्रक्रिया पूरी तरह ठहरी हुई है। बीते 25 अप्रैल को बाइडन के दोबारा चुनाव लड़ने की घोषणा करने के तुरंत बाद ब्लूमबर्ग ने खबर दी थी कि बाइडन की टीम तुरंत चंदा जुटाने का अभियान शुरू करने जा रही है। लेकिन एक हफ्ता गुजरने के बाद तक इस बारे में कोई सूचना नहीं है कि टीम ने कितना चंदा इकट्ठा किया है। इस बारे में पूछने पर कैंपेन टीम के प्रवक्ता ने वेबसाइट एक्सियोस कहा कि इस बारे में ब्योरा जून के अंत में जारी किया जाएगा। जानकारों के मुताबिक ऐसा लगता है कि बाइडन चंदे और कर्मचारियों के लिए अपनी पार्टी पर निर्भर हैं। जबकि अमेरिका आम तौर पर उम्मीदवार अपनी टीम बना कर काम आगे बढ़ाते हैं। बाइडन की टीम ने अभी तक यह एलान नहीं किया है कि उसकी तरफ से चंदा जुटने वाली टीम का नेतृत्व कौन करेगा।

विश्लेषकों के मुताबिक बाइडन की टीम अभी चंदे के बारे में ब्योरा देने से इनकार कर रही है, जबकि चार साल पहले बाइडन के उम्मीदवारी की घोषणा करने के 24 घंटों के अंदर ऊनकी टीम ने 63 लाख डॉलर का चंदा जुटा लेने की जानकारी दे दी थी। मीडिया टिप्पणियों में कहा गया है कि बाइडन और डेमोक्रेटिक पार्टी इस बार ट्रंप की कमजोरियों पर अधिक निर्भर करते दिख रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि गर्भपात अधिकार जैसे मुद्दों पर ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी के विरोधी रुख के कारण डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक और प्रगतिशील मतदाता बाइडन के पक्ष में खुद गोलबंद होंगे।

सर्बियाई शहर के पास गोलीबारी

आठ लोगों की मौत और करीब 10 के घायल होने की खबर

बेलग्रेड, 5 मई (एजेंसियां)। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड से लगभग 60 किलोमीटर दक्षिण में एक सर्बियाई शहर के पास गोलीबारी हुई है। इस दौरान आठ लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। इससे पहले बुधवार को एक 13 वर्षीय छात्र ने बेलग्रेड प्राथमिक विद्यालय में गोलीबारी कर दी थी। इस दौरान आठ छात्रों और एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई थी। वहीं, म्लाडेनोवैक में ही एक ग्रामीण ने 13 रिश्तेदारों और पड़ोसियों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

चलती गाड़ी से बरसाईं गोलियां

ताजा गोलीबारी म्लाडेनोवाक के पास उस समय हुई, जब हमलावर ने चलती गाड़ी से स्वचालित हथियार से गोलियां चलाईं। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस हमलावर की तलाश कर रही है। दरअसल, तीन मई को सर्बिया के एक स्कूल में एक किशोर छात्र द्वारा गोलीबारी करने की खबर आई थी। गोलीबारी सेंट्रल बेलग्राड के व्लादिस्लाव रिबनिकर स्कूल में यह घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे हुई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी स्कूल में सातवीं कक्षा में पढ़ने वाला छात्र था, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। आरोपी 14 साल का किशोर है, जिसने अपने पिता की बंदूक से अन्य छात्रों पर गोलीबारी की थी। घटना में पांच लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर है।

सर्बिया में बंदूकों का लाइसेंस पाने के लिए नियम कड़े

सर्बिया में इस तरह गोलीबारी की घटना दुर्लभ है, क्योंकि सर्बिया में बंदूकों का लाइसेंस पाने के लिए कड़े नियम हैं। हालांकि पश्चिमी बाल्कन में 90 के दशक में हुई लड़ाई के चलते वहां भारी संख्या में अवैध हथियार हैं।

कुरान रखने पर उइगर मुसलमानों को चरमपंथी बता रहा चीन

बीजिंग, 5 मई (एजेंसियां)। चीन में उईगर मुसलमानों के हालात और खराब होते जा रहे हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच की नई रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों को कुरान रखने या मोबाइल में धार्मिक फोटो या वीडियो रखने पर भी 'हिंसक चरमपंथी' करार दिया जा रहा है। चीनी अधिकारियों ने उइगरों के फोन की निगरानी शुरू कर दी है।

50 हजार फाइल्स को खतरनाक बताया गया है। इन फाइलों में 1989 के तियानमेन चौक नरसंहार की जानकारी भी शामिल है, जो चीन में सबसे ज्यादा सेंसर की गई है। ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने बताया है कि चीनी पुलिस डेटाबेस से लीक हुए डेटा के विश्लेषण में पता चला है कि चीनी पुलिस अधिकतर मामलों में उईगरों के पास मौजूद धार्मिक चीजों को आतंकवाद से जोड़ रही है। इस्लामी गीत भी आतंकवाद के रूप में टैग किए गए हैं।

शिनजियांग में उइगरों को टॉर्चर किया जा रहा

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट में कहा गया कि शिनजियांग में उइगरों को बंधक बनाकर टॉर्चर किया जा रहा है। उन्हें हिरासत में रखा जा रहा है। जबरन मेडिकल ट्रीटमेंट कराया जा रहा है। उनके अंग निकालकर ब्लैक मार्केट में बेचे जा रहे हैं। इन लोगों के साथ जेंडर और सेक्शुअल वायलेंस भी हो रहा है।

उइगर मुस्लिमों की जबरन नसबंदी

चीनी सरकार के अधिकारी डिटेंशन सेंटर में अल्पसंख्यकों को कैद करके रखते हैं। यहां उन्हें जबरन दवाइयां देते हैं। उन पर परिवार नियोजन और बर्थ कंट्रोल नीतियों की भेदभावपूर्ण नीति लागू की जाती है।

चीनी युवाओं की उइगर मुस्लिम लड़कियों से जबरन शादी

उइगर मुस्लिमों के विरोध को दबाने का बड़ा दांव चला है। यहां की उइगर मुस्लिम आबादी की पहचान को खत्म करने के लिए उइगर लड़कियों की जबरन शादी चीनी युवाओं से कराई जा रही है। चीन के हान समुदाय के युवाओं को शादी के लिए विशेष भत्ते दिए जा रहे हैं। वॉशिंगटन के उइगर ह्यूमन राइट प्रोजेक्ट (यूएचआरपी) के मुताबिक, कोई उइगर लड़की जबरन शादी का विरोध करती है तो उसके पेरेंट्स को जेल में डाल दिया जाता है।

तो अब चीन में सबको डिजिटल करेंसी में ही मिलेगी सैलरी!

बीजिंग, 5 मई (एजेंसियां)। अब चीन में और अधिक संख्या में सरकारी कर्मचारियों को पूरी सैलरी डिजिटल करेंसी में मिलेगी। अभी तक सिर्फ कुछ बैंक कर्मचारियों को ही उनकी सारी तनख्वाह का भुगतान डिजिटल युआन (चीन की मुद्रा) में किया जा रहा था। चीन सरकार ने अब डिजिटल करेंसी को प्रोत्साहित करने को अपनी प्राथमिकता बना ली है। इसके लिए विभिन्न प्रांतों को क्रमिक रूप से सारा भुगतान डिजिटल मुद्रा में करने को कहा गया है। जियांसु प्रांत के शहर चांगशू शहर में इसी महीने से सार्वजनिक क्षेत्र के सभी कर्मचारियों की सैलरी डिजिटल रूप में ट्रांसफर की जाएगी। ढाई साल पहले चीन डिजिटल करेंसी लॉन्च करने वाला दुनिया का पहला देश बना था।

सीएम के गढ़ में पायलट का शक्ति प्रदर्शन आज

मंत्री हेमाराम चौधरी ने गहलोत को नहीं सचिन को बुलाया

बाड़मेर, 5 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गढ़ माने जाने वाले मारवाड़ के बाड़मेर में छह मई को पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की आवाज गूंजती हुई सुनाई देगी। बाड़मेर शहर के आदर्श स्टेडियम में आयोजित होने वाली बड़ी जनसभा में 20 हजार लोगों के साथ पायलट शक्ति प्रदर्शन करेंगे।

सचिन पायलट के सबसे बड़े समर्थक वन एवं पर्यावरण मंत्री और गुड़ामालानी विधायक हेमाराम चौधरी पिछले कई दिनों से पायलट की सभा को सफल बनाने के लिए जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं। खास बात यह है कि गहलोत सरकार में मंत्री होने के बावजूद सीएम गहलोत को नहीं पायलट को सभा में बुलाया गया है।

पांच साल बाद बाड़मेर में किसी जनसभा को संबोधित करेंगे पायलट

सचिन पायलट इससे पूर्व बाड़मेर के पचपदरा में करीब पांच साल पहले आयोजित जनसभा में शामिल हुए थे। उस समय वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे। तब उनके साथ बड़े नेताओं की एक फेहरिस्त चल रही थी, लेकिन इस बार देखने वाली बात होगी की मुख्यमंत्री गहलोत के गढ़ में पायलट और हेमाराम चौधरी भीड़ जुटाने में कितना कामयाब हो पाते हैं।

जिले के 6 में से 5 विधायक गहलोत गुट के हैं

बाड़मेर जिले में कांग्रेस पार्टी के छह विधायक हैं। इनमें गुडामालानी से हेमाराम चौधरी को छोड़कर बाकी पांचों विधायक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खेमे के माने जाते हैं। कुछ समय पहले पायलट के बालोतरा निजी दौरे के दौरान कांग्रेस के नेताओं ने दूरी बना ली थी। हेमाराम चौधरी के अलावा कोई भी विधायक या बड़ा नेता उनके साथ नजर नहीं आया था।

गहलोत के जसरासर किसान सम्मेलन का काउंटर

वैसे तो यह एक होस्टल भवन का उद्घाटन कार्यक्रम है, लेकिन सचिन पायलट के शामिल होने कारण इस आयोजन के बड़े सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। बीकानेर के जसरासर में किसान सभा में अशोक गहलोत के शामिल होने के बाद इस आयोजन को सचिन पायलट का एक पश्चिमी राजस्थान में चुनावी शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। बीकानेर का सम्मेलन एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड अध्यक्ष और पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी ने आयोजित किया था। किसान सम्मलेन में अशोक गहलोत के शामिल होने को चुनावों से पहले जाट वोटबैंक साधने के लिए एक मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा था, क्योंकि रामेश्वर डूडी जाट समाज के बड़े नेता गिने जाते हैं।

साथ ही माना तो यह भी जा रहा था कि गहलोत और डूडी के रिश्तों में जमी बर्फ अब पिघल चुकी है, क्योंकि खुद रामेश्वर डूडी आरसीए चुनावों के दौरान अशोक गहलोत और उनके बेटे वैभव गहलोत के खिलाफ लगातार मुखर रहे थे। ऐसे में बाड़मेर के बड़े जाट नेता हेमाराम चौधरी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सचिन पायलट का शामिल होना और गहलोत को नहीं बुलाया जाना ना केवल जाट वोट बैंक साधने के लिए एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है, बल्कि इसे अशोक गहलोत की जसरासर किसान सभा का काउंटर भी कहा जा रहा है।

हार्डकोर बदमाश भानी नाथ उर्फ भानीडा गिरफ्तार, एक बोलेरो कैंपर जब्त

चूरू, 5 मई (एजेंसियां)। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना सरदारशहर पुलिस द्वारा उनके यहां दर्ज एक आपराधिक मामले में फरार चल रहे बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ थाने के हिस्ट्रीशीटर और हार्डकोर अपराधी भानी नाथ उर्फ भानीडा पुत्र रामू नाथ सिद्ध (30) निवासी मोमासर बास श्रीडूंगरगढ़ को थाना क्षेत्र के धोलीया कुंआ इलाके से गिरफ्तार कर एक बोलेरो कैंपर बरामद की है। एसपी राजेश कुमार मीना ने बताया कि एडीजी क्राइम दिनेश एमएन एवं आईजी रेंज ओमप्रकाश आदतन एवं संगठित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत एएसपी राजेंद्र कुमार मीणा व सीओ सरदारशहर नरेंद्र कुमार के सुपरविजन में टीम गठित की गई। हार्डकोर क्रिमिनल भानी नाथ उर्फ भानीडा थाना सरदारशहर में दर्ज एक अपराधिक मामले में फरार चल रहा था।

टाइगर की अठखेलियां देखने पहुंचीं प्रियंका गांधी, चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

सवाई माधोपुर, 5 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बीती देर रात भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जयपुर से सड़क मार्ग से सवाई माधोपुर पहुंचीं। प्रियंका यहां रणथम्भौर स्थित पांच सितारा होटल में ठहरी हैं। उनका यहां सात मई तक रुकने का कार्यक्रम बताया जा रहा है।

प्रियंका गांधी वाड्रा रणथम्भौर नेशनल टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी करेंगी और टाइगर समेत वन्यजीवों की अठखेलियां भी देखेंगी। जानकारी के अनुसार कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा अपने निजी कार्यक्रम के तहत रणथम्भौर दौरे पर पहुंची हैं। वे यहां रणथंभौर नेशनल पार्क से सटे क्षेत्र स्थित होटल शेर बाग में रुकी हैं। उनके साथ परिवार के सदस्य और मित्र भी दौरे पर पहुंचे हैं।

रणथम्भौर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

भारी पुलिस लवाजमे के बीच प्रियंका गांधी वाड्रा को होटल पहुंचाया गया। प्रियंका गांधी के दौरे को देखते हुए चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है।

सुरक्षा की दृष्टि से होटल के आसपास के क्षेत्र में भी पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है।

सांसद किरोड़ी लाल मीणा, बीजेपी और बजरंग दल पर नजर

सूत्र बताते हैं कि कर्नाटक में बजरंग दल पर बैन लगाने की बात चुनाव के दौरान कहने के बाद कांग्रेस पर बीजेपी लगातार आक्रामक हो रही है। प्रियंका गांधी वाड्रा के रणथम्भौर दौरे के दौरान बीजेपी, बजरंग दल या सांसद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। प्रियंका गांधी को काले झंडे दिखाए जाने की संभावनाओं के भी इनपुट्स हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई है। चुनावी साल को देखते हुए गहलोत सरकार कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव को अपने प्रदेश में पूरा प्रोटेक्शन देकर चल रही है। सूत्र यह भी बताते हैं कि डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा, बजरंग दल और बीजेपी के संगठनों के मूवमेंट पर इंटेलिजेंस एजेंसियों की पूरी नजर है।

अजमेर में डीजे पर कुत्ते को बेरहमी से नचाया

शादी में 3 युवक टांग पकड़ हवा में उछालते रहे पुलिसवालों को धमकाया

अजमेर, 5 मई (एजेंसियां)। एक शादी में कुत्ते से बेरहमी का वीडियो सामने आया है। तीन युवक अपने ही पालतू कुत्ते को पहले डीजे पर डांस करवाते हैं और इसके बाद इसकी टांग पकड़ उसके साथ बेरहमी पर उतर आते हैं। मामला अजमेर के श्रीनगर थाना क्षेत्र के नोलखा गांव का है। वीडियो अप्रैल का बताया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तीनों गुरुवार शाम गिरफ्तार किया। जिन्हें शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

ये था पूरा मामला श्रीनगर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि 4 मई 2023 को सोशल मीडिया ये वीडियो मिला था। इसमें तीन युवक शादी में डीजे पर एक कुत्ते को जबरदस्ती नचा रहे थे। इसकी जांच की तो पता चला ये तीनों युवक शेर सिंह (23) पुत्र रामकरण, फूल सिंह (25) पुत्र हुकुम सिंह सहित राम सिंह (30) पुत्र उगम सिंह नोलखा गांव के रहने वाले हैं। इस पर पुलिसकर्मियों की टीम को समझाइश के लिए गांव भेजा था, लेकिन वहां जब उलझने लगे तो पुलिस तीनों को शांति भंग के आरोपी में थाने लेकर आई और गिरफ्तार किया।

बेरहमी से कुत्ते को डीजे पर नचवा रहे थे

थाना प्रभारी ने बताया कि ये कुत्ता शेर सिंह का पालतू है। शेरसिंह से पूछताछ की तो सामने आया कि 21 अप्रैल को परिवार में शादी थी। इसी दौरान शेर सिंह अपने कुत्ते को डीजे फ्लोर पर लेकर आया और दोनों टांगे पकड़ उसे बेरहमी से डांस करवाने लगा। इस दौरान वह कुत्ते की टांग पकड़ उसे घुमाने लगा। तभी फूल सिंह और राम सिंह भी वहां पहुंचते हैं और कुत्ते की टांगे पकड़ ऊपर उठा लेते हैं। इसके बाद वह उसे हवा में उछालने लगते हैं। थाना अधिकारी ने बताया कि तीनों मजदूरी करते हैं।

'जनता कह रही गहलोत को चौथी बार सीएम बनाकर रहेंगे'

मंत्री मालवीय बोले-हमारा बस चले तो आज ही गहलोत के नाम पर वोट पड़वा लें

बांसवाड़ा, 5 मई (एजेंसियां)। आदिवासी इलाके में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का महंगाई राहत कैंपों के दौरे में सियासी शक्ति प्रदर्शन की झलक मिलनी शुरू हो गई है। गहलोत समर्थक मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय ने खुलकर अशोक गहलोत को चौथी बार सीएम बनाने की मांग उठाकर सियासी चर्चाएं छेड़ दी हैं। मालवीय ने तो यहां तक कह दिया उनका बस चले तो आज ही गहलोत के नाम की वोटिंग करवा लें। मालवीय बांसवाड़ा जिले में महंगाई राहत कैंप के बाद सीएम की सभा में बोल रहे थे। मंत्री मालवीय ने कहा- आदिवासी समाज ने सीएम गहलोत को चौथी बार मुख्यमंत्री बनाने का वादा किया है। यहां की जनता कह रही है कि हम आपको चौथी बार मुख्यमंत्री बनाकर ही रहेंगे।

मालवीय ने स्थानीय भाषा में कहा- विरोधी पार्टी के लोग कितनी बातें कर लें लेकिन वोट कांग्रेस को देना है। वोट चाहे अर्जुन बामणिया को दोगे तो भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही बनेंगे। महेंद्रजीत मालवीय को वोट दोगे तो भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बनेंगे। मैं पांच साल मंत्री बनूंगा। मालवीय ने सभा में जनता से कहा- ताली के साथ वोट भी देना। अगर बीजेपी का राज आ गया तो ये पांच सौ में गैस की टंकी, पेंशन , बीमा वगैरह कुछ नहीं मिलगा। बीजेपी आते ही सब बंद कर देगी। इन सब स्कीम्स को जारी रखना है तो वोट देना होगा। ऐसा नहीं हो कि खाए किसी का और गीत किसी और के गाएं। आदिवासी इलाके में बांसवाड़ा के अंबापुरा में हुई सीएम गहलोत की सभा में दो धुर विरोधी मंत्री अर्जुन बामणिया और महेंद्रजीत सिंह मालवीय चुनाव से पहले सियासी कुटुता छोड़कर एक नजर आए। इस इलाके में मालवीय और बामणिया के बीच वर्चस्व की जंग चलती है, लेकिन बामणिया के इलाके में हुई सभा में मालवीय ने सीएम की सभा में उनकी तारीफ करके कटुता मिटाने का मैसेज दिया।

कांग्रेस में अशोक गहलोत को चौथी बार सीएम बनाने का नारा सियासी खींचतान बढ़ाने वाला माना जा रहा है। सचिन पायलट खेमा इसका विरोध कर रहा है। चुनावों से पहले चेहरों की लड़ाई फिर शुरू हो गई है। मालवीय से पहले कई गहलोत समर्थक मंत्री विधायक भी इसी तरह के बयान दे चुके हैं। महंगाई राहत कैंप की सभा में गहलोत को चौथी बार सीएम बनाने की खुलकर आवाज उठाने को गहलोत के शक्ति प्रदर्शन से जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि गहलोत की आदिवासी इलाके में हुई इस सभा से स्थानीय नेताओं के मतभेद दूर करने का मैसेज भले चले जाए लेकिन टॉप लेवल भारी खींचतान होने की आहट शुरू हो गई है। महंगाई राहत कैंप सरकारी कार्यक्रम हैं, लेकिन इसके बाद होने वाली सभाएं राजनीतिक कार्यक्रम होते हैं। इस कार्यक्रम को डिजाइन इस तरह किया है कि महंगाई राहत कैंप के सरकारी कार्यक्रम के बगल में ही सीएम की सभा रखकर लाभार्थी सम्मेलन कर लिया जाता है।

युवक को पीटने वाले दो भाई गिरफ्तार, जेल भेजा

कोटा, 5 मई (एजेंसियां)। जिले के कैथून थाना क्षेत्र में युवती से छेड़छाड़ करने के आरोप में युवक की बेरहमी से पिटाई करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जांच अधिकारी गोपाल सिंह ने बताया कि युवक की पिटाई के आरोप में सत्यनारायण (50) उसके भाई जोधराज (47) को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने के आदेश दिए। मामले की जांच जारी है।

इस मामले में ग्रामीण एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने कहना है कि वायरल वीडियो की शिकायत पर मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच के बाद बाकी आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। ये था मामला 30 अप्रैल को युवक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें धूलेट निवासी गोलू (19) कुछ महिलाएं व युवतियां पिटाई करती हुई नजर आ रही थी। वायरल वीडियो 23 अप्रैल का था। युवक नर्सिंग की पढ़ाई करनी वाली 19 साल की युवती को लंबे समय से परेशान कर रहा था। उसके मोबाइल पर मैसेज करता था। तंग आकर उसने मार्च के महीने में कोटा के कुन्हाड़ी थाने शिकायत दी थी। जब नर्सिंग स्टूडेंट अपने गांव शंकरपुरा तेजपुर आई तो युवक उसके गांव आ गया। इसी गांव में युवक का ननिहाल है।23 अप्रैल को युवक,नर्सिंग स्टूडेंट के घर पहुंच गया। परिवार वालो ने युवक को पकड़कर बेरहमी से पिटाई की।

14 जिलों में तेज बारिश-आंधी का अलर्ट

30 कि.मी. की रफ्तार से चली हवा; दो दिन बाद से असर दिखाएगी गर्मी

जयपुर, 5 मई (एजेंसियां)। उत्तर भारत में सक्रिय हुए वेर्स्टन डिर्स्टबेंस के कारण राजस्थान के उत्तरी हिस्से में फिर से बारिश-आंधी का दौर शुरू हो गया है। बीती रात गंगानगर, बीकानेर एरिया में बारिश के साथ ओले गिरे। इस सिस्टम का असर 6 मई तक राज्य में रहेगा। आंधी-बारिश का दौर चलेगा। आज भी 14 जिलों में बारिश की संभावना है।

7 मई से राज्य में मौसम पूरी तरह शुष्क हो जाएगा। गर्मी बढ़ने लगेगी। संभावना है कि अगले सप्ताह राज्य में कुछ जगहों पर दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर चला जाएगा। मौसम केन्द्र जयपुर और स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक कल देर रात पाकिस्तान बॉर्डर से लगते एरिया में 30 किलोमीटर रफ्तार के साथ आंधी चली। हल्की बारिश के साथ ओले भी गिरे। इस सिस्टम के कारण कल जैसलमेर, दौसा, जयपुर, बाड़मेर और जोधपुर में भी बारिश हुई। बारिश और आंधी के कारण चूरू, अलवर, जयपुर में रात का तापमान एक से दो डिग्री सेल्सियस गिर गया।

इन जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम केन्द्र जयपुर ने आज अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, सवाई माधोपुर, सीकर, चूरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर, नागौर और गंगानगर जिलों में 30-40 किलोमीटर स्पीड से तेज हवाएं चलने और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। 6 मई को अलवर, भरतपुर, दौसा, जयपुर, झुंझुनूं, सीकर, चूरू, हनुमानगढ़, नागौर और गंगानगर में आंधी-बारिश का येल्लो अलर्ट जारी किया है।

अधिकारियों की लापरवाही से पंचायती राज के 10 हजार करोड़ अटके

सरपंचों को करना होगा छह माह इंतजार

जैसलमेर, 5 मई (एजेंसियां)। जैसलमेर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर इन दिनों जिले की समस्त पंचायत समितियों के सरपंचों द्वारा लापरवाही का आरोप लगाया जा रहा है। लापरवाही की वजह से जिले की सात पंचायत समितियों के सरपंचों के साथ आमजन को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

सरपंचों के साथ सीईओ पर मंत्री ने भी लगाए आरोप

सरपंचों के साथ अल्पसंख्यक मामलात मंत्री सालेह मोहम्मद ने भी सीईओ पर कार्य के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। इसका खामियाजा सातों पंचायत समितियों के सरपंचों और आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने सीईओ पर आरोप लगाया कि मनरेगा की निर्माण सामग्री के भुगतान का सीईओ द्वारा समय पर सत्यापन नहीं किया गया। सातों पंचायत समितियों में एसएफसी, टीएफसी और विधायक मद से होने वाले कार्यों का भी सत्यापन नहीं किया गया है।

10 हजार करोड़ रुपये का अटका भुगतान

दो साल से 10 हजार करोड़ रुपये का भुगतान अटका पड़ा है। ऐसे में स्थानीय लोगों को धरातल तक सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि जहां एक अधिकारी की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा है। वहीं, दूसरी ओर सरपंच भी पिछले दो सालों से अधिकारी के आगे पीछे चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन अधिकारी की लापरवाही के कारण दो साल से यह 10 हजार करोड़ रुपये अटका पड़ा है। वहीं, इन सरपंचों को और आगामी छह माह तक यह भुगतान पाने के लिए परेशान होना पड़ेगा।

पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या, जंगल में मिला शव

धौलपुर, 5 मई (एजेंसियां)। धौलपुर के सरमथुरा थाना क्षेत्र के सुनकई गांव के पास चिलोंधा पोखर के बगल में 28 साल के युवक का शव जंगल में मिलने से सनसनी फैल गई। शव को देख स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर डेड बॉडी की शिनाख्त कर घटना से परिजनों को अवगत कराया। डेड बॉडी को कब्जे में लेकर पुलिस ने राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवा दिया है। सरमथुरा थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा ने बताया शुक्रवार को स्थानीय पुलिस को ग्रामीणों ने सूचना दी कि युवक का शव जंगल में सिर कुचली हुई अवस्था में पड़ा है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दी विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी

जयपुर, 5 मई (एजेंसियां)। अजमेर के मसूदा, चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा तथा नागौर के नावां में नवीन राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय खोले जाएंगे। नवीन महाविद्यालयों के संचालन के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 17.70 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रावधान को मंजूरी दी है।

साथ ही, प्रत्येक महाविद्यालय के लिए 24 नवीन पदों के सृजन को भी मंजूरी दी है। इन पदों में, प्रत्येक महाविद्यालय में प्राचार्य, उप-प्राचार्य, प्रोफेसर का एक-एक पद, एसोसिएट प्रोफेसर के 2 पद, सहायक प्रोफेसर के 3 पद, ट्यूटर के 8 पद, एक्सीक्यूटिव असिस्टेंट के 7 पद, सहायक पुस्कालयाध्यक्ष का एक पद शामिल हैं। प्रत्येक महाविद्यालय के लिए मल्टी टास्किंग स्टाफ के 10 पदों पर एजेंसी के माध्यम से तथा सिक्योरिटी गार्ड के 10 पदों पर राजस्थान एक्स-सर्विसमैन कॉर्पोरेशन लि. (रेक्सको) के माध्यम से सेवाएं ली जाएंगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2023-24 के बजट में नवीन राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय खोले जाने की घोषणा की गई थी।

केरी तोड़ने के विवाद को लेकर युवक की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या

कोटा, 5 मई (एजेंसियां)। कोटा ग्रामीण के सांगोद थाना क्षेत्र के रोलाना गांव में खेत से कैरी तोड़ने को लेकर हुए मामूली विवाद में ग्रामीणों ने एक 35 वर्षीय युवक की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। बाइक पर आए आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने युवक को गांव में ले जाकर वारदात को अंजाम दिया पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। सांगोद थाना पुलिस के अनुसार युवक सूरज करण पुत्र अमर लाल मीणा गांव विनोद कला गांव का रहने वाला था जो शाम को अर्जुन ,करण, महावीर दोस्तो के साथ भैस को तलाश करने के लिए अपने खेत रोलाना की ओर गया हुआ था जहां सूरत करण ने नंद लाल बेरवा के खेत में लगे पेड़ से केरी तोड़ दी इस बात को लेकर नंदलाल ओर सूरज करण में विवाद हो गया था।

भाई की स्मृति में बहन ने बनाया हॉस्टल

गरीब बच्चों को मिलेगी बेहतर शिक्षा, सचिन पायलट करेंगे उद्घाटन

बाड़मेर, 5 मई (एजेंसियां)। बहन ने अपने भाई की स्मृति में 25 करोड़ की लागत से अहमदाबाद के सरदार धाम की तर्ज पर 25 करोड़ की लागत से एक भव्य अत्याधुनिक हॉस्टल का निर्माण कर मिसाल पेश की है। तीन बीघा जमीन पर निर्मित इस हॉस्टल में गरीब और असहाय बच्चों के पढ़ने के लिए बेहतरीन व्यवस्थाएं की गई हैं। इसमें लिफ्ट से लेकर अटैच लैट-बाथ तक शामिल हैं। इसके उद्घाटन के लिए पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को छह मई को बाड़मेर बुलाया है। साथ ही चुनावी माहौल में पायलट की बड़ी जनसभा भी रखी गई है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट करेंगे उद्घाटन

वन और पर्यावरण मंत्री हेमाराम चौधरी की बेटी सुनीता ने अपने भाई वीरेंद्र चौधरी की याद में यह हॉस्टल बनाया है। इसलिए इसका नाम भी वीरेंद्र धाम रखा है। खास बात यह है कि अहमदाबाद के सरदार धाम की तर्ज पर इसे बनाया गया है। कैबिनेट मंत्री के इकलौते बेटे की 2015 में मौत हो गई थी, इसके बाद उनकी बेटी सुनीता चौधरी ने भाई वीरेंद्र की याद में शिक्षा के जगत में गरीब बच्चों को पढ़ाने के लिए हॉस्टल बनाने की ठानी। इसके बाद अहमदाबाद का सरदार धाम विजिट कर वहां का आइडिया लेकर होस्टल का काम शुरू करवाया। छह मई को पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को इसका उद्घाटन करने बुलाया गया है।

कैंसर से हुई थी मंत्री के बेटे की मृत्यु

दरअसल कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी के बेटे वीरेंद्र चौधरी प्रोफेसर थे। 21 मार्च 2015 को कैंसर की बीमारी के कारण उनका देहांत हो गया था। इसके बाद मंत्री ने अपने बेटे की याद को चिरस्थायी बनाने के लिए करीब 30 करोड़ रुपए की जमीन वीरेंद्र मेमोरियल ट्रस्ट के नाम कर दी और बेटी सुनीता चौधरी ने भाई वीरेंद्र चौधरी की याद में गरीब बच्चों की पढाई के लिए वीरेंद्र धाम होस्टल बनाने के उद्देश्य से काम शुरू किया और आज उसी जमीन पर 25 करोड़ की लागत से वीरेंद्र धाम बनकर तैयार है।

पांच मंजिला वीरेन्द्र धाम में कुल 86 कमरे हैं। हर कमरे में अटैच लेट बाथ हैं। बाथरूम में गीजर भी है। कमरों में बेड, गद्दे, टेबल कुर्सी, कम्प्युटर टेबल इत्यादि सभी आधुनिक सुविधाएं है।

शर्मिला ने पेपर लीक मामले में तेलंगाना आईटी विभाग के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) नेता वाईएस शर्मिला ने टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में तेलंगाना राज्य आईटी विभाग के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने बेगम बाजार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई तथा आरोप लगाया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) प्रगति भवन (मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास) के निर्देश पर काम कर रहा है और उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। मामले में 'बड़ी मछली' के शामिल होने की आशंका जताते हुए उन्होंने आईटी मंत्री के.टी. रामाराव और विभाग के अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की।

थाने में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, मार्च 2023 में टीएसपीएससी के अध्यक्ष ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि घोटाले में गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक, मुख्य आरोपी राजशेखर रेड्डी, की टीएसपीएससी सिस्टम के आईपी तक पहुंच थी। अध्यक्ष ने यह स्पष्ट किया कि जब कोई आईपी जानता है तो कहीं से भी जानकारी प्राप्त करना आसान हो जाता है। आरोपी राजशेखर रेड्डी को अन्य आरोपी प्रवीण के साथ गिरफ्तार किया गया था जो एक अंदरूनी सूत्र था। अध्यक्ष ने यह स्पष्ट किया कि राजशेखर रेड्डी ने सिस्टम को हैक करने के लिए प्रवीण के साथ सांठगांठ की और कागजों तक पहुंच हासिल की। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी के नेता ने कहा, जब टीएसपीएससी सिस्टम को इतनी सरलता से हैक और एक्सेस किया गया है, तो आईटी विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर संदेह पैदा होता है, जिन पर अभियुक्तों के साथ मिलीभगत का संदेह है।

आईटी मंत्री ने ऑन रिकॉर्ड कहा कि यह केवल दो लोगों की करतूत है और इसके लिए किसी भी विभाग को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मंत्री के इस बयान से आम लोगों के मन में यह बात घर कर गई कि विभाग के दोषियों पर कोई मुकदमा नहीं चलेगा। न ही उनके खिलाफ कोई जांच का आदेश दिया गया। उन्होंने कहा, मंत्री स्वयं विभाग और उसके अधिकारियों की भूमिका की किसी भी जांच को हतोत्साहित कर रहे हैं। एक तरह से वह उनका बचाव कर रहे हैं जबकि यह स्पष्ट है कि प्रमाणीकरण स्तर, ओटीपी और अन्य सुरक्षा स्तरों को बाईपास किए बिना प्रश्नपत्रों तक पहुंचना असंभव था।

सीपी ने होमगार्ड के परिजनों को वित्तीय सहायता प्रदान की

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र ने मेडचल ट्रैफिक पीएस के होमगार्ड जी. श्रीनिवास के परिजनों को 11,60,000 रुपये का चेंक सौपा। होमागार्ड पिछले 25 जनवरी को एक सड़क दुर्घटना में अपनी जान गंवा चुका है। संयुक्त पुलिस आयुक्त ट्रैफिक नारायण नाइक, अतिरिक्त डीसीपी ट्रैफिक श्रीनिवास रेड्डी, एसीपी मेडचल ट्रैफिक वेंकट रेड्डी, इंस्पेक्टर नरसिम्हा रेड्डी की उपस्थिति में पीड़ित परिवार को चेक सौंपा गया। होमगार्ड जी. श्रीनिवास कांडलाकोया जंक्शन पर ड्यूटी करते समय दुर्घटना का शिकार हो गए और अस्पताल ले जाते समय उनकी मृत्यु हो गई। पीड़िता बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखता है। उनकी पत्नी और 2 बच्चे हैं। साइबराबाद सीपी स्टीफन रवींद्र, संयुक्त सीपी ट्रैफिक नारायण नाइक, आईपीएस, डीसीपी एल एंड ओ संदीप, डीसीपी मेडचल, ट्रैफिक श्रीनिवास राव, अतिरिक्त डीसीपी ट्रैफिक श्रीनिवास रेड्डी, एसीपी मेडचल ट्रैफिक वेंकट रेड्डी, इंस्पेक्टर नरसिम्हा रेड्डी और सभी अधिकारियों ने अस्पताल का दौरा किया और गहरी संवेदना व्यक्त की। तत्पश्चात वरिष्ठ अधिकारियों की सहमति से साइबराबाद पुलिस की ओर से उनके परिवार के सदस्यों के लिए चंदा एकत्र करना शुरू किया और रुपये एकत्र किए। मेडचल ट्रैफिक एसएचओ बी.एन.एस. रेड्डी ने पीड़ित मां को एक साल तक 2500 प्रति माह देने की घोषणा की है।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल ने अनाथाश्रम को आवश्यक सामग्री भेंट की

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा वृद्धाश्रमों, अनाथाश्रमों में रह रहे बन्धुओं की सुविधा हेतु चलाई जा रही अपनी सेवा योजना के अंतर्गत उप्पल स्थित मातृ अभय फाउंडेशन को उनकी आवश्यकतानुसार, आवश्यक सामान भेंट किए। सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा चलाई जा रही सेवा योजनाओं के अंतर्गत लगभग एक लाख रुपये की लागत से, मातृ अभय फाउंडेशन को उसकी आवश्यकता अनुसार डीप फ्रिज, वाशिंग मशीन, सिलाई मशीन, चार पंखें तथा चार अलमारी आदि प्रदान किये गए! इस अवसर पर सेवा दल के संयोजक श्री रतन गुप्ता, कैलाश केडिया, संजय पंसारी तथा मातृ अभय फाउंडेशन के प्रबंधक रमेश उपस्थित थे। पित्ती ट्रस्ट के चेयरमेन तथा सेवा दल के परामर्शदाता श्री शरद ब पित्ती ने बताया कि पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा नियमित रूप से अनाथालयों तथा वृद्धाश्रमों का दौरा कर उनकी जरूरतों का पता लगाने के बाद उन्हें उनकी आवश्यकता अनुसार पंखे, कूलर, फ्रिज, अलमारी, पलंग, टीवी, कंप्यूटर, सिलाई मशीन, वाशिंग मशीन आदि प्रदान किये जाते हैं।

रिक्शा चालक की बेटी भी बनी कलेक्टर : डॉ. राजेन्द्र सिंह

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोल्कोण्डा गवर्नमेंट महिला डिग्री कॉलेज में डिआरसी मीटिंग सम्पन्न हुई जिसमें हैदराबाद के लगभग सभी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल्स ने भाग लिया। कमीशनेरेट हायर एजुकेशन के ज्वाइन डायरेक्टरद्वय डॉ. जी यादगिरी एवं डॉ. डीआरएस राजेन्द्र सिंह बतौर मुख्य अतिथि रहे। गोल्कोण्डा गवर्नमेंट महिला डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ के श्रीनिवास राजु ने सभा की अध्यक्षता की। इस अवसर पर डॉ. राजेन्द्र सिंह ने कहा कि पुराने शहर के इस छोर पर अधिक संख्या में महिला विद्यार्थी पढ़ने के लिए सामने यह बहुत बड़ी खुशी की बात है। अब जमाना तेजी से बदल रहा, हिन्दुस्तान तरक्की की रफ़्तार पकड़ चुका है। रिक्शा चालक की बेटी भी कलेक्टर बनी है तो जरा सोचें हम मेहनत कर पढ़ लिख कर काबिलियत हासिल करने से क्या-क्या नहीं बन सकते। डॉक्टर, इंजीनियर, एकाउंट्स आफिसर जो चाहे बन सकते हैं। डॉ. जी. यादगिरी ने अपने संबोधन में कहा कि अब शासकीय महाविद्यालयों में गणनात्मक ही नहीं गुणनात्मक विकास होने लगा है। इस अवसर पर आईडी कालेज, खैरताबाद प्रिंसिपल डॉ. रजेन्दर, सिटी कालेज प्रिंसिपल डॉ. बाल भास्कर, नारायणगुड़ा बीजेआर कालेज प्रिंसिपल डॉ. गीता लक्ष्मी पटनायक, विद्यानगर एसवीएस कालेज के प्रिंसिपल डॉ. सुकन्या, हुसैनीआलम प्रिंसिपल डॉ. सुनिता पद्मावती, चंचलगुड़ा प्रिंसिपल डॉ वेंकटरमण के अलावा सीताफल मण्डी, नाम पल्ली आइपीजीडिसी, मलकानगिरि के प्रिंसिपल आदि ने भाग लिया। अंग्रेजी विभाग अध्यक्ष एनएस रजनीश ने मंच पर आमंत्रित किया तो हिन्दी विभागाध्यक्ष जे गंगाधर ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। अन्य प्राध्यापक डॉ मोहम्मद अनवरुद्दीन, डॉ. जयश्री, डॉ किरण कुमार, सदानंद, सुचेता, सीमा अहमद, नीरजा, यादय्या, अशोक, विजय लक्ष्मी, अजय कुमार, अज़र, फारूक, सैफुद्दीन, गफार, राजकुमार तिवारी व विजय आदि ने भाग लिया।

डायमंड किंग गोविन्दभाई ढोलकिया के नगरागमन पर स्वागत

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर की धन्यधरा पर पधारे डायमंड किंग के नाम से विख्यात श्री रामकृष्ण चेरीटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष गोविन्दभाई ढोलकिया का विभिन्न संस्थाओं की ओर से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। रंजना शाह एवं परमेश्वरी शर्मा ने बताया कि डायमन्ड किंग के नाम से दुनियाभर में मशहूर समाजसेवी गोविन्दभाई ढोलकिया की अपनी जीवनी पर आधारीत पुस्तक डायमन्ड्स आर फोंर एवर पुस्तक लोकार्पण समारोह कार्यक्रम अंतर्गत नगर पधारे है। हैदराबाद हवाई अड्डे पर गोविन्दभाई ढोलकिया का लव फॉर काऊ की ओर से चेयरमैन जसमत पटेल, श्री गुजराती बाह्मण समाज की ओर से अध्यक्ष तरूण महेता, मंत्री अजय ओझा, कमलेश याज्ञनीक, भावेश, मिश्री ओझा आदि द्वारा उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात गोविन्दभाई मोईनाबाद स्थित श्री स्वामीनारायण गुरूकुल पधारे वहां सुखवल्लभ स्वामी, धर्मजीवनदास स्वामी एवं अन्यों ने उनका स्वागत किया। इसके अलावा गुजराती प्रगति समाज के पदाधिकारी महेश पटेल, घनश्याम पटेल, स्वामीनारायण गुरूकुल के ट्रस्टी शिवलाल पटेल, चंदुलाल पटेल, श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज सिकंदराबाद के अध्यक्ष कांतीलाल गोराणी, तेलंगाना प्रादेशीक मारवाडी सम्मेलन के अध्यक्ष रमेशकुमार बंग आदि ने उनका स्वागत किया। कमलेश याज्ञनिक ने कहा कि गोविन्दभाई की जीवनी पर लिखी गयी डायमंड्स आर फोर एवर पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन टैंकबन्ड स्थित होटल मेरीयट में तेलंगाना एफ.टी.सी.सी.आई, लव फॉर काऊ फाउंडेशन, श्री पाटीदार समाज हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान मे आगामी 7 मई 2023 को सायं 6.30 बजे से किया जायेगा। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, विशेष अतिथि के रूप मे केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी भाग लेंगे।

माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री माहेश्वरी विद्यालय हाइस्कूल, पुराना कबूतरखाना में प्रतिदिन भोजन सेवा का शुभारंभ किया गया। अवसर पर भोजन वितरित करते हुए मैनेजिंग ट्रस्टी रमेश कुमार बंग, ट्रस्टी श्रीगोपाल बंग, स्कूल करेसपांडेंट श्यामसुन्दर बंग एवं अन्य।

श्री नरसिंह मंदिर में धूमधाम से मना जन्मोत्सव

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री नरसिंह मंदिर, सुलतान बाजार में मंदिर के ट्रस्टी गोविंद नारायण राठी एवं कमल नारायण अग्रवाल के नेतृत्व में भगवान नरसिम्हा स्वामी का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। वेद मंत्र द्वारा भगवान का अभिषेक किया गया। नए वस्त्रों, आभूषण और रंग बिरंगे फूलों से भागवान को सजाया गया। तत्पश्चात नरसिंह भगवान की झांकी निकाली गई।

काचीगुड़ा हनुमान मंदिर के पुजारी गणेश महाराज भगवान की वेषभूषा से भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया। गोविंद राठी ने भगवान की पूंछ मारकर भक्तों को आशीर्वाद दिया। बडी संख्या संख्या में भगवान के दर्शन का लाभ लिया। कलाकार हरीश दायमा, सुमित राठी एवं महेश जाजू ने भजन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर धर्मस्व विभाग के डिप्टी कमिश्नर श्रीराम कृष्ण, पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड, महेश बैंक चेयरमैन रमेश बंग, डॉ. मोहन गुप्ता, राजेश करवा, रघुनंदन यादव, बाबूगुरु, महेंद्र व्यास, बृजगोपाल असावा, धीरजकुमार, घनश्याम, मेघारानी, उमेश सिंघानिया, राम राठी, पवन मिश्रा को मंदिर के पुजारी रमेश चंद्र व्यास ने खंडवा एवं शाल द्वारा स्वागत किया।

आसरा पेंशन राशि के लिए मारामारी, युवक की गई जान

जगतियाल, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आसरा पेंशन राशि के लिए मारपीट ने ले ली युवक की जान जगतियाल कस्बे की विजयपुरी कॉलोनी में शुक्रवार को यह विचित्र घटना हुई। पुलिस के अनुसार एक वृद्ध महिला वजीर बी को 2000 रुपये वृद्धावस्था पेंशन मिलती थी। उसके बेटे, हयात और ताज ने राशि प्राप्त करने के लिए आपस में झगड़ा किया। दोनों को मनाकर लड़ाई को शांत करने के लिए उनके साले सैयद नईम घटनास्थल पर पहुंचे। जारी धक्का-मुक्की में, झगड़ालू भाई-बहनों ने भी नईम को दूर धकेल दिया, फलस्वरूप वह एक ढांचे के तहखाने में गिर गया और सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर जगतियाल कस्बे के सीआई रामचंदर राव ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जगतियाल अस्पताल भेज दिया गया।

पुलिस नौकरी के इच्छुक युवा ने दे दी जान

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। परीक्षा में अपने खराब प्रदर्शन से कथित रूप से परेशान, जगदगिरिगुट्टा में पुलिस की नौकरी के इच्छुक एक उम्मीदवार ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। वेंकटेश्वर नगर के रहने वाले साई किरण (26) अपने बड़े भाई की तरह पुलिस कांस्टेबल बनने की ख्वाहिश रखते थे और हाल ही में हुई पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में भी शामिल हुए थे। हालांकि, वह इसमें अपने खराब प्रदर्शन से परेशान थे। वह अपने कमरे में पंखे से लटक गया। जगदगिरीगुट्टा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीएससीएस ने रक्तदान शिविरों का आयोजन किया

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गैर-लाभकारी संगठन थैलेसीमिया सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) ने बीएचईएल, मधापुर और मैलारदेवपल्ली में रक्तदान शिविर आयोजित किए। रक्तदान शिविरों में अब तक 400 से अधिक यूनिट रक्त प्राप्त हो चुका है। अबू ऐमल (सामाजिक कार्यकर्ता) और टीएससीएस के समर्पित कर्मचारियों ने दान शिविरों में भाग लिया। रक्तदान शिविर बड़ी सफलता रही, जिसमें 400 यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित किया गया। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया के रोगियों के स्वस्थ्य प्रबंधन के लिए नियमित रक्त संक्रमण की आवश्यकता होती है। इन शिविरों में एकत्रित रक्त इन रोगियों और उनके परिवारों को राहत प्रदान करने में काफी मदद करेगा। टीएससीएस के संयुक्त सचिव अलीम बेग और टीएससीएस टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत से रक्तदान शिविरों की सफलता को संभव बनाया जा सका। जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता अबू ऐमल भी कई वर्षों से थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं और उन्होंने इन रक्तदान शिविरों के लिए समर्थन प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों में रक्तदान शिविरों के बारे में बात करते हुए डॉ. सुमन जैन, सीईओ और सचिव- टीएससीएस ने कहा, हम थैलेसीमिया रोगियों के जीवन को बचाने के लिए आगे आने वाले प्रत्येक रक्तदान कर्ता को धन्यवाद देना चाहते हैं। टीएससीएस को थैलेसीमिया के रोगियों के इलाज और हर दिन रक्त चढ़ाने के लिए यूनिट रक्त की आवश्यकता होगी। इस तरह के शिविर निश्चित रूप से टीएससीएस में मरीजों की जरूरतों को पूरा करने में सहायक होंगे।" ये शिविर इन स्थितियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ व्यक्तियों को रक्तदान करने और जरूरतमंद लोगों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने का सुअवसर सिद्ध हुए।

जैन विद्या पाठ्यक्रम प्रेरणा संगोष्ठी का आयोजन

हैदराबाद, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकन्दराबाद जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा के तत्वावधान साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी के सान्निध्य में जैन विश्व भारती लाडनूं द्वारा आयोजित, जैन विद्या पाठ्यक्रम में जुड़ने हेतु विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसअवसर पर प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए साध्वी श्री जी ने कहा कि जैनविद्या जिन्दगी का दर्शन है। हम इस शाश्वत सत्य को जानें भगवान महावीर का दर्शन उपासना नहीं आचरण प्रधान है। इस जीवनदर्शन को जीवन का अंग बनाएं। आवश्यकता है व्यक्ति ज्ञान-चेतना के साथ आचार निष्ठ बनें। ज्ञान और आचरण का समन्वय हो।

हैदराबाद केन्द्रीय व्यवस्थापिका श्रीमती सीमा नाहर ने स्वागत संभाषण प्रस्तुत किया। पदाधिकारी बहनों ने संगान किया। तेरापंथ सभा के उपाध्यक्ष लक्ष्मीपति बैद ने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य हेतु जागरुकता अपेक्षित है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के प्रभारी श्रीमान पद्मजी दुगड़ ने संगठन यात्रा हेतु शुभकामनाएं दी। कर्नाटक, तेलांगना एवं आंध्र प्रदेश की सह संयोजिका श्रीमती विमला जी कोठारी ने कहा कि साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी जैन विद्या की प्रबुद्ध साध्वी जी है। उपासिका मंजू दुगड़ ने कहा- साध्वी श्री जी का चिंतन जनमानस को विकास के पथ पर अग्रसर करने वाला है। कार्यक्रम जा संचालन श्रीमती सुमन जी सेठिया ने किया। श्रीमती यशोदा कोठारी ने आभार व्यापन किया।

नौ साल के बेटे ने थाने में की पिता के खिलाफ शिकायत

मां को पीटने वाले पिता का वीडियो वायरल

बापटला, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के बापट्ला जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना में रहीम नाम का नौ साल का लड़का इस्लामपेट थाने में अपने पिता के खिलाफ अपनी मां के साथ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराने गया। यह मामला तब सामने आया जब रहीम का थाने में एक अधिकारी से बात करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सूत्रों के मुताबिक, रहीम के एक राइस मिल में काम करते हैं। रोजाना शराब पीकर घर आते हैं और उसकी को पीटते हैं। वीडियो में रहीम को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उसका पिता रोज शराब पीकर घर आता था और उसकी मां को पीटता था और वह थाने में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने आया था।

रहीम की गुहार सुनने के बाद थाने में मौजूद एसआई शिवय्या ने तुरंत कार्रवाई की। उसने लड़के के माता-पिता को बुलाया और परामर्श दिया और उसने अपने पिता को आगे चेतावनी दी कि अगर उसने फिर कभी अपनी पत्नी को पीटा तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आंप्र सीएम ने पुलिस को जीओ 1 को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया

अमरावती, 5 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने राज्य पुलिस को जीओ 1 को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने राज्य में कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान पार्टी का नाम लिए बगैर पुलिस को निर्देश दिया। राज्य सरकार ने राज्य की सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर जनसभाओं और रैलियों को प्रतिबंधित करने के लिए जीओ 1 को लागू किया है। प्रकाशम जिले के कंदुकुर और गुंटूर में हुई दो घटनाओं के बाद जीओ को लागू किया गया था, जहां जनसभाओं में 10 लोगों की जान चली गई थी।

टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायडू के रोड शो के दौरान कंदुकुर में हुई भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, और नायडू के एक निजी सभा से निकलने के तुरंत बाद गुंटूर में हुई भगदड़ में तीन लोगों की मौत हो गई। जीओ जनवरी के पहले सप्ताह में आया था।

धरने पर बैठे पहलवानों को दुष्यंत-विज का साथ

डिप्टी सीएम ने कहा-दोषी पर सख्त कार्रवाई हो, गृहमंत्री बोले-ऊपर बात करनी पड़ी तो करूंगा

पानीपत, 5 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी को लेकर पहलवानों का धरना आज 13वें दिन भी जारी है। इन पहलवानों को हरियाणा के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और गृह मंत्री अनिल विज ने भी समर्थन दिया है।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। खिलाड़ी अपने बयान दर्ज करवा चुके हैं। दिल्ली पुलिस दोषी पर जल्द से जल्द और सख्त से सख्त से कार्रवाई करें। न्यायपालिका और दिल्ली पुलिस जल्द कदम उठाए। साथ ही खिलाड़ियों के साथ पुलिस टीम की जो झड़प हुई है, पुलिस उस पर भी केस दर्ज करे।

दिल्ली पुलिस निष्पक्ष जांच कर रही : अनुराग ठाकुर

वहीं लखनऊ में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि जहां तक खिलाड़ियों के मांगों का सवाल है मैं यही कहूंगा कि निष्पक्ष चुनाव की बात कही थी, आईओए वो भी करवाने वाला है। एक कमेटी के गठन की बात थी, वो भी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज कर ली है। पुलिस निष्पक्ष जांच कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अपना निर्णय दे दिया है। मेरा खिलाड़ियों से अनुरोध है कि जांच पूरी होने दें। तभी दूध का दूध और पानी का पानी होगा। इधर, गुरुवार को देर रात धरना स्थल पर किसान नेता राकेश टिकैत पहुंचे। जहां उन्होंने पहलवानों व अन्य लोगों को संबोधित करते हुए कई बड़े ऐलान किए। उन्होंने कहा कि इन बच्चों (खिलाड़ियों) के साथ दिल्ली पुलिस ने महज बेड लाने की बात का बहाना बना कर इतना दुर्व्यवहार किया, जोकि किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा। अब इस आंदोलन को जातिवाद में बदलने की साजिश रची जा रही है।

उन्होंने कहा कि ये बच्चे किसी जाति से नहीं है, ये बच्चे हमारे हैं, देश के हैं। इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी हमारी है। इन्हें किसी प्रकार की चोट नहीं आनी चाहिए। बाहर का कोई असामाजिक तत्व इन पर हमला न कर दे। हालांकि दिल्ली पुलिस ने यहां बैरिकेडिंग भी बहुत की हुई है, ये अच्छा है। मगर पुलिस को और पैनी नजर रखने की जरूरत है।

रेसलर्स के हक में डटे

दुष्यंत चौटाला, डिप्टी सीएम, हरियाणा | अनिल विज, गृह मंत्री, हरियाणा

7 मई को खिलाड़ियों की प्रैक्टिस पर भी होगी चर्चा

उन्होंने कहा कि 7 मई को खाप पंचायतों के प्रतिनिधि जंतर-मंतर आएंगे। गुरुवार को भी हरियाणा और उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर खाप पंचायतें हुई हैं। अब हमारे पास दो दिन का समय है, इसमें हम बाकी सभी जगहों पर संपर्क करेंगे। खापों के जो भी प्रतिनिधि होंगे, उन्हें 7 मई को यहां बुलवाएंगे। यहां आगे की रणनीति बनानी पड़ेगी। क्योंकि इन बच्चों की प्रैक्टिस छूट रही है। इस पर भी बात करेंगे। अधिकारियों के भी संज्ञान में ये बात लाई जाएगी। हमारी सरकार से भी ये अपील है कि इन बच्चों की प्रैक्टिस की व्यवस्था की जानी चाहिए। ये व्यवस्था यहां हो या कई दूसरी जगह, इस बारे में बात करेंगे। खिलाड़ियों को हताश होने की जरूरत नहीं है। इस लड़ाई को मजबूती के साथ लड़ेंगे।

डिटेन के दौरान सर्मथकों को कुछ हुआ तो जिम्मेदार दिल्ली पुलिस होगी : विनेश

बजरंग पुनिया ने दिल्ली पुलिस से अपील की है कि उनके सर्मथन में आने वाले जिन लोगों को डिटेन किया गया है, उन्हें जल्द छोड़ा जाए। वहीं, विनेश फोगाट ने कहा कि जिन भी लोगों को डिटेन किया गया है, अगर उनको कुछ भी होता है तो उसकी जिम्मेदार भी दिल्ली पुलिस की होगी। हालांकि पुलिस ने यह सब कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए किया है। जिस बात का हम सम्मान करते हैं। हम खुद भी नहीं चाहते कि किसी भी तरह की हिंसा हो। जब तक गिरफ्तारी नहीं हो जाती, तब तक धरना जारी रहेगा। अब जो भी फैसला लिया जाएगा, वह खाप लेगी। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट से पहले हमारी खापें फैसला लेती हैं। हमारे लिए वहीं सर्वमान्य होगा।

बजरंग पुनिया ने कहा कि मेरी हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल से भी यही गुजारिश है कि आप भी आइए और हमारा सपोर्ट कीजिए। क्योंकि ये हमारे भारत की बेटियों का मुद्दा है। आप हमारे प्रदेश के मुखिया हैं। ये बेटियों को न्याय दिलवाने का मामला है, तो आप क्यों नहीं आ रहे यहां पर। वहीं, विनेश ने कहा कि जब तक बृजभूषण पर केस दर्ज नहीं हुआ था, तब तक सीएम कह रहे थे कि वे साथ हैं, बेटियों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।

विश्व क्रिकेट पर राज करेंगी आईपीएल की टीमें

फुटबॉल की राह पर है यह खेल; बोले रवि शास्त्री

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। रवि शास्त्री और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर टॉम मूडी को लगता है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजीस खिलाड़ियों के साथ लॉन्ग टर्म कॉन्ट्रैक्ट कर विश्व क्रिकेट पर राज करेंगी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री का यह भी मानना है टी20 लीग्स से द्विपक्षीय क्रिकेट, खासकर एकदिवसीय क्रिकेट को नुकसान होगा।

रवि शास्त्री ने जोर देकर कहा कि क्रिकेट धीरे-धीरे फुटबॉल की राह पर जा रहा है और भविष्य में खिलाड़ियों की रुचि केवल विश्वस्तरीय स्पर्धाएं खेलने में ही होगी। पिछले सप्ताह फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन ने पुष्टि की थी कि इस तरह के अनुबंधों को लेकर कुछ फ्रेंचाइजी और खिलाड़ियों के बीच अनौपचारिक बातचीत हुई है। हालांकि, अब तक किसी ने आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

रवि शास्त्री ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, 'दुनिया भर में टी20 लीगों की बढ़ती संख्या से द्विपक्षीय क्रिकेट खासकर वनडे प्रारूप को नुकसान हो रहा है और सभी फ्रेंचाइजी का झुकाव खिलाड़ियों को दीर्घकालिन अनुबंध देने पर है।' रवि शास्त्री ने कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि द्विपक्षीय श्रृंखलाओं को नुकसान होगा। दुनिया भर में जिस तरह से लीग की संख्या बढ़ रही है, यह फुटबॉल के रास्ते पर जा रहा है।'

पसंद हो या न हो, लेकिन ऐसा ही होगा

रवि शास्त्री ने कहा, 'टीमें विश्व कप से पहले इकट्ठा होंगी, थोड़ा बहुत द्विपक्षीय क्रिकेट खेलेंगी, क्लब टीमों को छोड़ेंगे जो विश्व कप खेलेंगे। आपको पसंद आए या नहीं लेकिन ऐसा ही होगा। मुझे इसमें कोई बुराई नहीं लगती। लेकिन 50 ओवरों के क्रिकेट को नुकसान होगा।' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर्स के देश के लिए खेलने पर क्लब को तरजीह देने के बारे में उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह चलन और बढ़ेगा।

रवि शास्त्री ने कहा, 'हमारे देश में एक अरब 40 करोड़ लोग हैं और सिर्फ 11 ही देश के लिए खेल सकते हैं। फिर बाकी क्या करेंगे। उन्हें इस फ्रेंचाइजी क्रिकेट के जरिए दुनिया भर में खेलने का मौका मिल रहा है तो वह क्यो नहीं खेलेंगे। यह उनकी आजीविका है।' ईएसपीएनक्रिकइंफो के प्रोग्राम 'रनऑर्डर' पर सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व कोच टॉम मूडी ने कहा, 'हम इस बारे में इसलिए बात कर रहे हैं, जब आईपीएल की टीमें दुनिया भर की अन्य फ्रेंचाइजी को खरीदना चाहती हैं। ऐसा करना उनके लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद नहीं हो सकता है, लेकिन वे दीर्घकालिक लाभ (कैलेंडर वर्ष में अधिक हिस्सेदारी रखना) को देख रही हैं।'

सौरव गांगुली का विराट कोहली और गौतम गंभीर के झगड़े पर बयान, जानकारी के बिना नहीं बोलना चाहिए

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच मैच दौरान के विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच तीखी बहस देखने को मिली थी। लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर और वीरेंद्र सहवाग जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने दोनों पर बैन लगाने की बात कही है। अब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली का बयान सामने आया है।

एक कार्यक्रम के दौरान दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के मेंटर गांगुली से इसे लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि क्या हुआ। खेल दुनिया में उन्होंने यह सीखा है कि पूरी जानकारी के बगैर किसी विषय पर नहीं बोलना चाहिए। साथ ही उन्होंने पहलवानों के धरने पर बयान देते हुए कहा कि उम्मीद है मामल जल्द सुलझेगा। बीसीसीआई ने कोहली और गंभीर पर 100 प्रतिशत मैच फीस काटने का जुर्माना लगाया है।

सौरव गांगुली का बयान

सौरव गांगुली के बयान का समाचार एजेंसी एएनआई ने वीडियो जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा, "मैं नहीं जानता कि वहां क्या हुआ, मैंने इसके बारे में न्यूज पेपर में पढ़ा। खेल जगत में आप उन चीजों के बारे में बात नहीं करते, जिनके बारे में आपको पूरी जानकारी नहीं होती। मुझे आशा है कि यह हल हो जाएगा। पहलवान देश का नाम रोशन करते हैं और उम्मीद है कि मामला सुलझ जाएगा।"

गांगुली और कोहली के बीच तल्ख रिश्ते

सौरव गांगुली और विराट कोहली के बीच तल्ख रिश्तों से हर कोई वाकिफ है। साल 2021 में में दोनों के रिश्ते खराब हुए थे। गांगुली बीसीसीआई अध्यक्ष थे और कोहली टीम इंडिया के कप्तान। विराट कोहली ने कप्तानी छोड़ने पर बयान दिया था, जिससे पूरा विवाद पैदा हुआ था। हाल ही दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और आरसीबी के बीच मैच दौरान मैदान पर दोनों के बीच खट्टास देखने को मिली थी। दोनों ने हाथ तक नहीं मिलाया था। बाद में सोशल मीडिया पर दोनों ने एक दूसरे को अनफॉलो कर दिया था।

वर्ल्डकप में भारत-पाक मैच नमो स्टेडियम में खेला जा सकता है

टूर्नामेंट का आगाज 5 अक्टूबर से होगा, मेजबानी के लिए 12 शहर शॉर्ट लिस्ट

वर्ल्ड कप 2023 से पहले भारत के वनडे मैच

खिलाफ	कहां	मैच	कब
वेस्टइंडीज	वेस्टइंडीज	3	जुलाई 2023
एशिया कप	पाकिस्तान	5*	सितंबर 2023
ऑस्ट्रेलिया	भारत	3	सितंबर 2023

मुंबई, 5 मई (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा सकता है। वनडे वर्ल्ड अक्टूबर-नवंबर में होना है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भारत-पाक के मैच को अहमदाबाद में कराने का मन बना रहा है।

हालांकि अभी इसकी अधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई ने भारत-पाक के हाईवोल्टेज मुकाबले को अहमदाबाद में कराने का फैसला किया है।

आखिरी बार 2016 में ईडन गार्डन आया था पाकिस्तान

पाकिस्तान टीम आखिरी बार 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान ईडन गार्डन में खेली थी। पाकिस्तान का मुकाबला भारत के खिलाफ हुआ था। इसमें भारत 6 विकेट से जीता था।

12 वेन्यू किए गए हैं शॉर्ट लिस्ट

बता दें कि वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से शुरू हो सकता है और इसके लिए 12 वेन्यू शॉर्ट लिस्ट किए गए हैं। इनमें चेन्नई और कोलकाता भी शामिल हैं। बाकी 10 वेन्यू अहमदाबाद, लखनऊ, मुंबई, राजकोट, बेंगलुरु, दिल्ली, इंदौर, गुवाहाटी, हैदराबाद और धर्मशाला हैं।

पीसीबी ने चेन्नई और कोलकाता को बताया है पसंदीदा

वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को वनडे वर्ल्ड कप के दौरान अपने सभी मैच सुरक्षा कारणों से कोलकाता का ईडन गार्डन और चेन्नई के चेपक स्टेडियम में खेलने का अनुरोध किया है।

भारत और पाक के बीच आखिर बार वनडे मैच 2019 वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में खेला गया। दोनों टीमों ने अब तक वनडे में 132 बार आमने-सामने हुई हैं। इनमें से 55 भारत ने जीता है। जबकि 73 बार पाकिस्तान ने भारत को हराया है। वहीं 4 मुकाबले बिना रिजल्ट के खत्म हुए हैं।

वनडे वर्ल्ड कप में खेले सभी मैच भारत ने जीते

वनडे वर्ल्ड कप में भारत-पाक सात बार भिड़े हैं। सभी मुकाबले भारत ने जीते हैं। पहली बार 1992 वनडे वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान आपस में भिड़े थे।

आईपीएल मैच से पहले राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन पर एक्शन

राजस्थान रॉयल्स और आरसीए ने टिकटों में किया घोटाला; रातोंरात जमा कराए 10 करोड़

जयपुर, 5 मई (एजेंसियां)। जयपुर में चार साल बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मुकाबले हो रहे हैं, लेकिन मैचों से पहले कुछ न कुछ विवाद सामने आ रहा है। कभी स्टेडियम में अवैध निर्माण तो कभी मैच के दौरान पुलिसवालों की अवैध एंट्री से राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन सुर्खियों में है। जयपुर में आईपीएल का तीसरी मुकाबला है, लेकिन इससे पहले आरसीए पर फर्जीवाड़े का आरोप लगा है।

सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स सीजीएसटी विभाग ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को 22 करोड़ रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट के फर्जीवाड़े के लिए नोटिस जारी किया है। इसके बाद आरसीए द्वारा किए गए लेन-देन की जांच की जा रही है। आरोपों के घेरे में राजस्थान रॉयल्स का प्रबंधन भी है। शाम को सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स की ओर यह नोटिस दिया गया है। जिसके कुछ ही देर बाद आनन-फानन में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की और से सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स विभाग में 10 करोड़ रुपए जमा भी करवा दिए हैं। वहीं, सीजीएसटी टीम फ़िलहाल इस पूरे मामले को लेकर गहनता से जांच कर रही है। ऐसे में अब आईपीएल के तीसरे मैच से पहले हुई करवाई ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों को एक बार फिर परेशानी में डाल दिया है।

कॉम्पलीमेंट्री टिकट में भी घोटाला

दरअसल, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आईपीएल के आयोजन से पहले स्टेडियम में 22 करोड़ रुपए के निर्माण कार्य करवाए गए थे। जिसको लेकर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन और राजस्थान रॉयल्स ने टैक्स की चोरी की थी। जब इसकी जानकारी सीजीएसटी टीम को मिली, तो उन्होंने इस पूरे मामले की पड़ताल की। जिसमें 22 करोड़ के निर्माण कार्य के साथ ही मैच के कंप्लीमेंट्री टिकट में भी करोड़ों रुपए के टैक्स चोरी के दस्तावेज मिले हैं।

इसके बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन पहुंची सीजीएसटी विभाग की टीम ने आरसीए और राजस्थान रॉयल्स द्वारा स्टेडियम में किए गए निर्माण कार्य और मैच से जुड़े अहम दस्तावेजों को सीज कर दिया है। वहीं टैक्स चोरी के दूसरे दस्तावेजों की फिलहाल सीजीएसटी विभाग द्वारा जांच की जा रही है। इसमें दोषी पाए जाने पर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन और राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन के खिलाफ गिरफ्तारी तक की कार्रवाई हो सकती है। बता दें कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन और राजस्थान रॉयल्स द्वारा आईपीएल मैच से पहले स्टेडियम में किए गए निर्माण और कॉम्पलीमेंट्री पास को लेकर जीएसटी बिल लगाए गए थे। जिनकी जब सीजीएसटी विभाग ने जांच की तो उनमें से अधिकतर बेल फर्जी पाए गए। ऐसे में गुरुवार शाम से ही सीजीएसटी विभाग द्वारा लगातार आरसीए और राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन के खिलाफ जांच की जा रही है।

कुछ भी कहने से बच रहे हैं अधिकारी

इस पूरे मामले को लेकर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के साथ ही सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स विभाग के अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे है। ऐसे में अब देखना होगा। आईपीएल के आयोजन के दौरान हुई कार्रवाई का कितना असर मैच के आयोजन के साथ ही राजस्थान के खिलाड़ियों और क्रिकेट पर दिखाई देता है। वहीं जब इस पूरे मामले पर हमने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव भवानी सिंह समोता से बात करनी चाही।

पहली बार चैंपियन के रूप में उतरेंगे नीरज चोपड़ा

विश्व विजेता पीटर्स और जैकब से मिलेगी चुनौती

दोहा, 5 मई (एजेंसियां)। डायमंड लीग चैंपियन के रूप में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शुक्रवार को होने वाली प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के पहले चरण के मुकाबले के लिए जब मैदान में उतरेंगे तो उनके सामने एक बार फिर अपने चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती होगी। इस लंबे सत्र का आगाज डायमंड लीग के दोहा चरण से हो रहा है और नीरज इसमें दमदार प्रदर्शन कर सत्र का शानदार आगाज करना चाहेंगे।

विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले इस 25 साल के खिलाड़ी के सामने कतर स्पोर्ट्स क्लब में ग्रेनाडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और चेक गणराज्य के टोक्यो ओलंपिक के रजत विजेता जैकब वडलेजच जैसे खिलाड़ियों की चुनौती होगी। इस स्पर्धा में टोक्यो ओलंपिक चैंपियन पेड्रो पिचार्डो , क्यूबा के डायमंड लीग विजेता एंडी डियाज हर्नांडेज और दो बार के ओलंपिक गोल्ड विजेता (2012 और 2016) और पांच बार के विश्व चैंपियन अमेरिका के क्रिश्चियन टेलर भी भाग ले रहे हैं।

पिछले साल रचा था इतिहास

नीरज का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। वह 2018 में दोहा डायमंड लीग में अपनी इकलौती भागीदारी में 2018 में 87.43 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

10 में से नौ बार लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम इसे हासिल कर लेती : ब्रेट ली

हैदराबाद, 5 मई (एजेंसियां)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कोलकाता नाईट राइडर्स के लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के आखिरी ओवर में नौ रन बचाने की सराहना करते हुए कहा है कि यह ऐसी स्थिति थी जिसमें पीछा करने वाली टीम जीत की ज्यादा दावेदार मानी जाती है।

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में 172 के लक्ष्य का पीछा करते हुए हेनरिक क्लासेन और एडन मारक्रम के बीच 47 गेंदों में 70 रन की साझेदारी के कारण हैदराबाद एक समय मजबूत स्थिति में नजर आ रहा था। लेकिन इस जोड़ी के आउट होने और वरुण चक्रवर्ती की शानदार गेंदबाजी से हैदराबाद 166/8 रन ही बना पाया और अपना लगातार छठा मैच हार गया। ब्रेट ली के हवाले से जियो सिनेमा ने कहा, नौ रन, 10 में से नौ बार लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम इसे हासिल कर लेती। केवल एक गेंद थी जो छक्के के लिए जा सकती थी लेकिन यह विकेट बॉल निकल गयी। कोलकाता ने काफी अच्छा काम किया लेकिन हैदराबाद ने खराब बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया।

मैड्रिड ओपन : सबलेंका के खिलाफ फाइनल में भिड़ेंगी स्वोटेक

मैड्रिड, 5 मई (एजेंसियां)। वल्ड नंबर 1 इगा स्वोटेक ने वेरोनिका कुदरमेतोवा पर जीत के साथ मैड्रिड ओपन के फाइनल में पहली बार प्रवेश कर लिया है। पोलिश टेनिस खिलाड़ी ने दोनों सेटों में शुरूआती बढ़त हासिल की और गुरुवार को देर रात सेमीफाइनल में कजान में जन्मी नंबर 12 सीड को 6-1, 6-1 से हराया। शीर्ष वरीय स्वोटेक ने सीजन के पहले डब्ल्यूटीए 1000 क्ले-कोर्ट इवेंट में जीत हासिल करने के लिए 1 घंटा 19 मिनट का समय लिया। कुदरमेतोवा के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 4-0 हो गया। इस बड़ी जीत के साथ, दूसरे सीधे डब्ल्यूटीए टूर इवेंट के लिए स्वोटेक फाइनल में वल्ड नंबर 2 आर्यना सबालेंका से भिड़ेंगी। सबालेंका ने पहला सेमीफाइनल नंबर 9 सीड मारिया सक्कारी के खिलाफ जीता। ग्यारह दिन पहले, स्वोटेक ने स्टटगार्ट में टेनिस ग्रां प्री के फाइनल में सबालेंका को पछाड़ा था। स्वोटेक का शनिवार को मैड्रिड फाइनल में जाने वाली सबालेंका के खिलाफ 5-2 से जीत-हार का रिकॉर्ड रहा है।

15 संभावित वर्ल्ड कप स्थानों की सूची में त्रिवेंद्रम का ग्रीनफील्ड स्टेडियम

तिरवनंतपुरम, 5 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम को उन 15 जगहों में शामिल किया है जहां एकदिवसीय क्रिकेट वर्ल्ड कप मैच का आयोजन हो सकता है। इसको लेकर केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) और यहां के क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। केसीए सचिव विनोद कुमार ने कहा कि अंतिम फैसला आईसीसी लेगा।

कुमार ने कहा, आईसीसी एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा के सभी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए स्थानों का फैसला करता है। इसलिए फिलहाल हम खुश हैं कि हमारे नाम पर विचार किया जा रहा है, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि हमारा चयन किया जाएगा, क्योंकि यह नियम हमारे हाथ में नहीं है। देश में अंतर्राष्ट्रीय मैचों के आयोजन के लिए उपयुक्त लगभग 40 स्थानों में ग्रीनफील्ड स्टेडियम 15 की सूची में आ गया है। अत्याधुनिक क्रिकेट स्टेडियम 2015 में खुला और सभी सुविधाओं के साथ 50,000 की क्षमता वाला है। अब तक यहां पांच अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जा चुके हैं और इसलिए कुमार को भरोसा है कि अगर स्टेडियम का चयन किया जाता है तो कोई समस्या नहीं होगी।

सर्वे भवन्तु सुखिनः

अग्रवाल समाज (रजि.) तेलंगाना

मानव सेवा–माधव सेवा

301, तीसरा माला, राघव रत्ना टॉवर्स, चिराग अली लेन, आबिड्स, हैदराबाद

Email : agarwalsamajtelangana.gmail.com | Website : www.agarwalsamajtelangana.com | M : 8919909873

सपना हुआ साकार

अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल

1-7-178/S-1, पर्ल पैराडाइज, फर्स्ट फ्लोर, बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम के ऊपर, एमजी रोड, सिकंदराबाद

भव्य उद्घाटन

रविवार 7 मई 2023

मध्याह्न 3:15 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक

सभी ट्रस्टी का हृदय से आभार

अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल नवनियुक्त कार्यकारिणी समिति

अध्यक्ष – राकेश जालान; उपाध्यक्ष – संजय कुमार अग्रवाल (डीआरएस); मानद मंत्री – सूर्यकमल गुप्ता; संयुक्त मंत्री – धीरज खेतान; कोषाध्यक्ष – विकास कुमार केशान; परामर्शदाता – गोपाल अग्रवाल; परामर्शदाता – दुर्गाप्रसाद नेवठा; परामर्शदाता – राम गोयल; परामर्शदाता – कैलाशचन्द केडिया; कार्यकारिणी सदस्य – आशीष दोचानिया; कार्यकारिणी सदस्य – उमेश अग्रवाल; कार्यकारिणी सदस्य – रितेश अग्रवाल; कार्यकारिणी सदस्य – संदीप मित्तल; कार्यकारिणी सदस्य – हर्ष अग्रवाल; मनोनित कार्यकारिणी सदस्य – नितिन अग्रवाल; मनोनित कार्यकारिणी सदस्य – दिनेश कुमार अग्रवाल

उद्घटनकर्ता

श्री दयानंदजी अग्रवाल
Founder Chairman & MD at Agarwal Packers and Movers
Bade Bhaiya (DRS Group)

प्लैटिनम् ट्रस्टी

गोपाल अग्रवाल
शुभलाभ न्यूज पेपर

OFFICE BEARERS
Vikash Keshan – President
Alok Jain – Vice President
K. N. Kandoi – Secretary
Vikas Agarwal – Joint Secretary
Ramesh Agarwal – Treasurer
& all working committee
सिकंदराबाद उत्तरांचल शाखा

डायमण्ड ट्रस्टी

अंजनी कुमार अग्रवाल – DRS
कमलकिशोर अग्रवाल – Shiv Narayan Group
शरद बी. पित्ती – Pitti Laminates
विकास कुमार केशान – Keshan Industries

गोल्ड ट्रस्टी

Committee Chairman – पुरषोत्तम अग्रवाल
Committee Vice Chairman – मनीष अग्रवाल
राकेश जालान, तेज नारायण अग्रवाल, संजय कुमार अग्रवाल (डीआरएस), नितिन कुमार अग्रवाल, विश्वनाथ अग्रवाल, मेघराज अग्रवाल, बजरंगलाल अग्रवाल, रंगनाथ अग्रवाल

OFFICE BEARERS
Gopaldas Agarwal – President
Santosh Agarwal – Vice President
Mahesh Kanodia – Secretary
Ritesh Agarwal – Joint Secretary
Dr. Neha Agarwal – Treasurer
& all working committee
HYDERGUDA SHAKHA

संदीप नरोत्तम गुप्ता, राजेश कुमार अग्रवाल, कैलाशचन्द केडिया, प्रमोद अग्रवाल, उदय गुप्ता, धीरज खेतान, दीपक डाडा, राम गोयल, धीरज कुमार अग्रवाल, रजनीश केशान

सिल्वर ट्रस्टी

कपूरचन्द गुप्ता, डॉ. दिलीप कुमार पंसारी, सूर्यकमल गुप्ता (Project Coordinator), राजेन्द्र जालान, रितेश अग्रवाल, सतीश कुमार अग्रवाल, तर्पेम अग्रवाल, आशीष दोचानिया, उमेश अग्रवाल, दिनेश कुमार अग्रवाल, संदीप मित्तल, सुशील कुमार अग्रवाल, ओमप्रकाश बंसल, प्रफुलचन्द अग्रवाल, विकास हिसारिया

पंकज केडिया, अंकित गुप्ता, विनोद आर्य, सीए पंकज अडुकिया, महादेवप्रसाद अग्रवाल, नन्दकिशोर चौधरी, संजीव कुमार गुप्ता, संजय कुमार अग्रवाल (प्लोरिया), के.पी. अग्रवाल, दीपा गर्ग (अग्र महिला मंच), दुर्गाप्रसाद नेवठा, पियुष केजरीवाल, सुधीर कुमार जैन, किरण अग्रवाल, महेन्द्र गुप्ता

मनोज कुमार मित्तल, सुबोध कुमार संघी, आलोक जैन, विकी सराफ, स्व. श्री विद्याधर अग्रवाल, विमल केडिया, विजय कुमार तलस्यान, विजय बंसल, नवीन कुमार अग्रवाल, संजय गुप्ता, रंजय गोयल, हर्ष अग्रवाल, मनीष तालुका, राजेश अग्रवाल, डॉ. अमित गोयल

गजानन्द संघी, अनुज गर्ग, नारायण चौधरी, हंसराज अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, पवन कुमार गुप्ता, शिवकुमार बगला, ओमप्रकाश मित्तल, मदनलाल गोयल, रामरतन कंसल, देवकीनन्दन जाजोदिया, नवीन जैन, विनोद अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल

शाखा सिल्वर डोनर

अमीरपेट शाखा | अत्तापुर वेस्ट शाखा | बीदर शाखा | बोइनपल्ली शाखा | दोमलगुडा शाखा | कोमपल्ली शाखा
लकडी का पुल शाखा | मुरलीनगर शाखा | नाचाराम मल्लापुर शाखा | रामनगर शाखा | मानसरोवर सिकन्दराबाद शाखा | सिकन्दराबाद पैराडाइज शाखा | शिवरामपल्ली शाखा

अध्यक्ष – अंजनी कुमार अग्रवाल; उपाध्यक्ष – डॉ. दिलीप कुमार पंसारी; मानद मंत्री – कपूरचन्द गुप्ता; सह-मंत्री – सतीश कुमार अग्रवाल; कोषाध्यक्ष – राकेश जालान; निवर्तमान अध्यक्ष – गोविन्द अग्रवाल; कमिटी चेयरमैन – पुरषोत्तम अग्रवाल; कमिटी वाइस चेयरमैन – मनीष अग्रवाल; प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर – सूर्यकमल गुप्ता

DRS International School – Strive to Surpass – IB World School

DarsH Caters – Darsh Agarwal - 9100555526, Monty Agarwal - 9849022276, Pavan Agarwal - 9505767003

Mickey – SRI BALAJI PLASTIC INDUSTRIES – Rakesh Kumar Jalan – Mankhal, R.R. Dist. TS Ph. : 9000275092

Salient Features : 4200 Sft. of Fully Illuminated Air Conditioned Hall | Suitable for Gatherings from 50 - 300 Paxs | 20 Seater Conference Room | Fully Equipped Pantry | 100% Power Back | Inhouse State of the Art Sound System | Ample Parking Space Suitable for Marriages, Engagement, Birthday Parties, Anniversary Celebrations, Pre Wedding Events , Bhajan / Spiritual Programms, Conferences, Seminars Get Togethers , Exhibitions, Training Programs
For any queries Contact : 9100791002

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.